शुभ लाभ

शुभ लाभ DAILY

खबरें जो सोच बदल दे

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

अगर निष्पक्ष जांच करनी है तो सीबीआई से ही कराई जानी चाहिए : पी. राजीव @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । मंगलवार, 01 अक्टूबर, 2024 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु.। वर्ष-6 । अंक-272

नसरल्लाह की मौत पर प्रदर्शन भारतीय कानून को खुली चुनौती

आतंकवादी की मौत पर मातम मनाने वाले राष्ट्रद्रोही हैं

- राष्ट्रद्रोहियों को पकड़ने के बजाय दर्शक बना खड़ा रहा कानून
- राष्ट्रद्रोही हरकतें सड़कों पर होती रहीं, कानून घर में कैद रहा

खूंखार आतंकी संगठन हिज्बुल्लाह के कमांडर हसन नसरल्लाह की मौत पर भारत में हो रहे धरना प्रदर्शन और शोक सम्मेलन भारतीय कानून को खुली चुनौती दे रहे हैं, लेकिन भारत सरकार कानून और संविधान के उल्लंघन को नजरअंदाज कर खुद बड़ा अपराध कर रही है। भारतीय कानून और संविधान के मुताबिक किसी आतंकवादी का समर्थन करना या उसकी मौत पर खुला मातम मनाना, स्पष्ट रूप से राष्ट्रद्रोह है और उस अनुरूप दोषियों पर कार्रवाई होनी चाहिए। महबूबा मुफ्ती, उमर अब्दुल्ला, रुहुल्ला मेंहदी, सैयद सदातुल्लाह हुसैनी, मौलाना यासूब अब्बास जैसे लोगों को फौरन गिरफ्तार कर जेल में बंद किया जाना चाहिए था।

शुभ-लाभ चिंता

लेकिन भारत सरकार ने ऐसा नहीं किया। आतंकवादी की मौत पर जम्मू कश्मीर समेत पूरे देश में सड़कों पर प्रदर्शन हुए, लेकिन भारत का कानून पंगु और नपुंसक की तरह दर्शक दीर्घा में खड़ा रहा। यह देश के लिए अत्यंत दुख और चिंता की बात है।

अगर आपको आतंक का अहसास होता है, तो आपकी जिंदगी वहीं थम जाती है, आपके सारे काम रुक जाते हैं। यही समाज और देश के साथ होता है। आतंकवादी भय और अविश्वास का माहौल भी इसीलिए बनाते हैं ताकि आम लोग अपने सामान्य जीवन जीने में डरें और देश का विकासकार्य ठप्प पड़ जाए। आतंकवाद, एक राजनीतिक कार्रवाई है, जिसमें किसी राष्ट्र के शासन और उसकी जनता को भय और मनोबल से गिराने के लिए असाधारण हिंसक साधनों का प्रयोग किया जाता है। आतंकवाद की दी गई इस परिभाषा के साथ ही हम संयुक्त राष्ट्र द्वारा पारिभाषित आतंक को भी समझते चलते हैं।

संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, आतंकवाद कोई भी ऐसा कार्य है, जिसका उद्देश्य किसी नागरिक को या सशस्त्र संघर्ष की स्थिति में शत्रुता में सक्रिय भाग नहीं लेने वाले किसी अन्य व्यक्ति को मृत्यु या गंभीर शारीरिक चोट पहुंचाना हो, जब ऐसे कार्य का उद्देश्य, अपनी प्रकृति या संदर्भ के अनुसार, जनसंख्या को डराना हो या किसी सरकार या अंतर्राष्ट्रीय संगठन को कोई कार्य करने या न करने के लिए बाध्य करना हो।

अब आप इन दोनों ही परिभाषाओं के आधार पर हिजबुल्लाह को रख कर देखिए। यह सर्वविदित है कि यूरोपीय संघ ने 22 जुलाई 2013 को हिजबुल्लाह के सैन्य विंग को एक आतंकवादी संगठन के रूप में नामित किया था। हिजबुल्लाह को संयुक्त राज्य अमेरिका और कई अन्य देशों द्वारा एक आतंकवादी संगठन के रूप में चिन्हित किया गया है। लेबनान पर इज़राइली आक्रमण के जवाब में 1982 में गठित ▶10पर

तिरुपति बालाजी देवस्थानम प्रसादम षडयंत्रम्

मिलावटी प्रसाद सुप्रीम कोर्ट की चिंता का विषय नहीं

सुप्रीम कोर्ट को मलाल है, प्रेस तक कैसे पहुंची खबर!

- सुप्रीम कोर्ट ने सरकार से कहा: भगवान को सियासत से दूर रखें
- यानी, ईश्वर के घर में होने वाले अपवित्र कार्यों का विरोध न हो

नई दिल्ली, 30 सितंबर (एजेंसियां)।

आंध्र प्रदेश के प्रसिद्ध तिरुपति बालाजी देवस्थानम में चर्बी मिश्रित घी में प्रसादम बनाए जाने का षडयंत्र सुप्रीम कोर्ट की चिंता का विषय नहीं है। सुप्रीम कोर्ट को उससे अधिक इस बात की चिंता है कि मिलावटी प्रसादम की खबर प्रेस तक कैसे पहुंची! यानी, मिलावटी प्रसादम की खबर

मीडिया तक नहीं पहुंचती तो सब ठीक-ठाक रहता। सुप्रीम कोर्ट ने आंध्र प्रदेश सरकार को हिदायत दी है कि भगवान को सियासत से दूर रखे। स्पष्ट है कि ईश्वर के घर में होने वाले अपवित्र कार्यों का विरोध न हो और वह खबर आम जनता और श्रद्धालुओं तक न पहुंचे। तिरुपति बालाजी मंदिर में चर्बी में बने प्रसाद को लेकर सुप्रीम कोर्ट उतना गंभीर नहीं है, जितना उसे इस बात को लेकर नाराजगी है कि यह खबर मीडिया में कैसे लीक हुई। यानी, प्रसाद में जो कुछ भी बनता और बंटता रहता, यह खबर अखबारों में नहीं छपती तो सब कुछ सामान्य चलता रहता।

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को उन याचिकाओं पर सुनवाई की, जिनमें तिरुमाला स्थित श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में प्रसाद (लड्डू) बनाने में पशु चर्बी के इस्तेमाल के आरोपों की अदालत की निगरानी में जांच की मांग की गई है। सुनवाई के दौरान उच्चतम न्यायालय ने पूछा कि यह दिखाने के लिए क्या सबूत हैं कि लड्डू बनाने में मिलावटी घी का इस्तेमाल किया गया था। हम कम से कम इतनी उम्मीद करते हैं कि देवताओं को राजनीति से दूर रखा जाएगा। अगर जांच के आदेश दिए गए थे तो प्रेस में जाने की क्या जरूरत थी? तिरुपति लड्डू विवाद पर सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने उच्चतम न्यायालय से कहा कि यह आस्था का मामला है। अगर मिलावटी घी का इस्तेमाल किया गया ▶10पर

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पाकिस्तान को दिया बड़ा संदेश

दोस्ताना रिश्ता रखते तो आईएमएफ से बड़ा पैकेज देते

श्रीनगर, 30 सितंबर (एजेंसियां)।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पाकिस्तान को बड़ा संदेश दिया है। रक्षा मंत्री ने कहा कि अगर पाकिस्तान ने भारत के साथ दोस्ताना रिश्ता बना कर रखा होता, तो उसे अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) से मांगे गए पैकेज से भी काफी बड़ा राहत पैकेज दिया जाता। राजनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2014-15 में जम्मू-कश्मीर के विकास के लिए जिस विशेष पैकेज की घोषणा की थी, वह अब बढ़कर 90,000 करोड़ रुपए तक पहुंच गया है। जितनी रकम के लिए पूरा पाकिस्तान आईएमएफ के सामने मिन्नतें कर रहा था, उससे कहीं ज्यादा रकम हमारी सरकार ने जम्मू-कश्मीर के लिए दी है।

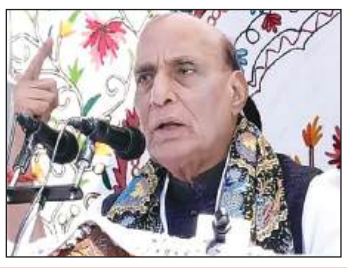

पाक जितना मांगता है उससे ज्यादा तो हम जम्मू कश्मीर को देते हैं

रक्षा मंत्री राजनाथ ने पाकिस्तान को चेतावनी देते हुए कहा, सरहद के पार बैठकर हिंदुस्तान को नुकसान पहुंचाने का मंसूबा पालने वालों को मैं साफ-साफ बता देना चाहता हूं कि अगर भारत में कोई बड़ी आतंकी वारदात हुई, तो दहशतगर्द जहां बैठे हैं, वहीं मारे जाएंगे। पाकिस्तान को यह नहीं भूलना चाहिए कि यह नया हिंदुस्तान है। दहशतगर्दी के खिलाफ हम सरहद के उस पार जाकर भी कड़ी कार्रवाई कर सकते हैं। राजनाथ ने कहा कि हिंदुस्तान की हर सरकार ने पाकिस्तान को समझाया है कि अपनी जमीन पर चलने वाले प्रशिक्षण कैंद बंद करे, मगर वह आज भी बाज नहीं आ रहा है।

राजनाथ ने कहा, हम जम्मू-कश्मीर की तरक्की और यहां के लोगों की जिंदगी बेहतर बनाने के लिए पैसे खर्च करते हैं। लेकिन पाकिस्तान आर्थिक सहायता का गलत इस्तेमाल करता है। वह अपनी धरती पर आतंकवाद की फैक्टरी चलाने के लिए दूसरे देशों से धन मांगता है। रक्षा मंत्री ने कहा कि अनुच्छेद 370 के खत्म होने के बाद से ही पाकिस्तान बौखलाया हुआ है। कश्मीर में दहशतगर्दी के पीछे हमेशा पाकिस्तान का हाथ मिला है। वह नहीं चाहता कि जम्मू-कश्मीर में जम्हूरियत मजबूत हो, लेकिन दहशतगर्दी का उसका कारोबार लंबा नहीं चलने वाला। राजनाथ सिंह ने कहा कि जम्मू-कश्मीर का यह चुनाव कोई आम चुनाव नहीं है। यह हिंदुस्तान की जम्हूरियत की ताकत और उसकी मजबूती का प्रदर्शन है। यह आपकी जम्हूरी ▶10पर

मिथुन चक्रवर्ती को मिलेगा दादा साहेब फाल्के पुरस्कार

नई दिल्ली, 30 सितंबर (एजेंसियां)।

प्रसिद्ध फिल्म अभिनेता मिथुन चक्रवर्ती को भारत के सबसे प्रतिष्ठित दादा साहेब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने यह आधिकारिक जानकारी दी है। उन्होंने कहा, यह ऐलान करते हुए गौरवान्वित महसूस कर रहा हूं कि दादा साहेब फाल्के पुरस्कार चयन समिति ने फैसला किया है कि सम्मानित फिल्म अभिनेता मिथुन चक्रवर्ती को उनके अभूतपूर्व योगदान के लिए 70वें नेशनल फिल्म अवॉर्ड्स समारोह में 8 अक्टूबर को दादा साहेब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा।

हिंदी सिनेमा जगत में मिथुन चक्रवर्ती का अहम योगदान रहा है। उन्होंने अपने करियर में एक से बढ़कर एक बेहतरीन फिल्मों में काम किया है। अभिनय यात्रा की शुरुआत में उन्हें काफी संघर्षों का सामना करना पड़ा था। उन्होंने अपनी अभिनय यात्रा की शुरुआत मृगया फिल्म से की थी। मिथुन चक्रवर्ती ने फिल्मों में आने से पहले काफी गरीबी के दिन देखे। फिल्मों में आने ▶10पर

साइबर अपराधियों पर सीबीआई की बड़ी कार्रवाई

नई दिल्ली, 30 सितंबर (एजेंसियां)।

देश में बढ़ रही साइबर अपराध की घटनाओं के बीच केंद्रीय जांच एजेंसी सीबीआई ने साइबर अपराधियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की। सीबीआई ने कई राज्यों में छापेमारी कर 26 साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए साइबर अपराधी दुनियाभर में लोगों को ठगने के आरोपी हैं। सीबीआई ने यह कार्रवाई ऑपरेशन चक्र-3 के तहत की है। इस अभियान के तहत सीबीआई ने बीते गुरुवार को देश में 32 स्थानों पर छापेमारी की।

सीबीआई ने अभियान के तहत जिन जगहों पर छापेमारी की, उनमें पुणे, हैदराबाद, अहमदाबाद,

कई राज्यों में छापेमारी, 26 आरोपी गिरफ्तार

विशाखापत्तनम आदि शहर शामिल हैं। छापेमारी के दौरान सीबीआई ने 58.45 लाख रुपए की नकदी, कई लॉकर की चाबी और तीन लग्जरी गाड़ियां बरामद की हैं। सीबीआई ने छापेमारी के दौरान चार कॉल सेंटर्स के खिलाफ भी कार्रवाई की, जिनमें पुणे का कॉल सेंटर वी.सी इंफोर्मेटिक्स प्राइवेट लिमिटेड, विशाखापत्तनम का इंफोर्मेटिक्स प्राइवेट लिमिटेड, हैदराबाद का वायजेक्स सॉल्यूशन, विशाखापत्तनम का ही अत्रिया ग्लोबल सर्विस प्राइवेट लिमिटेड शामिल है।

वर्धमान ग्रुप के चेयरमैन से 7 करोड़ की ठगी

लुधियाना, 30 सितंबर (एजेंसियां)।

मशहूर टैक्सटाइल और स्पिनिंग कंपनी वर्धमान ग्रुप के चेयरमैन एसपी ओसवाल से 7 करोड़ रुपए की ठगी का मामला सामने आया है। ठगों ने सुप्रीम कोर्ट के फर्जी आदेश और गिरफ्तारी वारंट का डर दिखाते हुए उनसे यह बड़ी रकम ऐंठी। शातिर ठगों ने सरकारी एजेंसियों का नाम लेकर उन्हें फंसाने और उनकी प्रॉपर्टी सील करने की धमकी दी, जिसके बाद एसपी ओसवाल ने ठगों को रकम सौंप दी। मामले का खुलासा होते ही ओसवाल ने लुधियाना पुलिस को शिकायत दी, जिसके आधार पर पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

एसपी ओसवाल ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उन्हें कुछ दिन पहले एक फोन आया, जिसमें कॉलर ने खुद को दिल्ली से बताते हुए दावा किया कि उनके नाम पर सुप्रीम कोर्ट का ▶10पर

छापेमारी के दौरान सीबीआई ने 170 लोगों से पूछताछ की, ये लोग कॉल सेंटर्स के जरिए लोगों के साथ ऑनलाइन धोखाधड़ी में शामिल थे। अधिकारियों ने बताया कि पकड़े गए कई आरोपी विदेश में बैठे लोगों को ठगने और पीड़ितों के सिस्टम हैक करने के आरोपी हैं। ▶10पर

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 77,760/- (प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 92,271/- (प्रति किलोग्राम)

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 31^0

न्यूनतम : 22^0

नौकरी के लालच में विदेश जाकर फंसे भारतीय

30 हजार युवकों की वतन वापसी का इंतजार

नई दिल्ली, 30 सितंबर (एजेंसियां)।

विदेशों में नौकरी करने का सपना कई भारतीयों का रहता है, वहां पर पैसा अच्छा मिलता है, वहां सुविधाएं ज्यादा हैं, यह सोचकर ही कई युवा अपना गांव, अपना शहर छोड़ चले जाते हैं। लेकिन हर बार सपने पूरे हों, यह जरूरी नहीं। इस समय 30 हजार के करीब भारतीय चार देशों में फंसे हुए हैं, माना जा रहा है कि सभी साइबर गुलामी का शिकार हुए हैं। उन्हें मजबूर किया जा रहा है कि वे दूसरों को साइबर फ्रॉड में फंसाए।

भारत सरकार ने इस मामले का संज्ञान लिया है, राज्य सरकारों से भी बात की गई है, जांच एजेंसियों को भी लूप में रखा गया है। हर कीमत पर इन भारतीयों को वापस लाने की तैयारी हो रही है। बताया जा रहा है कि इस समय कंबोडिया, थाईलैंड, म्यांमार और वियतनाम में सबसे ज्यादा भारतीय फंसे हुए हैं। काफी खराब हालत में, अलग-अलग तरह के टॉर्चर के बीच में वो रहने को मजबूर हैं।

सामने आए हैरान करने वाले आधिकारिक आंकड़े

गृह मंत्रालय के अंदर आने वाले ब्यूरो ऑफ इमिग्रेशन ने साइबर गुलामी से जुड़ा डेटा इकट्ठा किया है। जो जानकारी सामने आई है, वह हैरान कर देने वाली है। इस समय पंजाब के 3667, महाराष्ट्र के 3233, तमिलनाडु के 3124, यूपी के 2659, केरल के 2140, दिल्ली के 2068, गुजरात के 1928, कर्नाटक के 1200, तेलंगाना के 1169 और राजस्थान के 1041 भारतीय विदेशों में फंसे हुए हैं। आंकड़े यह भी बताते हैं कि वर्तमान में 20450 भारतीय थाईलैंड से वापस नहीं आ पाए हैं, वियतनाम से 6242, कंबोडिया से 2271 और म्यांमार से 503 भारतीयों को वतन वापसी का इंतजार है।

विदेशों में फंसे युवकों में 20 से 29 साल की उम्र वाले 8777, 30 से 39 उम्र वाले 8338, 40 से 49 उम्र वाले 4819 भारतीय सबसे ज्यादा विदेशों में गए भी और वहां साइबर गुलामी का शिकार हुए। अब इस स्थिति को देखते हुए सारा डेटा टेलीकॉम डिपार्टमेंट, एफआईयू, रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया, मिनिस्ट्री ऑफ इलेट्रॉनिक्स, सीबीआई, एनआईए के साथ शेयर कर दिया गया है।

इस पूरे रैकेट का तौर तरीका यह है कि सबसे पहले लोगों को नौकरी का लालच दिया जाता है। कहा जाता है कि आपको डेटा एंट्री की नौकरी करनी होगी। लेकिन जैसे ही यह लोग विदेश पहुंचते हैं, उन्हें साइबर फ्रॉड करने पर मजबूर किया जाता है। कुछ लोगों को जब इस रैकेट से ▶10पर

कार्टून कॉर्नर

खरतरगच्छ के युवाओं का राष्ट्रीय अधिवेशन सम्पन्न

बेंगलूरु से अनेक गणमान्यों की रही उपस्थिति

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

खरतर गच्छाधिपति आचार्य भगवंत श्री जिन मणिप्रभ सुरीश्वर जी की निश्रा और पूज्य डॉ. विद्युत प्रभा श्री जी की सान्निध्यता में अखिल भारतीय खरतरगच्छ युवा और महिला परिषद् का अष्टम और ज्ञान वाटिका का प्रथम राष्ट्रीय अधिवेशन सूरत शहर में सम्पन्न हुआ। इस अष्टम राष्ट्रीय अधिवेशन में बेंगलूरु से युवा परिषद् के संरक्षक संघवी तेजराज गुलेच्छा, कुशलराज गुलेच्छा, ज्ञान वाटिका के राष्ट्रीय चेयरमैन संघवी विजयराज डोसी, परिषद् के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष ललित डाकलिया के साथ पूरे देशभर से केयुप की साठ से अधिक शाख-ाओं के युवा परिषद् और महिला परिषद् के अध्यक्ष, मंत्रियों के साथ हजारों केयुप और केएमपी के सदस्यों ने भाग लिया। अधिवेशन का शुभारंभ गुरुदेव गच्छाधिपति को वंदन एवं मंगल-चारण से हुआ। तीन दिवसीय अधिवेशन का संचालन युवा मनीषी उपाध्याय प्रवर मनितप्रभ सागर जी ने अपने निराले अन्दाज में करते हुए समस्त युवाओं को जिनशासन एवं गच्छ से जुड़कर इसकी उन्नति में अपना सर्वस्व प्रदान करने का आह्वान किया। डॉ विद्युत प्रभा जी ने युवतियों को परिषद् का कार्यभार संभालने हेतु आगे आने की बात कही। युवा परिषद् के राष्ट्रीय चेयरमैन सुरेश भन्साली और अध्यक्ष सुरेश लुनिया और महिला परिषद की अध्यक्षा सरोज गोलछा ने देशभर से पधारे हुए समस्त सदस्यों का हार्दिक स्वागत और अभिनन्दन किया और समस्त सदस्यों का तन मन और धन से सेवा प्रदान करने हेतु आभार व्यक्त किया। महामंत्री रमेश लुंकड़ ने पिछले दो वर्षों में हुए कार्यों का विवरण प्रस्तुत किया एवं अपने बच्चों एवं समस्त युवाओं को जोड़ने का आह्वान किया। उपाध्यक्ष प्रदीप श्रीश्रीमाल ने गुरुदेव के सतत मार्गदर्शन हेतु उपकार जताया। बेंगलूरु निवासी कोषाध्यक्ष ललित डाकलिया ने सदस्यों को धर्म के साथ एक दूसरे को व्यापारिक क्षेत्र में परस्पर सहयोग के साथ व्यवसाय बढ़ाने की बात रखी और कार्यसमिति की बैठक में पिछले दो वर्षों का लेखा जोखा प्रस्तुत किया। दिसम्बर माह में आयोजित शत्रुंजय महातीर्थ में गुरुदेव की निश्रा में पुरुषोत्तम सेठिया और नरपत लूनिया के संयोजकत्व में आयोजित सात यात्रा के बैनर का अनावरण महाराष्ट्र सरकार के मंत्री मंगलप्रभात लोढ़ा ने किया। अधिवेशन के संयोजक प्रवीण लुनिया ने सूरत केयुप शाखा और श्री कांति मणि जैन खरतरगच्छ संघ के साथ मिलकर समस्त व्यवस्थाएं संभाली। गुरुदेव ने 6 से 8 मार्च 2026 को जैसलमेर में प्रथम दादा श्री जिनदत्त सूरी जी की चादर महोत्सव के आयोजन का मुहूर्त प्रदान किया। इस अवसर पर पेढ़ी के प्रकाश चंद सुराणा, जैसलमेर संघ के अध्यक्ष महेन्द्र भंसाली, संघवी अशोक भंसाली आदि गणमान्य उपस्थित थे।

शाखाओं के कार्यों के मूल्यांकन में बाड़मेर शाखा को देशभर की 103 शाखाओं में प्रथम स्थान, अहमदाबाद और सूरत पाल शाखा को द्वितीय स्थान और शहादा, चेन्नई और भीलवाड़ा शाखा को तृतीय स्थान से पुरस्कृत किया गया। पूरे देशभर से पधारे ज्ञान वाटिका के बच्चों को प्रथम द्वितीय और तृतीय स्थान प्रदान कर पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर सह मंत्री गौतम मालू, सह कोषाध्यक्ष नरेश लूनिया, संगठन मंत्री चंपालाल वाघेला के साथ समस्त कार्यकारिणी सदस्य उपस्थित थे।

जिससे आत्मा की शुद्धि हो वही धर्म है: डॉ वरुणमुनि

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

संसार में चाहे कोई भी हो दिगंबर हो या श्वेतांबर हो या कोई भी संप्रदाय हो, जिनशासन की नौका हमे इस किनारे से उस किनारे तक पहुंचाती है। हमें भव सागर से पार कराती है। नौका का कार्य है सबको तिराना, उस पार तक पहुंचाना।

उसी प्रकार परमात्मा ने दो सूत्र बताए हैं। एक मार्ग और दूसरा मार्ग का फल। धर्म जो है वह मार्ग है और मार्ग का फल है मोक्ष रूपी मंजिल। धर्म के सहारे हम मोक्ष मंजिल को प्राप्त कर सकते है। जिसके पक्ष में धर्म होता है वहां सफलता और जहां धर्म नहीं वहां असफलता है। धर्म वही है जिससे आत्मा की शुद्धि हो। जिस प्रकार विधिपूर्वक किया गया भोजन जीवन दाता है उसी प्रकार विधि पूर्वक किया गया धर्म मोक्ष दाता है।

विधि पूर्वक धर्म क्रियाओं का पालन करोगे तो अवश्य ही संसार सागर से पार हो जाएँगे। यह धर्म का मार्ग ही मोक्ष मंजिल की ओर ले जाता है। इसलिए विभाव से स्वभाव में आने का प्रयास करो। आत्मा का स्वभाव आनंद में रहना है। आत्मा हमेशा आनंद में रहती है। लेकिन कषाय रूपी विभाव का असर हमारी आत्मा पर पड़ता है तो वह कर्मबंध में जकड़ जाती है। शरीर छोड़ने से या देह त्यागने से मुक्ति नहीं मिलती। मुक्ति की प्राप्ति कषायों के त्यागने से है। कषायों से मुक्त होना ही वास्तविक मुक्ति है। जीवन मरण की इस मुक्ति से ही मोक्ष की प्राप्ति होती है। पूर्व में रूपेशमुनि ने गुरु स्तवन की प्रस्तुति दी और अंत में पंकजमुनि ने मंगलपाठ प्रदान किया। ध्यानगुरु आत्मज्ञानी आचार्य प्रवर डॉ शिवमुनि के सानिध्य में उनकी सदप्रेरणा से संपूर्ण भारत में सभी संघों में आगामी 2 अक्टूबर को आयोजित आत्म ध्यान दिवस को आत्म ध्यान साधना द्वारा मनाया जायेगा। उपाध्यक्ष रोशनलाल नाहर एवं कोषाध्यक्ष प्रसन्न भलगट ने आभार ज्ञापित किया और संचालन संघ मंत्री नेमीचंद दलाल ने किया।

अनुशासन विषय पर कार्यशाला आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल द्वारा निर्देशित टी. दासरहल्ली तेरापंथ महिला मंडल द्वारा समृद्ध राष्ट्र योजना के अन्तर्गत 6वां चरण संस्कारशाला खुशी का रास्ता कार्यशाला कालम्मा गवर्नमेंट स्कूल में आयोजित हुआ। जिसका विषय अनुशासन था। मंडल की सदस्यों ने सभी छात्रों व शिक्षकों का अभिवादन किया। अध्यक्ष नेहा चावत ने सभी का स्वागत अभिनंदन किया। कार्यशाला का शुभारंभ नमस्कार महामंत्र से हुआ। तत्पश्चात् सामूहिक महाप्राण ध्वनि का प्रयोग मंडल की सदस्यों द्वारा करवाया गया। कार्यकारिणी सुनीता भटेवरा ने विषय पर धृति का अर्थ बताते हुए कहा मन का नियमन करने वाली शक्ति। अनुसाशन संपन्न कोई तभी बन सकता हैं जब उसमे धृति होगी। इसके बिना जीवन का विकास संभव नहीं हो सकता। पत्तो और डालियों को खूब सींचो, कुछ भी नहीं होगा, वृक्ष तभी हरा-भरा होगा जब जड़ को सींचा जाएगा। उपाध्यक्ष संगीता बोहरा ने समझाया की लज्जा का भी एक अनुशासन हैं। बचपन केवल अवस्था का ही नहीं होता, समझ का भी होता हैं। जिसमें समझ का बचपन हैं उस आदमी को दूसरे के अनुशासन में रहना चाहिए। अपने पर अपना अनुशासन ही आत्मानुशासन हैं, जो अपने पर किया जाता हैं। बच्चों में एकाग्रता बढ़ाने हेतु नमस्कार मुद्रा का प्रयोग मंत्री नम्रता पितलिया ने करवाया। संयोजिका किरण मेहर ने कुशल संचालन किया।

कर्नाटक मारवाड़ी यूथ फेडरेशन डीआर रांका डायलिसिस सेंटर में डायलिसिस मशीन किया प्रदान

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

जीतो चैप्टर बेंगलूरु नॉर्थ के अंतर्गत जीतो महिला विंग के दो वर्षीय कार्यकाल के समापन पर जीतो के मुख्य तीन स्तंभ शिक्षा-सेवा-आर्थिक सुदृढ़ता के अन्तर्गत सेवा प्रोजेक्ट कार्य के तहत एक लाइफ सेविंग गिफ्ट समाज को देने का विचार आया। इस हेतु अध्यक्ष बिन्दु रायसोनी के नेतृत्व में विंग ने समाज को एक डायलिसिस मशीन देने का निश्चय किया और महिला विंग समूह कर्नाटक मारवाड़ी यूथ फेडरेशन डीआर रांका डायलिसिस सेंटर पहुँचा।

केएमवाईएफ संस्थापक कुशलराज पिरगल ने पूरे सेंटर का अवलोकन करवाया एवं बताया कि डायलिसिस एक ऐसा उपचार है जो आपको ईएसआरडी के साथ अच्छी तरह से जीने में मदद कर सकता है। सेंटर में रोगियों की सुविधा और सुरक्षा का ध्यान रखते हुए कार्य करते हैं। अब तक लगभग दो लाख से अधिक यहाँ डायलिसिस हो चुके है। जीतो महिला विंग की पहल इस ओर बहुत सार्थक प्रयास है। एपेक्स उपाध्यक्ष राजेंद्र छाजेड व केकेजी जोन चेयरमैन ने कहा कि सेवा कार्य द्वारा समाज में समरसता बढ़ाना एक अद्वितीय कार्य है। बेंगलूरु नॉर्थ चैप्टर के नवमनोनीत अध्यक्ष विमल कटारिया एवं इंदरचंद बोहरा ने कहा कि असहाय व्यक्तियों की मदद करने से समाज का समृद्ध होने का माहौल बनता है। नवमनोनीत महामंत्री विजय सिंघवी एवं सुधीर गादिया ने कहा कि सेवा कार्य से व्यक्ति को आत्मनिर्भरता प्राप्त करने में मदद मिलती है। पूर्वाध्यक्ष निशा सामर, प्रमिला भंडारी, ललिता गुलेच्छा, मधु डोशी, अनीता पिरगल, पिंकी जैन, सुनीता गांधी ने कहा कि सेवा कार्य के जरिए दूसरों की सहायता करके उन्हें सशक्त बनाना समाज को समर्थ बनाने जैसा है। इस कार्य में माइक्रो लैब्स की अर्चना दिलीप सुराणा एवं ओसवाल ग्रुप की सरिता श्रीपाल खिंवेसरा के सहयोग से विंग द्वारा इस प्रोजेक्ट में गौतम सरस्वती बाई सियाल, उर्मिला सीतल मित्तल, कांताबाई सुमन रांका, मीना पारस बड़ेरा का सहयोग सह-सहयोगी के रूप में प्राप्त हुआ। सहमंत्री भाविका कोठारी, पिंकी मेहता ने व्यवस्था संभाली। अध्यक्ष बिन्दु रायसोनी ने स्वागत किया।

विश्व हृदय दिवस के उपलक्ष में स्वास्थ्य जांच शिविर

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। तेरापंथ युवक परिषद राजाजीनगर द्वारा संचालित आचार्य तुलसी डायग्नोस्टिक सेंटर एंड डेंटल केयर श्रीरामपुरम के अंतर्गत विश्व हृदय दिवस के उपलक्ष में रियायती दर पर हृदय संबंधित जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर की शुरुआत सामूहिक नमस्कार महामंत्र के उच्चारण से हुई। शिविर में हृदय से संबंधित 23 विभिन्न प्रकार की जांच शामिल थी। कुल 38 सदस्यों ने लाभ लिया। तेयुप द्वारा उपस्थित सदस्यों को एटीडीसी श्रीरामपुरम द्वारा प्रदत्त विभिन्न सेवाएं, डॉक्टर की उपलब्धता एवं अन्य जानकारी से अवगत करवाया। स्थानीय लोगों ने एटीडीसी के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर तेयुप अध्यक्ष कमलेश चौरड़िया, राजेश देरासरिया, मुकेश नाहर एवं मोहन चौरड़िया ने अपनी सेवाएं प्रदान की। एटीडीसी स्टाफ स्मिता एवं दीपाश्री का विशेष सहयोग रहा।

मुफ्त मेगा कृत्रिम अंग शिविर आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

रोटरी बेंगलूरु जंक्शन ने श्रींगेरी शारदा पीठम और श्री भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति के सहयोग से अपना वार्षिक 6वां मुफ्त मेगा कृत्रिम अंग शिविर आयोजित किया। यह 3 दिवसीय शिविर 27 सितंबर से 29 सितंबर तक शंकरपुरम में श्री चंद्रशेखर भारती कल्याण मंडप में आयोजित किया गया।

इस अंग शिविर ने पिछले 4 वर्षों में कई लाभार्थियों को लाभान्वित किया है और इस वर्ष लगभग 350 लाभार्थियों को अंग, हाथ, कैलिपर्स और बैसाखी प्रदान की गई।

सभी लाभार्थियों के लिए 3 दिनों का भोजन रोटेरियन कमलेश डुंगरवाल द्वारा प्रायोजित किया गया। रोटरी अध्यक्ष रोटेरियन सिद्धार्थ हमीरवासिया, सचिव रोटेरियन ललाना कृष्णमूर्ति, परियोजना अध्यक्ष रोटेरियन शंकरलाल अग्रवाल, रोटेरियन अनिल सुराना, रोटेरियन अमरीश कोठारी, रोटेरियन विनीत कपूर, रोटेरियन विवेकानंदम, रोटेरियन डॉ. वासु देव सारदा, रोटेरियन निर्मल तापड़िया और अन्य इस 3 दिवसीय शिविर में समर्पित स्वयंसेवक रहे।

मुमुक्षु का बहुमान अभिनन्दन आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री जिन कुशल सूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुडी के तत्वावधान में मुनिराज श्री मलयप्रभसागरजी एवं साध्वी श्री प्रियस्वर्णांजनाश्रीजी की सान्निध्यता में पन्द्रह वर्षीय मुमुक्षु खुशी जीरावला सुपुत्री वीर मातापिता भगवतीदेवी विनय कुमार जीरावला, अजीत - बेंगलूरु निवासी का अभिनन्दन बहुमान किया गया। ट्रस्ट के अध्यक्ष तेजराज मालानी, महामंत्री कुशलराज गुलेच्छा, राजेन्द्र गु-लेच्छा, उम्मेमल बाफना, ललित डाकलिया, विजयलक्ष्मी कोठारी ने तिलक, माला, श्रीफल और स्मृति चिन्ह से अभिनन्दन किया। मुमुक्षु की जैन भागवती दीक्षा 25 नवम्बर को सूरत शहर में आचार्य श्री रश्मिरत्न सुरीश्वर जी की निश्रा में होगी। मुमुक्षु ने अपने उद्बोधन में कहा कि मेरी दीक्षा लेने की भावना गुरुवर्या जी के पास रहने से और उनके आचरण से और बलवती हुई। वैराग्य आने पर उम्र कोई मायने नहीं रखती है। ट्रस्ट के ललित डाकलिया ने बताया कि प्रातः मुमुक्षु का शहर के राजमार्गों से वरघोड़े के पश्चात ट्रस्ट के महामंत्री कुशलराज गुलेच्छा के निवास पर भी अपना पावन पदार्पण किया और रात्रि में श्री जिन कुशल सूरी जैन दादावाड़ी आराधना भवन में भक्ति भावना भी मुमुक्षु के परिवार द्वारा आयोजित की गई। बहुमान के अवसर पर दादावाड़ी ट्रस्ट से जुड़ी समस्त संस्थाओं के पदाधिकारी और सदस्य उपस्थित थे।

सिद्धरामैया के खिलाफ मुडा मामला

अगर निष्पक्ष जांच करनी है तो सीबीआई से ही कराई जानी चाहिए: पी. राजीव

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

भाजपा के प्रदेश महासचिव पी. राजीव ने आरोप लगाया कि विधानसभा के अनिश्चित काल के लिए स्थगित किए जाने के बाद मुख्यमंत्री ने एक आदेश जारी किया और मनीष कार्वेकर को मुख्य लोकायुक्त नियुक्त किया। शहर के मल्लेश्वरम स्थित भाजपा प्रदेश कार्यालय जगन्नाथ भवन में एक मीडिया सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि इसी कारण से मुख्यमंत्री ने मांग की थी कि मामले की जांच लोकायुक्त से ही करायी जाए। पूरे भारत देश में ऐसा कोई उदाहरण नहीं है जहां लोकायुक्त पुलिस अधिकारी को सरकारी एजेंसियों की जांच की जिम्मेदारी दी गई हो। उन्होंने आपत्ति जताई कि सिद्धरामैया ने इतनी खराब विरासत शुरू की है।

इसलिए अगर निष्पक्ष जांच करनी है तो यह जांच सीबीआई से ही कराई जानी चाहिए। उन्होंने शिकायतकर्ता से अपील की कि मामले की जांच कोर्ट के जरिए सीबीआई से कराने की मांग करें।

मुख्यमंत्री के खिलाफ लोकायुक्त में मामला दर्ज किया गया है। अधिकारी राज्य के मुख्यमंत्री के खिलाफ जांच कैसे कर सकते हैं? उन्होंने पूछा कि क्या पुलिस अधिकारियों में आरोपी मुख्यमंत्री से गहन पूछताछ करने का साहस है? मुख्यमंत्री को पहले ही समझ आ गया था कि उनके खिलाफ मामला सीबीआई या लोकायुक्त के पास जायेगा। इसलिए उन्होंने खुद को बचाने के लिए उस पद का दुरुपयोग किया है। जब उनके खिलाफ लोकायुक्त में 70 से अधिक मामले जांच में थे, तब मुख्यमंत्री ने लोकायुक्त की शक्ति को कमजोर करने का काम किया था। हालाँकि, जब मुडा मामला दर्ज किया गया, तो मुख्यमंत्री ने खुद को बचाने के लिए यह बदलाव करके भ्रष्टाचार पर पर्दा डालने की कोशिश की कि कैबिनेट की अनुमति के बिना सीबीआई जांच नहीं की जाएगी। 25 जुलाई को आईपीएस अधिकारी मनीष कार्वेकर को लोकायुक्त एडीजीपी नियुक्त किया गया था। भारत के इतिहास में किसी भी राज्य में जहां लोकायुक्त है, वहां ऐसा आदेश नहीं मिला है। मनीष कार्वेकर को लोकायुक्त एडीजीपी के रूप में नियुक्त किया गया है और एसआईटी प्रमुख के रूप में अतिरिक्त कर्तव्यों के साथ भी जारी हैं। यह चौंकाने वाला काम है। मुख्यमंत्री ने मनीष कार्वेकर का तबादला स्वायत्तशासी संस्था लोकायुक्त में कर दिया है। उन्हें एसआईटी प्रमुख का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। एसआईटी के नियंत्रण में कौन है? किसे सूचित किया जाना चाहिए? लोकायुक्त की जांच में कोई भी राजनेता जवाब नहीं दे सकता। हालांकि एसआईटी प्रमुख के तौर पर वह हर चरण की प्रगति की रिपोर्ट गृह मंत्री और मुख्यमंत्री के सामने रखते हैं। यानी एक तरफ पूर्ण स्वायत्तता (स्वायत्तता), दूसरी तरफ नियंत्रण। एसआईटी पर विश्वसनीयता खत्म हो गई है। उन्होंने कहा महर्षि वाल्मीकि निगम के क्रिप्टो करेंसी हैकिंग घोटाले की जांच में एसआईटी प्रमुख के तौर पर मनीष कार्वेकर को जिम्मेदारी दी गई है। एसआईटी के प्रमुख के रूप में पुलिस अधिकारियों ने महर्षि वाल्मीकि निगम घोटाले में नागेंद्र को क्लीन चिट दे दी थी, जिससे राज्य के लोगों में संदेह पैदा हो गया है। जबकि ईडी रिपोर्ट में कहा गया है कि पैसों की हेराफेरी, बेल्लारी, रायचूर लोकसभा चुनावों में पैसों का दुरुपयोग किया गया। उन्होंने कहा कि एसआईटी ने ही नागेंद्र का नाम हटाया है। क्रिप्टो करेंसी की जांच कर रही एसआईटी के प्रमुख के तौर पर उन्होंने क्या किया है?

मेंगलूरु में 3 अक्टूबर से शुरू होगा दशहरा

सांस्कृतिक कार्यक्रम और मैराथन दौड़ होगी

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

जिले में 3 से 14 अक्टूबर तक कुद्रोली श्री गोकर्णनाथ मंदिर में दशहरा महोत्सव मनाया जाएगा। मंदिर के अध्यक्ष एच एस साईराम ने कहा कि दशहरा का शुभारंभ वरिष्ठ नेता जनार्दन पुजारी द्वारा शारदा और नवदुर्गा की मूर्ति स्थापित करने के साथ किया जाएगा।

दशहरा और नवरात्रि समारोह में हजारों भक्तों के भाग लेने की उम्मीद है। साईराम ने सोमवार को मीडियाकर्मियों को बताया कि मंदिर ने समारोह के लिए सभी व्यवस्थाएं कर ली हैं। दशहरा महोत्सव की शुरुआत गुरु पूजा समारोह से होगी, जिसके बाद विभिन्न अनुष्ठान होंगे। कोषाध्यक्ष पद्मराज आर ने कहा कि दुर्गा होम (4 अक्टूबर), पंचदुर्गा होम (5 अक्टूबर), आर्य दुर्गा होम (6 अक्टूबर), अंबिका दुर्गा होम (7 अक्टूबर), भगवती दुर्गा होम (8 अक्टूबर), चंडिका होम (9 अक्टूबर), महिषामर्दिनी दुर्गा होम (10 अक्टूबर), चंडिका होम हगलोत्सव (11 अक्टूबर), सरस्वती दुर्गा होम (12 अक्टूबर), वागेश्वरी दुर्गा होम (13 अक्टूबर) को आयोजित किया जाएगा। 13 अक्टूबर को महागणपति, नवदुर्गे, शारदा की मूर्तियों और रंग-बिरंगी झांकियों और कला टीमों की शोभायात्रा के साथ भव्य दशहरा जुलूस निकाला जाएगा।

14 अक्टूबर की तड़के मूर्तियों को मंदिर के सरोवर में विसर्जित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि केरल चेंडे, लोक दल, नृत्य मंडली, महाराष्ट्रीयन कलाकारों द्वारा डोला नृत्य, कल्लदका गोम्बे, त्रिशूर के रंग-बिरंगे छाते, बाघ नृत्य, विभिन्न मंदिरों की झांकियां जुलूस में रंग भरेंगी। मेंगलूरु सिटी कॉरपोरेशन द्वारा स्टॉल की नीलामी के बारे में पूछे गए एक सवाल के जवाब में पद्मराज ने कहा, उच्च न्यायालय ने एमसीसी को मंदिर मेलों के दौरान स्टॉल की नीलामी करते समय उचित प्रक्रिया का पालन करने का निर्देश दिया है। तदनुसार, एमसीसी ने स्टॉल की नीलामी करने का फैसला किया है। हालांकि, मंदिर समिति ने डिप्टी कमिश्नर और एमसीसी कमिश्नर से मंदिर की ओर जाने वाले मेहराब के अंदर और मंदिर परिसर में स्टॉल आवंटित न करने का आग्रह किया है। व्यापारियों को मेहराब के अंदर स्टॉल लगाने की अनुमति देने से भक्तों, खासकर मंदिर आने वाले वरिष्ठ नागरिकों को असुविधा होगी।

जुबान ढीली करने वाले भाजपा के असंतुष्टों को हाईकमान की चेतावनी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

पार्टी के घटनाक्रम पर करीब से नजर रख रहे दिल्ली भाजपा के नेताओं ने असंतुष्ट नेताओं की गतिविधियों पर पूरी तरह से लगाम लगाने का फैसला किया है।

इसमें चेतावनी दी गई है कि अगर कोई नेता पार्टी की इजाजत के बिना अलग से बैठक करेगा या मीडिया के सामने बयान देगा तो इसे अनुशासनहीनता माना जाएगा। पार्टी के आधिकारिक आदेश के बिना अब कोई भी बैठक नहीं कर सकेगा, जो भी हो पार्टी के दायरे में रहकर करना होगा। इसमें चेतावनी भरा संदेश भेजा गया है कि स्वपक्षियों के खिलाफ खुला बयान देने पर अनुशासनात्मक कार्रवाई की जायेगी। विधायक बसन गौड़ा पाटिल यतनाल, विधायक बी. पी. हरीश, रमेश जारकीहोली, पूर्व मंत्री प्रताप सिम्हा, जी. एम. सिद्धेश्वर, अन्ना साहेब जोले, जिन्हें भाजपा के स्थायी असंतुष्ट के रूप में मान्यता दी गई है, के मद्देनजर यह चेतावनी जारी की गई है। सूत्रों के अनुसार कर्नाटक में चल रहे घटनाक्रम से वरिष्ठ दुखी हो रहे हैं। जब संघ परिवार के नेताओं ने हस्तक्षेप कर बैठक की तो इस तरह अलग से बैठक करना ठीक नहीं है। मालूम हो कि पार्टी के दायरे में जो गतिविधियां अलग से होनी चाहिए, उसके संचालन के औचित्य पर राष्ट्रीय नेताओं ने सवाल उठाया है। सत्तारूढ़ कांग्रेस में कई परेशानियां बढ़ गई हैं। ऐसे में जिन्हें एकता दिखानी चाहिए वे संकट पैदा कर रहे हैं।

सीएम के खिलाफ मुडा मामला

लोकायुक्त पुलिस ने सीएम सिद्धरामैया के खिलाफ जांच तेज की

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मैसूरु में लोकायुक्त पुलिस ने मुख्यमंत्री सिद्धरामैया और अन्य के खिलाफ दर्ज एफआईआर के आधार पर कथित मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) घोटाले की जांच तेज कर दी है। 25 सितंबर को, निर्वाचित प्रतिनिधियों से जुड़े मामलों के लिए बेंगलूरु की एक विशेष अदालत ने मैसूरु में अधिकार क्षेत्र वाले लोकायुक्त पुलिस को मैसूरु स्थित आरटीआई कार्यकर्ता स्नेहमयी कृष्णा द्वारा दायर एक मामले के आधार पर सिद्धरामैया और अन्य के खिलाफ जांच शुरू करने का निर्देश दिया।

अदालत ने लोकायुक्त को तीन महीने के भीतर एक रिपोर्ट दाखिल करने का भी निर्देश दिया। लोकायुक्त पुलिस ने 27 सितंबर को सिद्धरामैया, उनकी पत्नी बी एम पार्वती, साले मल्लिकार्जुन स्वामी और जे दे-

वराजू के खिलाफ एफआईआर दर्ज की, जिन्होंने कथित तौर पर स्वामी को जमीन बेची थी। लोकायुक्त पुलिस ने मामले की जांच के लिए 28 सितंबर को चार विशेष टीमों का गठन किया।

लोकायुक्त एसपी टी जे उदेश ने मैसूरु लोकायुक्त डीएसपी एस के माल्टेश, चामराजनगर डीएसपी मैथ्यू थॉमस, मैसूरु के पुलिस निरीक्षक रवि कुमार और मदिकेरी के पुलिस निरीक्षक लोकेश कुमार के नेतृत्व में टीमों का गठन किया। प्रत्येक टीम को एक अलग जिम्मेदारी सौंपी गई है और एसपी उदेश उनका समन्वय कर रहे हैं। अधिकारियों ने बताया कि पिछले शनिवार और रविवार को भी सरकारी दफ्तरों की छुट्टी होने के बावजूद टीमों ने काम किया। उन्होंने बताया कि सोमवार को भी अधिकारी जल्दी दफ्तर आ गए। इससे पहले 24 सितंबर को कर्नाटक हाई कोर्ट ने भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 17ए के तहत सीएम के खिलाफ मामले की जांच के लिए राज्यपाल थावर चंद गहलोत द्वारा दी गई मंजूरी को बरकरार रखा था। इसके अलावा याचिकाकर्ता कृष्णा ने 28 सितंबर को ईमेल के जरिए और सोमवार को व्यक्तिगत रूप से बेंगलूरु में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) में शिकायत दर्ज कराई है।

ईडी को दी गई शिकायत में सिद्धरामैया द्वारा आधिकारिक शक्तियों के कथित दुरुपयोग और सीएम की पत्नी पार्वती के पक्ष में मुडा द्वारा 14 साइटों के अवैध आवंटन और धन शोधन निवारण अधिनियम के तहत अपराध करने की जांच की मांग की गई है। कार्यकर्ता स्नेहमयी कृष्णा ने कहा कि कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के खिलाफ एफआईआर से पता चलता है कि संविधान सर्वोच्च है। कृष्णा ने तर्क दिया कि सिद्धरामैया की पत्नी ने मुडा द्वारा साइटों के आवंटन में अनियमितताओं के माध्यम से 55.80 करोड़ का अवैध लाभ कमाया है, जो उन्होंने कहा कि पीएमएलए के तहत अनुसूचित अपराध से संबंधित है।

रविवार को जब कृष्णा की ईडी से की गई शिकायत को मैसूरु में मुख्यमंत्री के संज्ञान में लाया गया, तो सिद्धरामैया ने कहा कि जब भी कोई शिकायत दर्ज की जाती है, तो कानून के अनुसार ही कार्रवाई की जानी चाहिए। यहाँ यह उल्लेख करना आवश्यक है कि कृष्णा, जिनकी शिकायत पर मैसूरु में लोकायुक्त पुलिस ने सिद्धरामैया, उनकी पत्नी और दो अन्य के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है, ने भी सीबीआई से जांच की मांग करते हुए कर्नाटक उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया है। सिद्धरामैया के खिलाफ मुडा मामले में लोकायुक्त द्वारा निष्पक्ष जांच पर आरटीआई कार्यकर्ता को संदेह है।

कांस्टेबल ने महिला सब-इंस्पेक्टर पर किया हमला, निलंबित

बीदर/शुभ लाभ ब्यूरो।

यहां न्यू टाउन पुलिस स्टेशन से जुड़े एक पुलिस कांस्टेबल को रविवार को एक महिला पुलिस सब-इंस्पेक्टर (पीएसआई) पर हमला करने के आरोप में निलंबित कर दिया गया है। पीएसआई मल्लम्मा यहां आरआरके कॉलेज में पंचायत विकास अधिकारी (पीडीओ) के पदों के उम्मीदवारों के लिए अनिवार्य कन्नड़ परीक्षा के लिए सुरक्षा व्यवस्था की निगरानी कर रही थीं।

कांस्टेबल धनराज उन लोगों में शामिल थे जिन्हें परीक्षा केंद्र पर ड्यूटी के लिए तैनात किया गया था।

जिला पुलिस अधीक्षक प्रदीप गुंती ने बताया कि हालांकि, वह निर्धारित समय से काफी देर से पहुंचा। जब मल्लम्मा ने उससे इस बारे में पूछा, तो धनराज ने उस पर हमला कर दिया। मल्लम्मा ने बताया कि उसने मेरी गर्दन पकड़ी और मेरे सिर को पास के पेड़ पर पटक दिया। मेरे सिर में गंभीर चोटें आई हैं। एक्स-रे में खून का थक्का दिखा है। मैं आगे के इलाज के लिए बेंगलूरु जाऊंगी।

जब भी मुसीबत आती है तो सिद्धरामैया जाति गणपति का जाप कर देते हैं शुरू: सुनील कुमार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

भाजपा के वरिष्ठ नेता वी. सुनील कुमार ने सीएम सिद्धरामैया की आलोचना करते हुए कहा है कि जब भी कोई राजनीतिक संकट होता है, तो वह जाति जनगणना रिपोर्ट के कार्यान्वयन का मुद्दा उठाने और पिछड़े और शोषित वर्गों को दरकिनार करने के आदी हो जाते हैं। सिद्धरामैया के लिए जाति जनगणना रिपोर्ट सीट पक्की करने का बड़ा हथियार है। सामाजिक एवं आर्थिक सर्वेक्षण के क्रियान्वयन में पिछड़े वर्ग के साथ अन्याय की बात आम हो गयी है। उन्होंने चुटकी लेते हुए कहा, पुलिस की भाषा में यह एक पेशेवर आरोपी की ध्यान खींचने वाली रणनीति है। सिद्धरामैया गुमराह करने में माहिर हैं, आप चार दशकों से पूरे कर्नाटक को गुमराह कर रहे हैं। जब आप मुडा मामले में मुश्किलों का सामना कर रहे हैं,

तो आपने जाति जनगणना का मुद्दा आगे बढ़ा दिया है और पिछड़े और शोषित वर्ग की दिशा से बचने जा रहे हैं। यह नाटक कितने समय का है? सत्ता में आने के बाद से आप कह रहे हैं कि आप जातीय जनगणना लागू करेंगे। लेकिन अब तक आपने उस दिशा में एक भी कदम नहीं उठाया है। क्या यह कहना काफी है कि कई कारणों से इसे लागू नहीं किया जा सका है? उस कारण को उजागर करें। डीसीएम डीके शिवकुमार से डर? या फिर रिपोर्ट में कुछ चूक हैं? बिना कुछ स्पष्ट किये आप कितने वर्षों तक जारी जप जारी रखेंगे? इससे पहले कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने रविवार को जाति जनगणना की वकालत की। इस दौरान उन्होंने कहा कि पिछड़े और वंचित समुदायों की पहचान करने के लिए जाति जनगणना आवश्यक है। सिद्धरामैया ने सात महीने पहले सौंपी गई जाति जनगणना रिपोर्ट को कैबिनेट के समक्ष पेश करने के बाद उस पर कार्रवाई करने का वादा किया। सिद्धरामैया मैसूरु में पिछड़ा वर्ग छात्रावास के पूर्व छात्र संघ द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने कहा, 'जिस व्यवस्था से हम आते हैं उसे बदला जाना चाहिए। हम वह बदलाव लाने की कोशिश कर रहे हैं। हमारी सरकार ने समाज के हाशिए पर रहने वाले वर्गों को पहचानने और उनके उत्थान के लिए सामाजिक जनगणना की। मैंने (2018 में) सत्ता खो दी और इसे लागू नहीं किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि हाल ही में हमें रिपोर्ट मिली है। मैं इसे कैबिनेट के सामने रखूंगा और इसे लागू करवाऊंगा। उन्होंने कहा कि जाति जनगणना लंबे समय से कांग्रेस पार्टी का सिद्धांत रहा है। उन्होंने कहा, 1930 के बाद से, राष्ट्रीय जनसंख्या जनगणना के हिस्से के रूप में जाति-आधारित डेटा एकत्र नहीं किया गया है। अब, कई राज्यों में जाति जनगणना कराने पर चर्चा जोर पकड़ रही है।

फाल्गुनी नदी में दो युवक डूबे

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

यहां मालवूर पुल के पास फाल्गुनी नदी में रविवार शाम को तैरते समय शहर के चार युवकों में से दो डूब गए। कोडिकल निवासी अरुण (19) और दीक्षित (20), कोटारा चौकी निवासी सुमित (20) और उर्वस्तोर निवासी अनीश (19) के साथ तैरने गए थे। दुर्भाग्य से सुमित और अनीश नदी की धारा में बह गए और डूब गए। बाजपे पुलिस और अग्निशमन सेवा के कर्मचारी तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे और लापता युवकों की तलाश शुरू की। देर रात तक तलाश जारी रही, जिसमें गोताखोर विशेषज्ञों को मदद के लिए बुलाया गया। घटना की खबर सुनकर कई स्थानीय लोग मौके पर जमा हो गए। सुमित कोटारा में एक गैराज में मैकेनिक के तौर पर काम करता था। उसके पिता फिलहाल बीमार हैं और घर पर आराम कर रहे हैं, जबकि उसकी छोटी बहन कॉलेज की छात्रा है। अनीश सोडा फैक्ट्री में काम करता था। मालवूर इलाके के स्थानीय लोगों ने बताया कि कई युवा अक्सर छुट्टियों में स्थानीय निवासियों की चेतावनियों को नजरअंदाज करते हुए नदी में तैरते हैं। कुछ लोग तो रेलवे पुल पर बैठ जाते हैं और पुलिस के आने पर नदी में कूद जाते हैं।

गिरफ्तार पाकिस्तानी नागरिक और तीन विदेशियों को भारतीय पासपोर्ट मिलने वाला था: परमेश्वर

यह केंद्र सरकार और सेना के लिए चिंता का विषय

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक के गृह मंत्री जी. परमेश्वर ने सोमवार को कहा कि शहर में अवैध रूप से रहने के आरोप में गिरफ्तार पाकिस्तानी नागरिक और तीन अन्य विदेशियों को भारतीय पासपोर्ट मिलने वाला था। यहां पत्रकारों से बात करते हुए परमेश्वर ने कहा उपलब्ध जानकारी के अनुसार वे 10 साल से भारत में रह रहे हैं। वे एक साल पहले बेंगलूरु आए और बस गए। उन्हें हिरासत में लिया गया है और उनकी जांच की जाएगी। उनसे पूछा जाएगा कि वे बेंगलूरु क्यों आए। उन्होंने दस्तावेज कैसे हासिल किए? गृह मंत्री परमेश्वर ने कहा अगर यह सच है कि वे 10 साल से भारत में रह रहे हैं, तो खुफिया एजेंसियों और अन्य संस्थानों ने उनका पता क्यों नहीं लगाया? काफी जांच के बाद

पासपोर्ट बनाए जाते हैं, फिर भी वे लगभग पासपोर्ट हासिल करने में कामयाब हो गए। उन्होंने आधार कार्ड हासिल कर लिए हैं और अपना नाम बदल लिया है। वे यहां एक रेस्तरां चला रहे थे। आगे की जांच की जानी चाहिए। उन्होंने कहा हमें जांच में आगे की जानकारी सामने आने तक इंतजार करना होगा। बांग्लादेश से कई लोग भारत आए हैं। हम हर दिन बांग्लादेश से अवैध प्रवासियों को पकड़ रहे हैं और उन्हें वापस भेज रहे हैं। वे आते रहते हैं। बांग्लादेश में सीमाएँ छिद्रपूर्ण हैं, सीमाओं पर स्थिति को कड़ा करना होगा। यह केंद्र सरकार और सेना के लिए चिंता का विषय है। उन्होंने कहा हम लगातार केंद्र के समक्ष अवैध अप्रवासियों का मुद्दा उठाते रहे हैं। मेरे पास उपलब्ध जानकारी के अनुसार, बेंगलूरु में कई अवैध अप्रवासी रह रहे हैं। हम हर दिन उनकी जांच कर रहे हैं और हर दिन स्थिति पर नजर रख रहे हैं। हम उन्हें गिरफ्तार करेंगे और निर्वासित करेंगे। इसकी जानकारी बांग्लादेश उच्चायोग और भारत सरकार को दी जाएगी। केंद्र को सीमाओं पर सुरक्षा कड़ी करने की जरूरत है। कर्नाटक पुलिस ने भारत में अवैध रूप से रह रहे एक पाकिस्तानी नागरिक और तीन अन्य विदेशियों को बेंगलूरु के बाहरी इलाके जिगनी पुलिस स्टेशन की सीमा से गिरफ्तार किया है। पुलिस सूत्रों ने सोमवार को बताया कि पाकिस्तानी नागरिक अपनी पत्नी के साथ एक अपार्टमेंट में अवैध रूप से रह रहा था, जो बांग्लादेशी नागरिक है और उसके दो बच्चे हैं। केंद्रीय खुफिया एजेंसियों से मिली सूचना के बाद पुलिस ने छापेमारी की। स्थानीय पुलिस ने रविवार रात उसके घर पर छापा मारा और उसे गिरफ्तार कर लिया। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) द्वारा बेंगलूरु में उल्फा आतंकवादी की गिरफ्तारी के बाद खुफिया ब्यूरो के अधिकारियों ने पाकिस्तानी नागरिक के बारे में जानकारी जुटाई थी। प्रारंभिक जांच से पता चला है कि धार्मिक मामलों पर विवाद के बाद पाकिस्तानी नागरिक अपना देश छोड़कर बांग्लादेश चला गया था। उसने ढाका में एक महिला से शादी की और 2014 में उसके साथ भारत में घुस आया। पाकिस्तानी नागरिक दिल्ली में बस गया और उसने आधार कार्ड, वोटर आईडी और ड्राइविंग लाइसेंस हासिल कर लिया। वह 2016 में अपने परिवार के साथ बेंगलूरु आया और तब से चुपचाप रह रहा है। मामले के बारे में अभी और जानकारी सामने आनी बाकी है।

जोधपुर एसोसिएशन का संवत्सरी क्षमापना स्नेह मिलन सम्पन्न

कैलाश भन्साली अध्यक्ष और राजेश भण्डारी मंत्री नवनिर्वाचित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

जोधपुर एसोसिएशन का गणेश चतुर्थी, क्षमापना संवत्सरी स्नेह मिलन डॉ बसवराजेंद्र ऑडिटोरियम, बेंगलूरु मेडिकल कॉलेज के प्रांगण में रविवार को आयोजित हुआ। करीब 450 लोगों की उपस्थिति के बीच स्नेह अपनत्व और परस्पर सौहार्द के वातावरण में वार्षिक साधारण सभा भी सम्पन्न हुई। उपाध्यक्ष सज्जन राज मेहता ने बताया कि अंजू दुगड़ एवं समूह द्वारा मंगलाचरण, गणेश स्तुति एवं सामूहिक महावीर स्तुति के पश्चात अध्यक्ष राजेंद्र सिंघी ने स्वागत प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। मंत्री जितेंद्र दुगड़ ने पूरे दो साल की विस्तृत कारवाई और मंत्री प्रतिवेदन पेश की। कोषाध्यक्ष प्रशांत सिंघी ने हिसाब किताब पारित कराया। चुनाव अधिकारी संरक्षक पदमराज मेहता एवं राजेन्द्र लोढा के संयोजन में नूतन कार्यकारिणी की चुनावी कार्यवाही संचालित हुई। उन्होंने जानकारी दी कि किसी भी पद के लिए किसी अतिरिक्त ने दावा नही पेश किया। इसलिए नूतन कार्यकारिणी की घोषणा की गई। इसके तहत अध्यक्ष-कैलाश भन्साली, उपाध्यक्ष-सज्जन राज मेहता, मन्त्री-राजेश भण्डारी

कोषाध्यक्ष- रौनक गुलेच्छा और सहमंत्री देवेन्द्र कोठारी, नरेन्द्र एस भण्डारी, कमल भण्डारी को नियुक्त किया गया। इसके अलावा कार्यकारिणी सदस्यों में पूर्व अध्यक्ष राजेन्द्र सिंघी, पूर्व मंत्री जितेंद्र दुगड़, अशोक व्यास

प्रशान्त सिंघी, शेखर भन्साली, पंकज मेहता, राजेन्द्र भन्साली, सुरेश भण्डारी, राजेन्द्र कर्नावट और महेन्द्र राज भण्डारी शामिल हैं। राजेंद्र सिंघी ने कैलाश भन्साली और जितेंद्र दुगड़ ने राजेश भण्डारी का सम्मान कर कार्यभार सौंपा। सभी पदाधिकारी गण और संरक्षक धीरेंद्र कुमार तथा एल सी भंडारी टाइसा ने प्रायोजक चन्द्रकला, अंकिता चंद्रेश मेहता और सरस्वती, कमलेश धनाडिया का बहुमान किया गया। जोधपुर एसोसिएशन के आज तक के इतिहास और कार्यकलापों पर डॉक्यूमेंट्री दिखाई गई। 8 उपवास से अधिक के तपस्वी श्रावक श्राविका का बहुमान किया गया। सभी सदस्यों को नूतन निर्देशिका भी वितरित की गयी।

सरकार गिराने के भाजपा विधायक के दावे पर कानूनी विकल्प तलाशे जा रहे: शिवकुमार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने सोमवार को कहा कि भाजपा के एक वरिष्ठ विधायक द्वारा यह दावा किए जाने के बाद कि उनकी पार्टी के एक महान नेता ने कांग्रेस सरकार को गिराने और मुख्यमंत्री बनने के लिए बड़ी रकम रखी है, कानूनी विकल्प तलाशे जाएंगे।

हालांकि, भाजपा विधायक बसनगौड़ा पाटिल यतनाल ने रविवार को यह भी कहा कि उनकी पार्टी का केंद्रीय नेतृत्व और विधायक इस तरह के किसी भी ऑपरेशन और खरीद-फरोख्त के खिलाफ हैं, लेकिन सरकार अपने आप गिर जाएगी। उन्होंने उस महान नेता का नाम नहीं बताया,

जिसने कथित तौर पर सरकार गिराने और मुख्यमंत्री बनने के लिए 1,000 करोड़ रुपये रखे थे। मैंने कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी (केपीसीसी) की बैठक बुलाई है। उन्होंने हमारी सरकार को गिराने के लिए 1,200 करोड़ रुपये रखे हैं। हम अपनी कानूनी टीम के साथ इस पर चर्चा करेंगे। शिवकुमार, जो कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष भी हैं, ने यहां संवाददाताओं से कहा मैंने इस मामले को पार्टी हाईकमान के संज्ञान में भी लाया है। जो कुछ भी है, मामले की आयकर द्वारा जांच की जानी चाहिए। मैंने केपीसीसी में एक बैठक बुलाई है ताकि यह देखा जा सके कि इस पर कानून क्या कहता है। उन्होंने कहा कि गृह मंत्री जी परमेश्वर के साथ उनकी बैठक विजयपुरा विधायक के बयान के बाद कानूनी विकल्पों पर विचार करने के लिए थी।

एसआईटी कुमारस्वामी की जमानत रद्द करने की मांग को लेकर अदालत में दायर कर सकती है याचिका

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

एसआईटी ने कोर्ट में केंद्रीय मंत्री एचडी कुमारस्वामी की जमानत रद्द करने की याचिका दायर करने की योजना बनाई है, जिन्हें साई मिनरल्स मामले में लोकायुक्त कोर्ट ने अग्रिम जमानत दे दी थी। गौरतलब है कि कुमारस्वामी ने लोकायुक्त एडीजीपी पर कुछ गंभीर आरोप लगाए थे। इसके बाद एसआईटी ने लोकायुक्त अदालत द्वारा दी गई अग्रिम जमानत को रद्द करने के लिए अपील दायर करने की तैयारी की है। कहा जा रहा है कि शनिवार को लोकायुक्त अदालत में मामले की सुनवाई में शामिल

हुए कुमारस्वामी, लोकायुक्त डीएसपी कविता और जांच अधिकारियों ने कुछ सवालों के अपर्याप्त जानकारी दी। एसआईटी ने असहयोग की पृष्ठभूमि में अग्रिम जमानत रद्द करने की मांग करते हुए अपील दायर करने का फैसला किया है। इस संबंध में सोमवार को कानूनी विशेषज्ञों के साथ पक्ष-विपक्ष पर चर्चा की गई। लोकायुक्त एडीजीपी चन्द्रशेखर पर कुमारस्वामी का आरोप कर्तव्य में बाधा डालने की रणनीति है।

उन्होंने चाहे जितने भी आरोप लगाए, चंद्रशेखर ने जवाब दिया कि आरोपी तो आरोपी है। लोकायुक्त पुलिस अधीक्षक ने सितंबर 2023 में राज्यपाल थावर चंद गहलोत को पत्र लिखा था। आरोप है कि 2006 में भाजपा-जेडीएस गठबंधन सरकार के दौरान मुख्यमंत्री रहे एच कुमारस्वामी ने एमसीआर का उल्लंघन कर बेल्लारी जिले के संदूर तालुक के एनईबी रेंज में 550 एकड़ जमीन विनोद गोयल नाम के व्यक्ति को आवंटित करने की साजिश रची थी। वाणिज्य एवं उद्योग विभाग के सचिव के. जयचंद्र और खान एवं पृथ्वी विज्ञान विभाग के प्रथम श्रेणी सहायक बीटी जावरेगौड़ा पर मिलीभगत कर साईं वेंकटेश्वर मिनरल्स के मालिक विनोद गोयल के नाम पर फर्जी दस्तावेज बनाने का आरोप लगाया गया है। इस मामले में एसआईटी अधिकारियों ने विनोद गोयल को पहला आरोपी और एच.डी. कुमारस्वामी को दूसरे आरोपी के रूप में, के. जयचंद्र और जवरेगौड़ा को क्रमशः तीसरे और चौथे आरोपी के रूप में नामित किया है।

महात्मा गांधी द्वारा कांग्रेस अधिवेशन की अध्यक्षता करने की

शताब्दी मनाने के लिए 2 अक्टूबर को गांधी नदी निकाली जाएगी: शिवकुमार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार ने सोमवार को कहा कि राज्य सरकार महात्मा गांधी द्वारा भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस अधिवेशन के अध्यक्ष के रूप में कार्यभार संभालने की शताब्दी मनाने के लिए 2 अक्टूबर को उनकी जयंती पर गांधी मार्च आयोजित करेगी। 1924 में बेलगावी में आयोजित भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का 39वां अधिवेशन महात्मा गांधी की अध्यक्षता वाला एकमात्र कांग्रेस अधिवेशन था।

बेंगलूरु में पार्टी कार्यालय में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए, शिवकुमार ने कहा हम इस अवसर को मनाने के लिए सुबह 9 बजे गांधी भवन से बेंगलूरु में विधान सौधा के पास गांधी प्रतिमा तक 1-1.5 किलोमीटर लंबी गांधी

नदी निकालेंगे। हम इस अवसर पर स्वच्छता की शपथ भी लेंगे। कांग्रेस पार्टी का एक साल का कार्यक्रम 2 अक्टूबर 2024 से शुरू हो रहा है।

कार्यक्रम के लिए धन आवंटित किया गया है। हम महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर उनकी प्रतिमाओं पर माल्यार्पण करेंगे। विधान सौधा के बैंक्वेट हॉल में शपथ ग्रहण का एक अलग कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। हम बैंक्वेट हॉल में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए 500 छात्रों को स्वच्छता की शपथ दिलाएंगे।

इस कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं में गांधी के दर्शन के बारे में जागरूकता पैदा करना है। कांग्रेस द्वारा एक अलग कार्यक्रम गांधी मार्च 2 अक्टूबर को सुबह 11 बजे एमजी रोड पर गांधी प्रतिमा से बेंगलूरु में क्वींस रोड पर भारत जोड़ो भवन तक आयोजित किया जाएगा, जिसमें पार्टी के सभी कैडर और नेता भाग लेंगे। सभी पार्टी कार्यकर्ता वीडियो-कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए भाग लेंगे। पार्टी कार्यक्रम का वित्तपोषण पार्टी कार्यकर्ताओं द्वारा किया जाता है। उन्होंने कहा कि तालुका और जिला स्तर पर भी इसी तरह के कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने कहा हम पार्टी लाइन से हटकर राजनीतिक नेताओं को आमंत्रित करेंगे। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि विधायक तालुका स्तर के कार्यक्रमों में भाग लेंगे, जबकि जिला प्रभारी मंत्री जिला स्तर के कार्यक्रमों में भाग लेंगे। हमने सभी से गांधी नदी के दौरान सफेद पोशाक पहनने की अपील की है। हम युवाओं के बीच गांधी के दर्शन को फैलाने के लिए पूरे साल कार्यक्रम आयोजित करेंगे।

व्यापार में तकनीक के सहयोग पर सेमिनार कल

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

अन्तर्राष्ट्रीय वैश्य फेडरेशन द्वारा बुधवार को शहर के प्रतिष्ठित ऑडिटोरियम में आज के समय में तकनीक के सहयोग से अपने व्यवसाय में किस प्रकार सफलता प्राप्त कर सकते हैं, विषय पर सेमिनार का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम के संयोजक ललित डाकलिया ने जानकारी देते हुए बताया कि इस विषय पर प्रतिष्ठित वक्ता मोनिका पिरगल बिनायकिया अपना विचार रखेंगी। इसके अलावा मितेश खंडेलवाल करियर काउन्सलिंग विषय पर और मोटिवेशनल स्पीकर सी ए सुनील कुमार जैन भी अपने विचार व्यक्त करेंगे। संयोजक ललित धारीवाल ने कहा कि इस हेतु शहर के अनेक व्यवसायियों ने अपना रजिस्ट्रेशन करवाया है। आई वी एफ के अध्यक्ष बाबू मेहता, महामंत्री प्रशांत सिंघी, डॉ वासुदेव सारडा और मनीष ए जैन भी कार्यक्रम की तैयारियों को अंतिम रूप देने हेतु जुटे हुए

दशहरा पूजा महोत्सव की तैयारियों को लेकर चर्चा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

सिद्धार्थ सांस्कृतिक समिति एवं राजेंद्र बाबू मेमोरियल ट्रस्ट बिहार भवन के संयुक्त तत्वावधान में 46वां दशहरा पूजा महोत्सव की तैयारी को कार्यकारिणी एवं कार्यकर्ता के साथ पैलेस ग्राउंड प्रिंसेस श्राइन में आयोजित बैठक में अंतिम रूप दिया गया। समिति अध्यक्ष के. के. सिंह (कुमार बाबू) ने कहा कि समिति की

ओर से इस बार पूजा अध्यक्ष शेषनाथ दुबे सपत्नीक को बनारस से पधारे आचार्य नित्यानंद त्रिपाठी अपने चार पंडितों के साथ कलश स्थापना द्वारा मां दुर्गा पूजन का संकल्प दिलायेंगे। सचिव सुबोध सिंह ने बताया कि अगले गुरुवार को सुबह 11.37 बजे अभिजीत मुहूर्त में पूजा प्रारंभ होगी। हर रोज प्रातः दश बजे एवं सायं काल आठ बजे पूजा एवं आरती होगी।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। *राजस्थान संघ कर्नाटका ट्रस्ट द्वारा दान दाताओं के सहयोग से वर्तमान में 1 मोक्ष रथ व 4 मोक्ष वाहिनी निःशुल्क अंतिम यात्रा हेतु सेवाएं प्रदान कर रही हैं। इस क्रम में पारसमणी डेवलपर्स के संघवी दिनेश गुलेच्छा ने 1 वर्ष मोक्ष वाहिनी के रख रखाव का लाभ लिया। जिसके बाद ट्रस्ट द्वारा लाभार्थी परिवार का धन्यवाद सहित आभार प्रकट करते हुए उनको सम्मानित किया गया। इस अवसर पर ट्रस्ट के अध्यक्ष कैलाश संखलेचा, मेट्रीमोनियल के चेयरमैन मनोज बाफना और सलाहकार अनिल संकलेचा उपस्थित रहे।*

विजेताओं को किया पुरस्कृत

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

अणुव्रत विश्व भारती सोसायटी के तत्वावधान में सोमवार को अणुव्रत समिति बेंगलूरु के नेतृत्व में विभिन्न स्कूलों में आयोजित अणुव्रत क्रिएटिविटी प्रतियोगिता, जैसे चित्रकला, संगीत गायन, निबंध लेखन, कविता लिखना, के तहत श्री सरस्वती विद्या मंदिरा वीवी पुरम, केएचएस, आदर्श स्कूल में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय

श्रेणी के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। सभी पाठशालाओं के प्रिंसिपल एवं संचालिकाओं का भी स्मृति चिन्ह से सम्मान किया गया।

इस अवसर पर अणुव्रत समिति बेंगलूरु के अध्यक्ष देवराज रायसोनी, एसीसी दक्षिण भारत के संयोजक लाभेश कासवा, समिति के मंत्री हरकचंद ओस्तवाल, एसीसी बेंगलूरु के संयोजक शांतिलाल पोरवाल, सहसंयोजक कविता जैन, स्कूल की सभी अध्यापिकाएं एवं विद्यार्थियों की उपस्थिति रही।

संगठन यात्रा का आयोजन

हासन/शुभ लाभ ब्यूरो।

संस्था शिरोमणि जैन श्वेतांबर तेरापंथी महासभा के अध्यक्ष मनसुखलाल सेठिया, दक्षिण अंचल प्रभारी प्रकाशचंद लोढ़ा, सदस्य संजय बांठिया, नवनीत मुथा, माणिकचंद गादिया और मलनाड अध्यक्ष महावीर भंसाली ने संगठन यात्रा के तहत हासन तेरापंथ सभा भवन का दौरा किया। उनका स्वागत ज्ञान शाला

के बच्चों ने कुमकुम के तिलक से किया। नमस्कार महामंत्र से कार्यक्रम की शुरुआत हुई। प्रकाश लोढ़ा ने महासभा के अध्यक्ष के बारे में बताया। सभा के अध्यक्ष शोहन लाल तातेड ने सभी का स्वागत किया एवं सभा की गतिविधियों की जानकारी प्रस्तुत की।

महासभा अध्यक्ष ने महासभा की योजनाओं, कार्यक्रमों, गतिविधियों एवं स्थानीय सभा को किस तरह अपना दायित्व निभाना चाहिए, के बारे में जानकारी साझा की। हासन सभा मंत्री विमल कोठरी ने सभी का आभार व्यक्त किया।

आर्थिक और सामाजिक विकास के लिए कानून का शासन जरूरी: मुर्मू

नई दिल्ली, 30 सितंबर (एजेंसियां)।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा है कि कानून के शासन के कारण ही देश में आर्थिक तथा सामाजिक विकास संभव है और कानून के शासन की बहाली में पुलिस सेवा का महत्वपूर्ण योगदान है।भारतीय पुलिस सेवा परिवीक्षाधीनों के एक समूह ने सोमवार को यहां राष्ट्रपति भवन में श्रीमती मुर्मू से मुलाकात की।

राष्ट्रपति ने पुलिस अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि अखिल भारतीय सेवाओं में से भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) का अपना एक महत्व है। उन्होंने कहा कि कानून और व्यवस्था न केवल शासन का आधार है बल्कि यह आधुनिक राज्य का भी आधार है।

सरल शब्दों में कोई यह भी कह सकता है कि कई स्थानों और कई स्थितियों में वे साथी नागरिकों के लिए सरकार का चेहरा होंगे और वे राज्य की प्रशासनिक मशीनरी के साथ उनका पहला इंटरफ़ेस होंगे।

राष्ट्रपति ने कहा कि चूंकि भारत आने वाले वर्षों में नई ऊंचाइयों को छूने का लक्ष्य रखता है, इसलिए पुलिस अधिकारियों की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। उन्होंने कहा कि आर्थिक विकास और सामाजिक विकास केवल वहीं संभव है जहां कानून का शासन कायम है। कानून और व्यवस्था बनाए रखने, न्याय सुनिश्चित करने और नागरिकों के अधिकारों की रक्षा के बिना प्रगति एक अर्थहीन शब्द बन जाता है।

श्रीमती मुर्मू ने इस बात पर प्रसन्नता व्यक्त की कि हाल के वर्षों में भारतीय पुलिस सेवा में महिला अधिकारियों की संख्या तेजी से बढी है। उन्होंने कहा कि उनकी बढ़ती संख्या पुलिसिंग के समग्र चरित्र को बेहतरी के लिए बदल सकती है, पुलिस-सामुदायिक संबंधों में सुधार कर सकती है और राष्ट्र के लिए भी फायदेमंद साबित होगी। राष्ट्रपति ने कहा कि कानून और व्यवस्था के रखरखाव, अपराध की रोकथाम और पता लगाने के साथ-साथ पुलिसिंग के अन्य पहलुओं की दृष्टि से प्रौद्योगिकी में प्रगति से लाभ हुआ है। हालांकि, दूसरा पक्ष यह है कि अपराधियों और आतंकवादियों ने भी प्रौद्योगिकी का सहारा लेना शुरू कर दिया है। जब दुनिया भर में साइबर अपराध और साइबर युद्ध बढ़ रहे हैं, तो आईपीएस अधिकारियों से तकनीक-प्रेमी होने और अपराधियों से एक कदम आगे रहने की उम्मीद की जाएगी।

राष्ट्रपति ने कहा कि आईपीएस अधिकारियों की बड़ी जिम्मेदारियां कभी-कभी बहुत तनावपूर्ण हो सकती हैं। इसलिए, उन्हें योग, प्राणायाम और विश्राम को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाना चाहिए। उन्होंने उन्हें यह भी याद रखने की सलाह दी कि आईपीएस में एस का मतलब सेवा है। उन्होंने कहा कि उनका सर्वोपरि नारा देश और उसके नागरिकों की सेवा करना है।

कांग्रेस शासन में किसी को भी रिश्वत के बिना नौकरी नहीं मिली : सरमा

गुवाहटी, 30 सितंबर (एजेंसियां)।

असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने कांग्रेस पर बड़ा आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि राज्य में कांग्रेस शासन के दौरान किसी को भी रिश्वत दिए बिना सरकारी नौकरी नहीं मिली। सीएम सरमा ने बताया कि उनका लक्ष्य अपने कार्यकाल में दो लाख युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराना है। मुख्यमंत्री सोमवार को एक कार्यक्रम में शामिल हुए, जहां उन्होंने दावा किया कि उनके मुख्यमंत्री बनने के बाद से राज्य में 1.4 लाख युवाओं को नौकरियां मिल चुकी हैं।

सीएम सरमा ने सोमवार को एक कार्यक्रम को संबोधित किया। उन्होंने कहा, कांग्रेस शासन के दौरान युवाओं को विश्वास नहीं था कि उन्हें रिश्वत दिए बिना सरकारी नौकरी मिलेगी। यहां तक की कम वेतन वाली नौकरियों के लिए भी उन्हें एक करोड़ रुपये तक रिश्वत देनी पड़ती थी। उन्होंने आरोप लगाया कि असम लोक सेवा आयोग (एपीएससी) के अध्यक्ष पद के लिए कांग्रेस सरकार उन लोगों को चुनती थी, जिनसे नौकरी के बदले पैसा ले सकते थे। सीएम सरमा ने आगे कहा, कांटों भरा युग अब बीत गया। अब हम बिना रिश्वत लिए पारदर्शी तरीके से भर्ती परिक्षाएं आयोजित करने में सक्षम हैं। उन्होंने बताया कि उनके लक्ष्य (एक लाख) से ज्यादा 1.4 लाख युवाओं को सरकारी नौकरियां दी गई है। प्रशासन पर 2026 तक दो लाख युवाओं को नौकरी देने का लक्ष्य बना रहा है। बता दें कि 2021 विधानसभा चुनाव के दौरान भाजपा ने असम में हर साल एक लाख लोगों को नौकरी उपलब्ध कराने का वादा किया था। हालांकि, बाद में उन्होंने अपने बयान में सुधार करते हुए कहा था कि यह आंकड़ा पांच वर्ष के लिए है। 510 करोड़ रुपये के मुख्यमंत्री आत्मनिर्भर असम अभिजन (सीएमएएए) के तहत सरमा ने 25,000 से अधिक युवाओं में से प्रत्येक को 75,000 रुपये की पहली किस्त का ट्रांसफर करना शुरू किया, ताकि वे अपना उद्यम शुरू कर सकें।

शिंदे कैबिनेट का बड़ा फैसला

कुनबी-मराठा प्रमाण पत्र देने के लिए शिंदे समिति की दूसरी और तीसरी रिपोर्ट को मंजूरी

मुंबई, 30 सितंबर (एजेंसियां)।

महाराष्ट्र में सोमवार को मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल की बैठक में न्यायमूर्ति शिंदे समिति की दूसरी और तीसरी रिपोर्ट स्वीकार कर ली है। जिसका गठन ऐतिहासिक अभिलेखों के आधार पर कुनबी-मराठा और मराठा-कुनबी प्रमाण-पत्र जारी करने के प्रोटोकॉल को अंतिम रूप देने के लिए किया गया था। बता दें कि कुनबी (एक कृषि समुदाय) को महाराष्ट्र में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) खंड के अंतर्गत वर्गीकृत किया गया है।

राज्य में विधानसभा चुनावों के मद्देनजर, मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की अध्यक्षता में मंत्रिमंडल ने 38 प्रस्तावों को मंजूरी दी, जिनमें से कुछ मुंबई और आसपास के क्षेत्रों में सड़क और मेट्रो रेल के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने से जुड़े थे। ⁼

यायमूर्ति संदीप शिंदे (सेवानिवृत्त) समिति ने पिछले दिसंबर में अपनी दूसरी रिपोर्ट प्रस्तुत की थी, जिसे राज्य सरकार ने आधिकारिक तौर पर स्वीकार नहीं किया था। शिंदे पैनल की रिपोर्ट को राज्य मंत्रिमंडल की तरफ से सोमवार को स्वीकार किया जाना पिछड़े समुदायों की तरफ से विरोध के बीच ओबीसी श्रेणी में शामिल किए जाने के लिए विरोध कर रहे मराठा समुदाय को शांत करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में देखा जा रहा है। महाराष्ट्र सरकार ने बताया कि राज्य मंत्रिमंडल ने ठाणे रिंग मेट्रो परियोजना के लिए 12,200 करोड़ रुपये के संशोधित प्रस्ताव को भी मंजूरी दी है और ठाणे-बोरीवली सुरंग मार्ग के लिए ऋण के माध्यम से 15,000 करोड़ रुपये जुटाने के प्रस्ताव को हरी झंडी दी है। राज्य में चुनाव कार्यक्रम की घोषणा और आचार संहिता लागू होने की आशंका को देखते हुए राज्य सरकार लगातार कैबिनेट बैठकें कर रही है। इससे पहले 23 सितंबर को हुई मंत्रिपरिषद की पिछली बैठक में सरकार ने तीन कुनबी उपजातियों को अन्य पिछड़ा वर्ग में शामिल करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी थी। कैबिनेट बैठक को लेकर अधिकारियों ने बताया कि पिछली कैबिनेट बैठक में कुल 24 फैसले लिए गए थे, जिसमें गाय के दूध उत्पादकों को 7 रुपये प्रति लीटर की सब्सिडी जारी रखना भी शामिल है।

छत्तीसगढ़ में चार प्रमुख राष्ट्रीय राजमार्गों का होगा विकास, 11 हजार करोड़ की मिली मंजूरी

नई दिल्ली, 30 सितंबर (एजेंसियां)।

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने सोमवार को छत्तीसगढ़ में चार प्रमुख राष्ट्रीय राजमार्गों के विकास के लिए 11 हजार करोड़ रुपए की मंजूरी दी जिससे राज्य की कनेक्टिविटी और सुदृढ़ होगी। श्री गडकरी ने यह घोषणा आज यहां भारत मंडपम में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के साथ समीक्षा बैठक के दौरान की। बैठक में छत्तीसगढ़ में चल रही राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं की प्रगति पर चर्चा की गई। बैठक में केन्द्रीय सड़क परिवहन राज्यमंत्री अजय टाम्टा और हर्ष मल्होत्रा तथा छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री अरुण साव भी मौजूद रहे।

बैठक में श्री गडकरी ने छत्तीसगढ़ में चल रही परियोजनाओं की प्रगति पर समीक्षा की ताकि कार्यों का समय पर और कुशलता से निष्पादन हो सके। समीक्षा बैठक में सभी लंबित मुद्दों पर चर्चा कर अवरोधों को दूर करने का प्रयास किया गया। केन्द्रीय मंत्री ने समस्त प्रगतिरत एवं प्रस्तावित परियोजनाओं को समय सीमा में पूर्ण करने का निर्देश दिए। बैठक में राष्ट्रीय राजमार्गों की प्रगति पर चर्चा की गयी। इसके साथ ही चार प्रमुख राजमार्गों के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट बनाने की मंजूरी दी गई। बैठक में जिन चार मुख्य परियोजनाओं पर चर्चा हुई, उनमें उरगा-कटघोरा बाईपास, बसना से सारंगढ़ (माणिकपुर) फीडर रूट, सारंगढ़ से रायगढ़ फीडर रूट, और रायपुर-लखनादोन आर्थिक गलियारा शामिल हैं। इन परियोजनाओं की कुल लंबाई 236.1 किलोमीटर है। केन्द्रीय मंत्री ने इन परियोजनाओं के लिए कुल 9208 करोड़ स्वीकृत किये हैं। इसके अलावा केशकाल घाट और धमतरी-जगदलपुर मार्ग के चार लेन चौड़ीकरण कार्य की भी मंजूरी दी गयी। एनएचएआई के अंतर्गत रायपुर-विशाखापट्टनम मार्ग एवं बिलासपुर-उरगा-पत्थ-लगांव मार्ग को समय सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। वहीं, पत्थलगांव से कुनकुरी-झारखंड बॉर्डर मार्ग को एक माह के अन्दर एजेंसी निर्धारित करने के लिए निर्देश दिये गये। वहीं रायपुर शहर टाटीबंध से तेलीबांधा के बीच ग्रेड सेपरेटर तथा विधानसभा रोड से बिलासपुर रोड (धनेली) को जोड़ने वाले मार्ग एवं रायपुर एक्सप्रेस-वे पर ग्रेड सेपरेटर बनाने की सहमति दी गयी। इसके अलावा सड़कों के विकास के लिए 1200 करोड़ की अतिरिक्त राशि की स्वीकृति मिली है।

श्री साय ने केंद्रीय मंत्री का आभार व्यक्त करते हुए कहा, यह छत्तीसगढ़ के विकास के लिए एक बड़ी सौगात है। छत्तीसगढ़ की औद्योगिक और व्यापारिक गतिविधियों को नई दिशा मिलेगी। उन्होंने यह भी कहा कि सड़क नेटवर्क के विस्तार से राज्य के ग्रामीण इलाकों की कनेक्टिविटी और बेहतर होगी, जिससे स्थानीय लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव आएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि वह स्वयं इन परियोजनाओं की प्रगति पर नजर रखेंगे और हर सप्ताह इसकी रिपोर्ट तलब करेंगे, ताकि काम में कोई देरी न हो। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार पूरी निष्ठा से इन परियोजनाओं को समय सीमा के भीतर पूरा करेगी, जिससे राज्य के नागरिकों को बेहतर बुनियादी सुविधाएं मिल सकेंगी और विकास की गति तेज होगी।

सितंबर में हर दूसरे दिन हुई आतंकियों से मुठभेड़, कुल 12 मरे

जम्मू, 30 सितंबर (ब्यूरो)। जम्मू कश्मीर में बढ़ती आतंकी हिंसा, तेज होते हमलों और मुठभेड़ों के मद्देनजर प्रदेश सरकार ने पहली बार किसी फौजी अफसर को जम्मू कश्मीर पुलिस में एसएसपी का पद सौंप कर जम्मू कश्मीर पुलिस के जवानों को प्रशिक्षण देने के लिए तैनात कर सभी को चौंका दिया है। दरअसल सितंबर महीने में हर दूसरे दिन आतंकियों के साथ होने वाली कुल 14 मुठभेड़ों में 12 लोग भी मारे गए है।। जम्मू कश्मीर में सितंबर में आतंकवाद से जुड़ी घटनाओं में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई, इस क्षेत्र में 12 मुठभेड़ें हुईं। उपलब्ध डेटा से पता चलता है कि मुठभेड़ों में तीन सैनिक, एक पुलिसकर्मी, आठ आतंकवादी और दो घुसपैठिए मारे गए। इसके अलावा, छह सैनिकों और दो पुलिस अधिकारियों सहित नौ सुरक्षाकर्मी घायल हो गए। नियंत्रण रेखा पर पाकिस्तानी गोलीबारी में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) का एक जवान भी घायल हो गया। जम्मू क्षेत्र में नौ मुठभेड़ें हुईं, जबकि कश्मीर घाटी में तीन मुठभेड़ें हुईं। मुठभेड़ राजौरी के करयोटे गांव, राजौरी के नौशेरा सेक्टर, उधमपुर जिले के बसंतगढ़ के खंडरा टॉप, पुंछ के सारनकोट जंगलों, चटरू किश्तवाड़ के पिंगनल दुगड्डा वन क्षेत्र, बारामुल्ला के चक टप्पर क्रेरी क्षेत्र, पुंछ के पठानतीर क्षेत्र, माहौर रियासी के शिकारी क्षेत्र, आदिगाम देवसर कुलगाम और कठुआ जिले के कोगमांड़ली गांव सहित विभिन्न स्थानों पर हुई।

इस बीच जम्मू कश्मीर पुलिस ने केंद्र शासित प्रदेश में एक सेना अधिकारी को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (प्रशिक्षण और विशेष अभियान) नियुक्त किया है। वर्तमान में, सेना अधिकारी, कर्नल विक्रांत पराशर, जो पारा से हैं, कश्मीर के गुलमर्ग में सेना के हाई एल्टीट्यूड वारफेयर स्कूल में तैनात थे। सेना अधिकारी दो साल की अवधि के लिए प्रतिनियुक्ति के आधार पर जम्मू कश्मीर में सेवा देंगे। गुलमर्ग में स्थित भारतीय सेना का हाई एल्टीट्यूड वारफेयर स्कूल उच्च और अति-उच्च ऊंचाई वाले युद्ध प्रशिक्षण में विशेषज्ञता रखता है। जेके गृह विभाग ने उन्हें एसएसपी (प्रशिक्षण और विशेष अभियान) के रूप में नियुक्त करते हुए तत्काल प्रभाव से आदेश जारी किया है।

जम्मू कश्मीर में मतदान का अंतिम चरण

चर्चा यही है कि कांग्रेस जम्मू को भाजपा के हाथों खोने के लिए लड़ रही है!

सुरेश एस डुग्गर
जम्मू, 30 सितंबर।

चुनाव के तीसरे और अंतिम चरण में प्रवेश करते हुए, लगता है कि मुख्य राजनीतिक दलों के बीच चुनाव बराबरी पर हैं, हालांकि नेकां और भाजपा को दूसरों पर बढ़त हासिल है। इसके अलावा, भाजपा जम्मू संभाग में कम भीड़भाड़ वाले चुनावी क्षेत्र में काम करती है, जहां कांग्रेस ही उसकी एकमात्र प्रमुख प्रतिद्वंद्वी है। हालांकि, अतीत के विपरीत, इस क्षेत्र में कांग्रेस का अभियान शांत रहा है। ऐसा लगता है कि पार्टी जम्मू को भाजपा के हाथों खोने के लिए लड़ रही है।

इससे सहयोगी नेशनल कॉन्फ्रेंस पहले ही चिंतित है। नेकां नेता उमर अब्दुल्ला चाहते थे कि कांग्रेस जम्मू पर अधिक ध्यान केंद्रित करे ताकि क्षेत्र में कथित रूप से खोई जमीन की भरपाई हो सके। लेकिन इसके लिए पहले ही बहुत देर हो चुकी थी। कांग्रेस जम्मू में 32 सीटों पर चुनाव लड़ रही है, जिसमें नेकां के साथ पांच दोस्ताना मुकाबलों में से चार शामिल हैं। यह कश्मीर घाटी में सिर्फ नौ सीटों पर चुनाव लड़ रही है। लेकिन पार्टी के राष्ट्रीय दिग्गजों ने इस क्षेत्र में उतनी सक्रियता से प्रचार नहीं किया, जितनी जरूरत थी।

यह भाजपा के विपरीत है, जिसके शीर्ष नेता रैलियां करने के लिए इस क्षेत्र में उतरे हैं। इनमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से लेकर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा और यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ तक शामिल थे।

इसके विपरीत, राहुल गांधी ने इस क्षेत्र में सिर्फ पांच रैलियों को संबोधित किया है। खराब मौसम के कारण उनका विमान नई दिल्ली से उड़ान भरने में विफल होने के बाद वे 27 सितंबर को रामगढ़ और छंब में होने वाली दो रैलियों में शामिल नहीं हो सके। इससे पार्टी को भारी नुकसान होने की संभावना है। हालांकि अंतिम चरण से पहले आखिरी दिन कांग्रेस ने बहुतेरी कोशिश की पर पार्टी के लिए स्थिति को बदलना लगभग असंभव है।

कोई केवल आश्चर्य कर सकता है कि कांग्रेस ने जम्मू को अपने जम्मू-कश्मीर अभियान का केंद्र क्यों नहीं बनाया। इससे भी ज्यादा, जब राहुल गांधी को दिसंबर 2022 में अपनी भारत जोड़ो यात्रा के दौरान जम्मू कश्मीर में जनता का जबरदस्त समर्थन मिला था।

कश्मीर घाटी में भी, जहां यात्रा में लोगों की भागीदारी अगस्त 2019 में अनुच्छेद 370 के हटने के बाद लोगों की पहली ऐसी बड़ी राजनीतिक लामबंदी थी।

दरअसल सभी इस सच्चाई से वाकिफ हैं कि जम्मू में ही सरकार बनाने की कुंजी है और कांग्रेस के फीके अभियान ने मौजूदा स्थिति को अपरिहार्य बना दिया है। हालाँकि, इस बात की थोड़ी संभावना है कि कांग्रेस की किस्मत फिर से पलट सकती है। पिछले कुछ वर्षों में जम्मू में भाजपा की नीतियों के खिलाफ असंतोष बढ़ता हुआ देखा गया है।

यह क्षेत्र अनुच्छेद 370 के बाद की स्थिति को लेकर भी चिंता का विषय है और कश्मीर में कमोबेश इसी तरह के कारणों से। नौकरी, जमीन और पहचान का नुकसान। लोगों को आशंका है कि उनका क्षेत्र जम्मू कश्मीर में बसने के लिए योग्य बाहरी लोगों का पहला गंतव्य होगा।

बीएसएफ ने 153 ड्रोन और भारी मात्रा में हेरोइन की बरामद

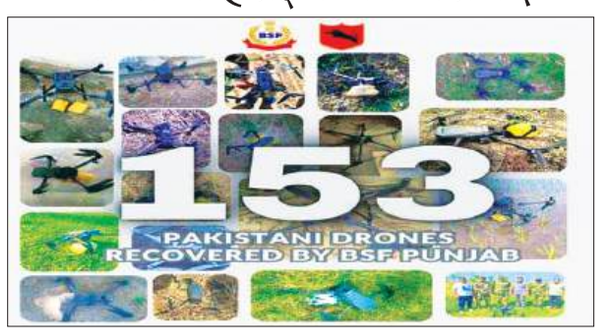

जालंधर, 30 सितंबर (एजेंसियां)।

सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) पंजाब ने पिछले नौ महीनों में बड़ी कार्रवाई करते हुए भारी संख्या में पाकिस्तानी ड्रोन, हेरोइन और घुसपैठियों को पकड़ा है।

बीएसएफ पंजाब फ्रंटियर के जनसंपर्क अधिकारी ने सोमवार को बताया कि बीएसएफ ने पिछले नौ महीनों में 153 से अधिक अवैध पाकिस्तानी ड्रोन, 190 किलोग्राम हेरोइन, 29 हथियार और 400 राउंड गोला-बारूद जब्त करके देश की सीमाओं की सुरक्षा में उल्लेखनीय प्रगति की है।

अधिकारी ने बताया कि बीएसएफ के जवानों के सतर्क प्रयासों से 153 व्यक्तियों को भी पकड़ा गया, जिनमें 126 भारतीय नागरिक और 25 पाकिस्तानी नागरिक शामिल हैं, जो राष्ट्रीय सुरक्षा की रक्षा के लिए बीएसएफ की अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाता है। यह महत्वपूर्ण उपलब्धि बीएसएफ की मजबूत, बहुआयामी रणनीति का प्रमाण है जिसका उद्देश्य पाकिस्तान से आने वाली दवाओं और हथियारों की आपूर्ति श्रृंखलाओं को खत्म करना है। उन्होंने कहा कि सीमाओं पर बढ़ी हुई सतर्कता, अत्याधुनिक तकनीक के रणनीतिक उपयोग और सीमावर्ती समुदायों के साथ घनिष्ठ सहयोग के माध्यम से, बीएसएफ ने अवैध गतिविधियों पर अपनी पकड़ मजबूत कर ली है।

बीएसएफ अधिकारी ने बताया कि केंद्रीय और राज्य एजेंसियों के साथ सक्रिय समन्वय ने बीएसएफ के प्रयासों को और मजबूत किया है, जिससे खतरों को ट्रैक करने, रोकने और बेअसर करने में निर्बाध संचालन सुनिश्चित हुआ है।

रेलवे ट्रैक पर मिला सिलिंडर

फायर सेफ्टी सिलिंडर के ट्रेन से टकराने पर होता बड़ा धमाका

कानपुर, 30 सितंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के कानपुर जिले में गो-विंदपुरी-भीमसेन रेलवे लाइन पर एक बार फिर सिलिंडर मिला है। ट्रैक पर अग्निशमन सिलिंडर देखते ही पुष्पक एक्सप्रेस के लोको पायलट ने इमरजेंसी ब्रेक लगाए और उसे उठाकर सेंट्रल स्टेशन पर आरपीएफ में जमा करा दिया। बताया जा रहा कि सेफ्टी सिलिंडर कुछ देर पहले उधर से गुजरी कुशीनगर एक्सप्रेस में लगा था। यहां ट्रैक पर कैसे आया, इसकी जांच की जा रही है।

कानपुर-झांसी रूट पर साबरमती एक्सप्रेस, अनवरगंज-कासगंज रेलवे लाइन पर कालिंदी एक्सप्रेस और कानपुर-फतेहपुर रेलवे लाइन पर प्रेमपुर स्टेशन के बाद यह चौथी घटना है। पुष्पक एक्सप्रेस से पहले कुशीनगर एक्सप्रेस और गोरखपुर एक्सप्रेस भी इधर से गुजरी थीं। जानकारी के अनुसार, लोकमान्य तिलक टर्मिनल से चलकर लखनऊ जा रही पुष्पक एक्सप्रेस (12534) रविवार की सुबह 4:14 बजे भीमसेन स्टेशन से गोविंदपुर स्टेशन की ओर बढ़ रही थी। होल्डिंग एरिया होने की वजह से ट्रेन की रफ्तार धीमी थी।

लोको पायलट एके भसीन को रेलवे लाइन पर सिलिंडर जैसा कुछ नजर आया। उन्होंने इमरजेंसी ब्रेक लगाकर ट्रेन को रोका और पास जाकर देखा तो ट्रैक पर रेलवे का फायर एक्सटिंग्विशर (अग्निशमन सिलिंडर) पड़ा था। भसीन ने इसकी सूचना रेलवे के अधिकारियों को दी और सिलिंडर लेकर सेंट्रल स्टेशन पहुंच गए। उन्होंने सिलिंडर को आरपीएफ के हवाले कर दिया। जांच में पता चला कि फायर सेफ्टी सिलिंडर गोरखपुर के सीनियर सेक्शन इंजीनियर की ओर से जारी किया गया था। इसमें जीकेपी लिखा है। उत्तर मध्य रेलवे के पीआरओ अमित सिंह ने बताया कि यह सिलिंडर रेलवे का है और इसके ट्रेन से गिरने की आशंका है। कैरिज एंड वैगन विभाग मामले की जांच कर रहा है।

झांसी-कानपुर रूट पर जिस जगह यह फायर सेफ्टी सिलिंडर मिला है, वहां से गोविंदपुरी स्टेशन की दूरी करीब 500 मीटर है। अगर सिलिंडर ट्रेन के इंजन से टकराता, तो बड़ा धमाका हो सकता था। अग्निरोधी रसायन से अग्निशमन यंत्र भरा हुआ था, जिसे आग लगने पर उपयोग में लाया जाता है। इंजन से टकराने के बाद या उस पर दबाव बढ़ने पर वह फट सकता था। पुष्पक एक्सप्रेस के लोको पायलट ने सूझबूझ दिखाई और इमरजेंसी ब्रेक लगाकर ट्रेन रोकी।

यह इलाका दादानगर औद्योगिक क्षेत्र से बिलकुल नजदीक पड़ता है। रविवार की तड़के पुष्पक एक्सप्रेस के लोको पायलट ने जैसे ही अग्निशमन यंत्र को देखा तो उन्होंने तुरंत अधिकारियों को सूचना दी और उसे लेकर सेंट्रल स्टेशन में आरपीएफ के हवाले कर दिया। इसकी जांच कराई गई तो इसके गोरखपर से मुंबई जा रही कुशीनगर एक्सप्रेस से गिरने का पता चला है। अब इसकी पड़ताल कराई जा रही है कि फायर सेफ्टी सिलिंडर आखिर कैसे डाउन लाइन पर पहुंचा? यह जानबूझ कर फेंका गया है या किसी की गलती से नीचे गिरा है?

बहरहाल कई पहलुओं पर जांच शुरू हो गई है, जिसमें रेलवे के कैरिज एंड वैगन विभाग, आरपीएफ, जीआरपी और अन्य अनुभागों को शामिल किया गया है। सभी अपनी संयुक्त रिपोर्ट देंगे। डिप्टी सीटीएम आशुतोष सिंह ने बताया कि मंडल की ओर से जांच कराई जा रही है। कई टीमें लगी हुई हैं। यह अपनी संयुक्त रिपोर्ट देगी। आरपीएफ के सीनियर कमांडेंट विजय प्रकाश पंडित ने बताया कि अग्निशमन यंत्र कुशीनगर एक्सप्रेस से गिरने का पता चला है। इसके गिरने की जांच कराई जा रही है। घटना के पीछे शरारत होने से इन्कार नहीं किया जा सकता है।

आरपीएफ और जीआरपी स्टाफ ने गोविंदपुरी से भीमसेन के बीच शनिवार की देर रात पेट्रोलिंग करने वाले ट्रैकमैन, जीआरपी और आरपीएफ सिपाहियों से संदिग्धों के बारे में जानकारी जुटाई। जीआरपी से राकेश यादव और ट्रैकमैन करण की ड्यूटी रात 10 से सुबह छह बजे तक थी। उनसे पूछताछ की। इस दौरान उन्होंने अप और डाउन लाइन का निरीक्षण किया था। इससे पहले इसी रूट पर 16 अगस्त की रात को भीमसेन स्टेशन के नजदीक साबरमती एक्सप्रेस बोल्डर से टकरा कर पटरी से उतर गई थी। यह हादसा अप लाइन पर हुआ था। मामले में पुलिस, आरपीएफ के साथ ही एनआईए जांच कर रही है। आठ सितंबर को अनवरगंज-कासगंज रूट पर बिल्हौर की ओर जा रही कालिंदी एक्सप्रेस भरे हुए एलपीजी सिलिंडर से टकराई थी। रेलवे ट्रैक के किनारे बोतल में पेट्रोल और बारूद भी मिला था। बीते शनिवार 21 सितंबर को कानपुर-फतेहपुर रेलवे लाइन पर प्रेमपुर स्टेशन की लूप लाइन पर पांच लीटर क्षमता का खाली एलप-ीजी सिलेंडर मिला था। सभी में पुलिस, आरपीएफ और खुफिया एजेंसियां जांच जारी है।

काट डाले 300 हरे पेड़, 128 मोर पंख और चिड़ियों के उजड़े घरौंदे मिले

मथुरा, 30 सितंबर (एजेंसियां)। मथुरा के डालमिया फार्म हाउस में 300 हरे पेड़ों को काट दिया गया। इस मामले में अब वन विभाग के अधिकारी सबूत जुटाने में लगे हुए हैं। टीम को यहां से 128 मोर पंख और चिड़ियों के उजड़े हुए घोंसले मिले हैं, जिन्हें कोर्ट में साक्ष्य के रूप में प्रस्तुत किया जाएगा। मथुरा के डालमिया फार्म हाउस में हरे पेड़ों की हत्या करने के मामले में हो रही जांच में रोज नए सबूतों पर काम किया जा रहा है। वन विभाग की टीम को मौके से राष्ट्रीय पक्षी मोर के 128 पंख मिले हैं। काफी संख्या में पक्षियों के टूटे हुए घरौंदे भी टीम के हाथ लगे हैं। इन सबूतों की आख्या वन विभाग के अधिकारी न्यायालय में प्रस्तुत करेंगे। उनकी ओर से प्रयास किया जाएगा कि आरोपियों को जमानत न मिले।

डालमिया फार्म हाउस में आरोपियों ने हरे पेड़ ही नहीं काटे हैं बल्कि राष्ट्रीय पक्षी मोर के प्राकृतिक आवास को भी उजाड़ दिया है। सैकड़ों पक्षियों के घरौंदों को भी तहस नहस कर दिया है। जांच टीम ने फार्म हाउस से मिले मोर पंखों को साक्ष्य के रूप में सुरक्षित कर लिया है। हालांकि बड़ा सवाल यह भी है कि पंख तो मिले पर मोर किसी भी हालत में नहीं मिल पाए। इतने पंख कितने मोरों के उखड़े, उनका क्या हाल हुआ, टीम को इसका सुराग नहीं मिला है। यह रहस्य अब तक बरकरार है। टीम इस एंगल से भी जांच कर रही है कि कहीं आरोपियों ने ही तो मोरों को गायब तो नहीं कर दिया। वन विभाग की टीम अब तक मिले साक्ष्यों को जांच आख्या में शामिल कर चुकी है।

आख्या और सबूतों को प्रकरण की सुनवाई के दौरान वन विभाग की टीम कोर्ट में प्रस्तुत करेगी। रविवार को वन विभाग के अधिकारी दिन भर प्रकरण से जुड़ी आख्या को धार देने की तैयारी में जुटे रहे। बताया जा रहा है कि टीम के हाथ प्रकरण से जुड़े कई अहम सबूत और सीसीटीवी फुटेज लगे हैं। जो मुकदमे में नामजद आरोपियों की मुश्किल बढ़ाने में मददगार साबित होंगे। इस मामले में वन विभाग ने एक मुकदमा थाना जैत में दर्ज कराया है। जबकि तीन मामले विभागीय स्तर पर दर्ज किए हैं।

प्रकरण में वन विभाग की टीम ने तीन मुकदमे दर्ज किए हैं। इनमें नामजद और अज्ञात लोग शामिल हैं। उप प्रभारी वन अधिकारी और प्रकरण के जांच अधिकारी सुशील कुमार सिंह ने बताया कि प्रकरण में जिन लोगों के नाम सामने आए हैं। उन्हें नोटिस जारी कर दिया गया है। इन सभी को 10 अक्टूबर को कार्यालय में बयान देने के लिए बुलाया गया है। इस प्रक्रिया के पूरा होने के बाद प्रकरण से जुड़ी चार्जशीट न्यायालय में दाखिल की जाएगी।

वन विभाग की रिपोर्ट में यह साफ हो चुका है कि कुल 454 पेड़ काटे गए हैं। आरोपियों ने निजी भूमि पर लगे 419 पेड़ों के साथ वन विभाग की संरक्षित भूमि पर लगे 35 हरे पेड़ भी काट डाले। पेड़ों के कटान के बाद पशु पक्षी वहां से नदारद हो गए हैं। मौके पर टीम को मिले जेसीबी और अन्य वाहनों के पहियों के निशान वहां निर्दोष पशु-पक्षियों के साथ की गई बर्बरता की कहानी बयां कर रहे हैं।

सामाजिक वानिकी के प्रभागीय निदेशक रजनीकांत मित्तल ने बताया कि प्रकरण की जांच कर रही टीम लगातार साक्ष्य जुटा रही है। मौके से 128 मोर पंख और बड़ी संख्या में पक्षियों के उजड़े हुए घोंसले मिले हैं। इन साक्ष्यों को भी जांच आख्या में शामिल किया गया है। जांच आख्या को न्यायालय में प्रस्तुत किया जाएगा। न्यायालय में पूरे मामले की मजबूती से पैरवी की जाएगी।

शौर्य चक्र विजेता कैप्टन राकेश के पिता ने मांगी इच्छा मृत्यु

मथुरा, 30 सितंबर (एजेंसियां)। शौर्य चक्र से सम्मानित कैप्टन राकेश के पिता पूर्व कैप्टन हरिहर शर्मा ने डीएम को ज्ञापन देकर इच्छा मृत्यु की मांग की है। उनका आरोप है कि विभागीय अधिकारी फसल बीमा योजना के आरोपियों के खिलाफ ठोस कार्रवाई नहीं कर रहे हैं।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना से जुड़ा ये मामला करीब दो साल पुराना है। कैप्टन हरिहर शर्मा ने प्रकरण में शामिल दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर मुख्यमंत्री से मुलाकात की थी। कैप्टन शर्मा ने बताया कि उनकी शिकायत पर सीएम कार्यालय ने डीएम को जांच के निर्देश दिए थे। इस पर जिला कृषि अधिकारी से मामले की जांच कराई गई। जांच रिपोर्ट में बीमा क्लेम की रकम चार लोगों के खातों में हस्तांतरित होने की बात

उजागर हुई थी।

जांच रिपोर्ट में सभी दोषी पाए गए थे। इसके बाद भी दोषियों पर कार्रवाई नहीं हुई तो उन्होंने दोबारा मुख्यमंत्री कार्यालय पहुंचकर मामले की शिकायत की। इस पर अपर मुख्य सचिव कृषि ने खसरा नंबर 287 की फसल क्षति का बीमा क्लेम करने वाले तथाकथित कृषकों से वसूली के निर्देश दिए। आरोप है कि 11 महीने बीतने पर भी शासनादेश का अनुपालन नहीं किया गया है। ऐसे में परेशान होकर वह डीएम को प्रधानमंत्री के नाम संबोधित ज्ञापन इच्छा मृत्यु की मांग करेंगे।

पुलिस कस्टडी से भाग निकला करोड़ों की ठगी का आरोपी

दारोगा समेत पांच पुलिसकर्मी निलंबित, जांच शुरू

लखनऊ, 30 सितंबर (एजेंसियां)। बॉलीवुड लाइव कंसर्ट के नाम पर करीब नौ करोड़ की ठगी करने के मामले में आरोपी विराज त्रिवेदी गुजरात के भावनगर से पुलिस अभिरक्षा से भाग निकला। उसे वहां पेशी पर ले जाया गया था। अभिरक्षा में गए दारोगा समेत छह पुलिसकर्मी निलंबित कर दिए गए हैं। इन सभी के खिलाफ विभागीय जांच के भी आदेश दिए गए हैं।

श्री सुविधा फाउंडेशन ट्रस्ट की ओर से नवंबर 2022 में इकाना स्टेडियम में बॉलीवुड स्टार टाइगर श्राफ, गायक गुरु रंधावा, नोरा फतेही, सचेत-परंपरा और सनी

लियोनी का लाइव कंसर्ट कराने के नाम पर लाखों रुपए के टिकट बेचे गए थे। करोड़ों रुपए फाइनेंसरों से भी लिए गए थे। एसटीएफ ने 30 जुलाई 2023 को गुजरात के विराज त्रिवेदी, समीर कुमार और जयंतीभाई डेरावालिया को गिरफ्तार किया था।

सूरत निवासी विराज पर गुजरात के भावनगर में भी कई एफआईआर दर्ज हैं। इनमें उसकी पेशी लगती थी। 23 सितंबर की दोपहर दारोगा गौरव चौधरी, हेड कांस्टेबल अनिल कुमार यादव, सिपाही हरीश कुमार, सिपाही मुकेश कुमार मौर्या, सिपाही रोहित कुमार व चालक बालेंद्र सिंह उसको दो मामलों में पेशी के लिए लेकर लखनऊ से रवाना हुए थे। 27 सितंबर की सुबह वह सिपाहियों मुकेश और अनिल के साथ नाश्ता करने की बात कहकर गया था और वहीं से वह भाग निकला। एसीपी लाइन किरन यादव ने बताया कि इन सभी पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया गया है। विभागीय जांच पूरी होने के बाद इनके खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

दारोगा गौरव चौधरी ने एफआईआर दर्ज कराई है। इसमें लिखा है कि जब वह सुबह उठे तो देखा कि सिपाही मुकेश व अनिल के अलावा विराज कमरे में नहीं है। उन्होंने कॉल की। अनिल यादव ने कॉल रिसीव की और बताया कि विराज ने कहा कि उसको डायबिटीज है। इसलिए नाश्ता करना जरूरी है। इसलिए हम लोग उसको लेकर बरोडियन नाश्ता हाउस आए हैं। कुछ देर के बाद उन्होंने फिर कई कॉल की, लेकिन दोनों ने रिसीव नहीं की। काफी देर बाद अनिल ने गौरव को कॉल कर बताया कि आरोपी एक स्कूटी से भाग गया है। सवाल है कि आखिर आरोपी को होटल में क्यों ठहराया गया? ऐसे में अभिरक्षा में तैनात पुलिसकर्मियों की कहीं न कहीं मिलीभगत होने का संदेह पैदा हो रहा है। बहरहाल यह सब जांच में साफ होगा।

रोजाना कई आरोपियों की पेशी अदालतों में होती है। पुलिस लाइन से गारद (पुलिसकर्मी) अभिरक्षा में उनको जेल से कोर्ट ले जाते और वहां से लाते हैं। आरोपियों की पेशी पर जाने के दौरान मौज मस्ती करने के वीडियो और फोटो अक्सर सामने आते रहते हैं। पर, कोई सख्त कार्रवाई नहीं होती। हाल में हत्या समेत 18 मामलों में आरोपी शादाब अख्तर उर्फ फिरदौस की रील व फोटो सामने आए थे। इस मामले में भी कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई।

धान खरीद के लिए 4000 क्रय केंद्र स्थापित

30 दिन में 32 हजार किसानों ने कराया पंजीकरण

लखनऊ, 30 सितंबर (एजेंसियां)। पहली अक्टूबर से पश्चिमी उत्तर प्रदेश में धान खरीद शुरू हो जाएगी। लखनऊ संभाग के जनपदों में अलग-अलग तिथियों में खरीद होगी। हरदोई, लखीमपुर खीरी, सीतापुर में पहली अक्टूबर तथा लखनऊ, रायबरेली व उन्नाव में पूर्वी उत्तर प्रदेश के साथ पहली नवंबर को खरीद होगी। धान का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2300 रुपये व धान ग्रेड ए का 2320 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित किया गया है। किसानों को धान की उतराई, छनाई व सफाई की मद में 20 रुपये प्रति क्विंटल की दर से

प्रतिपूर्ति की जाएगी। उत्तर प्रदेश के सभी जनपदों में किसानों द्वारा धान बिक्री के लिए खाद्य-रसद विभाग व अन्य क्रय एजेंसियों के कुल 4000 क्रय केंद्र निर्धारित किए गए हैं। योगी सरकार ने किसानों को 48 घंटे के भीतर भुगतान कराने का निर्देश दिया है।

खाद्य-रसद विभाग की तरफ से धान खरीद के लिए पहली सितंबर से पंजीकरण शुरू हो गया था। प्रदेश के जनपदों में 30 दिन में अब तक लगभग 32 हजार किसानों ने पंजीकरण करा लिया है। धान का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2300 रुपये व धान ग्रेड ए का 2320 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित किया गया है। उत्तर प्रदेश के सभी जनपदों में किसानों द्वारा धान बिक्री के लिए खाद्य-रसद विभाग व अन्य क्रय एजेंसियों के कुल 4000 क्रय केंद्र निर्धारित किए गए हैं। कृषि विभाग के मुताबिक खरीफ विपणन वर्ष 2024-25 के लिए धान से आच्छादित क्षेत्रफल 61.24 लाख हेक्टेयर है। इस वर्ष धान का उत्पादन 265.54 लाख मीट्रिक टन अनुमानित है। औसत उत्पादन लगभग 43.36 क्विंटल प्रति हेक्टेयर अनुमानित है।

पश्चिम उत्तर प्रदेश के जनपदों में पहली अक्टूबर से धान खरीद शुरू होगी, जो 31 जनवरी तक चलेगी। यह खरीद पश्चिम उत्तर प्रदेश के मेरठ, सहारनपुर, मुरादाबाद, बरेली, आगरा, अलीगढ़, झांसी संभाग में होगी। वहीं लखनऊ संभाग के हरदोई, लखीमपुर खीरी, सीतापुर जनपद में भी धान खरीद इसी अवधि में होगी।

उम्र का शतक पार करने वालों में 62 फीसदी महिलाएं

लखनऊ, 30 सितंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में उम्र के लिहाज से शतक पार करने वालों में 62 फीसदी महिलाएं हैं। सबसे ज्यादा उम्रदराज मतदाता बलिया में हैं। उसके बाद आजमगढ़, कुशीनगर और लखीमपुर खीरी का नंबर है। टॉप-10 में जौनपुर, प्रयागराज, गोंडा, गाजीपुर, संत कबीरनगर और मिर्जापुर भी शामिल हैं।

प्रदेश के सभी जिलों में 100-150 साल के कुल 19378 मतदाता हैं। इनमें 7347 पुरुष और 12030 महिलाएं हैं। 100 साल से अधिक उम्र के प्रदेश में सिर्फ एक थर्ड जेंडर मतदाता बलरामपुर में हैं। बलिया में सबसे ज्यादा 1008 मतदाता उम्र का शतक पार

कर चुके हैं। उसके बाद 924 मतदाताओं के साथ आजमगढ़ का नंबर है। लेकिन, 100 साल से ऊपर की महिला मतदाताओं में आजमगढ़, बलिया से ऊपर है। आजमगढ़ में 609 और बलिया में 516 महिला मतदाता शतायु के पार हैं। बलिया के बराबर ही खीरी में 516 महिला मतदाता उम्र की इस श्रेणी में हैं। प्रदेश में 100 से अधिक उम्र के सबसे कम 14 मतदाता महराजगंज में हैं। उसके बाद 19 मतदाताओं के साथ सिद्धार्थनगर का नंबर है।

संपादकीय

नसरल्लाह का खेल खत्म

अंतत: इजरायली सेना ने आतंकी संगठन हिजबुल्लाह के सरगना शेख हसन नसरल्लाह को मार गिराया। इसी के साथ एक खूंख्वार और खौफनाक आतंक का अध्याय समाप्त हुआ। इजरायली सेना ने सटीक खुफिया सूचना के आधार पर लेबनान की राजधानी बेरूत में हिजबुल्लाह मुख्यालय और उसके 140 से अधिक ठिकानों पर ऐसी बमवर्षा की कि नसरल्लाह किसी बंकर में भी सुरक्षित नहीं रह पाया। करीब 30 मिनट के भीतर लगभग 80 बम दागे गए। उनमें बंकर बस्टर बम भी थे, जो किसी भी बंकर को फाड़ कर अंदर घुसने और विस्फोट करने में सक्षम हैं। इस अभियान के बाद इजरायली सेना ने बयान दिया कि अब नसरल्लाह दुनिया पर अपना आतंक नहीं फैला सकेगा। जाहिर है कि यह उसके मारे जाने का ठोस दावा था। कुछ घंटों के बाद हिजबुल्लाह ने भी कबूल किया कि चीफ शहीदों में शामिल हो गए हैं। दरअसल नसरल्लाह अलकायदा के ओसामा बिन लादेन, अयमान अल जवाहिरी, हमास के सियासी ब्यूरो के सरगना इस्माइल हनियेह और हिजबुल्लाह के शीर्ष कमांडरों की जमात का ही आतंकवादी था, जिसने अमरीका और इजरायल में हजारों इनसानी जिंदगियों को 'लाश' बना दिया था। उसका एकमात्र मकसद था कि इजरायल और यहूदियों का वजूद ही खत्म करना है। नसरल्लाह 1992 से हिजबुल्लाह का सरगना आतंकी था। संगठन के संस्थापक मुखिया सैयद अब्बास मुसावी को दक्षिण लेबनान में इजरायली हेलीकॉप्टर हमले में मार दिया गया था। उसके दो दिन बाद फरवरी, 1992 में नसरल्लाह महासचिव चुना गया। उसके नेतृत्व में ही हिजबुल्लाह मध्य-पूर्व में सबसे ताकतवर समूहों में से एक बना। 1997 में अमरीका ने हिजबुल्लाह को आतंकी संगठन घोषित किया। नसरल्लाह ईरान की 'प्रॉक्सी' के तौर पर इस्लामी जेहाद का 'मुजाहिद' माना जाता था। यह इसी से साफ है कि ईरान ने उसकी मौत के बाद पांच दिन का 'राष्ट्रीय शोक' घोषित किया है, क्योंकि ईरान ने उसे 'महान मुजाहिद' माना है। इजरायल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने संयुक्त राष्ट्र महासभा के मंच से ही ऐलान किया है कि जब तक हमास, हिजबुल्लाह का खात्मा नहीं होता, तब तक इजरायल की उनके खिलाफ लड़ाई जारी रहेगी। अब सवाल है कि नसरल्लाह के बाद हिजबुल्लाह की सैन्य और मानसिक ताकत कितनी शेष रहेगी कि वह इजरायल से जंग लड़ सके? हिजबुल्लाह के शीर्ष चार कमांडरों को इजरायली सेना ने बीते एक माह के दौरान ही ढेर कर दिया था। अब कमांडर अबु अली रीदा ही जिंदा बचा है। बेशक हिजबुल्लाह की ताकत और शस्त्रागार अब भी पर्याप्त हैं, लेकिन सरगना की मौत के बाद जो बिखराव आएगा, उसे समेटने में अभी वक्त लगेगा। हालांकि सरगना की मौत के बावजूद हिजबुल्लाह ने उत्तरी इजरायल पर करीब 90 रॉकेट दागे, लेकिन उन्हें बॉर्डर पर ही नाकाम कर दिया गया। खबरें हैं कि नसरल्लाह का चचेरा भाई और हिजबुल्लाह की कार्यकारी परिषद का मुखिया हाशेम सैफीद्दीन को हिजबुल्लाह का 'नया सरगना' बनाया जा सकता है। गौरतलब यह भी है कि क्या ईरान इजरायल के खिलाफ पलटवार करेगा अथवा बयानबाजी तक ही सीमित रहेगा? ईरान ने इजरायल के हमले को 'बर्बर' करार दिया है। हमले में निहत्थे लोगों को निशाना बनाया गया है। इजरायल को इसका खामियाजा भुगतना पड़ेगा। बेशक इजरायल ने हिजबुल्लाह का कचूमर निकाल दिया है। लेबनान में व्यापक तौर पर तबाही हुई है। असंख्य घर और इमारतें जमींदोज हो गई हैं, लेकिन यह इजरायल, हमास, हिजबुल्लाह, ईरान किसी की भी मानवीय चिंता नहीं है। ईरान नसरल्लाह की मौत से घबरा गया है, लिहाजा सर्वोच्च नेता खामेनेई को किसी 'सुरक्षित स्थान' पर भेजा गया है। क्या खामेनेई भी इजरायल के निशाने पर है? ईरान के सामने कई संकट हैं। यदि वह इजरायल के खिलाफ खुली जंग में उतरता है, तो अमरीका उसके परमाणु कार्यक्रम और अस्त्रों को विनष्ट कर सकता है। इजरायल भी ईरान के तेल-ढांचे को निशाना बना कर छिन्न-भिन्न कर सकता है।

इजरायली सेना ने सटीक खुफिया सूचना के आधार पर लेबनान की राजधानी बेरूत में हिजबुल्लाह मुख्यालय और उसके 140 से अधिक ठिकानों पर ऐसी बमवर्षा की कि नसरल्लाह किसी बंकर में भी सुरक्षित नहीं रह पाया। करीब 30 मिनट के भीतर लगभग 80 बम दागे गए। उनमें बंकर बस्टर बम भी थे, जो किसी भी बंकर को फाड़ कर अंदर घुसने और विस्फोट करने में सक्षम हैं। इस अभियान के बाद इजरायली सेना ने बयान दिया कि अब नसरल्लाह दुनिया पर अपना आतंक नहीं फैला सकेगा। जाहिर है कि यह उसके मारे जाने का ठोस दावा था। कुछ घंटों के बाद हिजबुल्लाह ने भी कबूल किया कि चीफ शहीदों में शामिल हो गए हैं। दरअसल नसरल्लाह अलकायदा के ओसामा बिन लादेन, अयमान अल जवाहिरी, हमास के सियासी ब्यूरो के सरगना इस्माइल हनियेह और हिजबुल्लाह के शीर्ष कमांडरों की जमात का ही आतंकवादी था, जिसने अमरीका और इजरायल में हजारों इनसानी जिंदगियों को 'लाश' बना दिया था।

नए टर्मिनल से वीओ चिदंबरनार पोर्ट के सामर्थ्य में भी विस्तार होगा

अब बंदरगाहों से निर्यात बढ़ने का दौर

डा. जयंती लाल भंडारी

लाल सागर में बढ़ते संकट और कंटेनरों की किल्लत की चिंताओं के बीच बंदरगाहों से विदेश व्यापार बढ़ाने और निर्यातकों की सहायता के लिए अहम फैसले लिए हैं। इन फैसलों के तहत शिपिंग कॉरपोरेशन बड़े कंटेनर जहाज चलाएगी। बंदरगाह शुल्क में कटौती की जाएगी तथा निर्यात की खेपों को जल्दी भेजने के लिए प्रक्रिया में तेजी के उपाय शामिल हैं।

हाल ही में वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय ने बढ़ते विदेश व्यापार घाटे, लाल सागर में बढ़ते संकट और कंटेनरों की किल्लत की चिंताओं के बीच बंदरगाहों से विदेश व्यापार बढ़ाने और निर्यातकों की सहायता के लिए अहम फैसले लिए हैं। इन फैसलों के तहत शिपिंग कॉरपोरेशन बड़े कंटनेर जहाज चलाएगी। बंदरगाह शुल्क में कटौती की जाएगी तथा निर्यात की खेपों को जल्दी भेजने के लिए प्रक्रिया में तेजी के उपाय शामिल हैं। पिछले दिनों 16 सितंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वीओ चिदंबरनार बंदरगाह पर नए तूतीकोरिन अंतरराष्ट्रीय कंटेनर टर्मिनल का उद्घाटन करते हुए अपने संदेश में कहा कि यह टर्मिनल भारत के मरीन इंफ्रास्ट्रक्चर का नया सितारा है। इस नए टर्मिनल से वीओ चिदंबरनार पोर्ट के सामर्थ्य में भी विस्तार होगा। खास बात यह भी है कि बंदरगाह से निर्यात बढ़ाने के नए फैसलों से देश के खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र के निर्यात भी बढ़ेंगे। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के मुताबिक देश दुनिया की खाद्य टोकरी बनता जा रहा है और खाद्य प्रसंस्करण के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है। ऐसे में अब निर्यात लागत घटने के कारण खाद्य प्रसंस्करण निर्यात और बढ़ेंगे। उल्लेखनीय है कि इस समय देश के वैश्विक व्यापार को बढ़ाने और निर्यात के ऊंचे लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए बंदरगाहों के आधुनिकीकरण के साथ उन्हें समुद्री व्यापार के लिए प्रतिस्पर्धी बनाने की रणनीति के साथ तेजी से आगे बढ़ा जा रहा है। विगत 30 अगस्त को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महाराष्ट्र के पालघर जिले में 76000 करोड़ रुपए की लागत वाली वधावन बंदरगाह परियोजना की आधारशिला रखी। इस मौके पर प्रधानमंत्री ने कहा कि वधावन देश का सबसे बड़ा कंटेनर बंदरगाह होगा।

इस परियोजना का उद्देश्य भारत में एक विश्व स्तरीय समुद्री प्रवेश द्वार स्थापित करना है, जो बड़े कंटेनर जहाजों की जरूरतों को पूरा करने में अहम भूमिका निभाए। उन्होंने कहा कि वधावन बंदरगाह भारत के सबसे बड़े गहरे पानी के बंदरगाहों में से एक होगा। यह अंतरराष्ट्रीय नौवहन मार्गों को सीधा संपर्क प्रदान करेगा, जिससे पारगमन समय और लागत कम होगी। यह बंदरगाह भारत की समुद्री कनेक्टिविटी को बढ़ाएगा और वैश्विक व्यापार केंद्र के रूप में भारत की स्थिति को और मजबूत करेगा। गौरतलब है कि भारत की 7517 किमी लंबी समुद्री तटरेखा है, जो 9 राज्यों और 4 केंद्र शासित प्रदेशों को समाहित करती है। देश के विशाल समुद्र तटों पर, 13 प्रमुख बड़े और 212 छोटे बंदरगाह हैं। बड़े बंदरगाहों में पूर्वी तट पर हल्दिया,

पारादीप, विशाखापट्टनम, कामराज, चेन्नई, तूतीकोरीन और पोर्ट ब्लेयर हैं। पश्चिमी तट पर कोचीन, न्यू मैंगलोर, मोरमुगांव, जवाहरलाल नेहरू, कांडला और मुंबई बंदरगाह हैं। भारतीय बंदरगाह अपनी समृद्ध ऐतिहासिक विरासत और वैश्विक व्यापार के लिए शताब्दियों से महत्वपूर्ण बने हुए हैं और बंदरगाहों से विदेश व्यापार लगातार बढ़ता गया है। इस समय भारत का मात्रा के हिसाब से 95 फीसदी और मूल्य के हिसाब से 70 फीसदी व्यापार बंदरगाहों के माध्यम से होता है। निःसंदेह अंतरराष्ट्रीय व्यापार के प्रवेश द्वार होने के कारण भारतीय बंदरगाहों ने समुद्री (तटीय) राज्यों को देश में औद्योगिक विकास के मद्देनजर पसंदीदा स्थल बना दिया है। परिवहन संबंधी न्यूनतम बाधाओं के साथ-साथ लॉजिस्टिक लागत में कमी बंदरगाहों के निकटवर्ती क्षेत्रों में औद्योगिक विकास को बढ़ाने वाला प्रमुख कारण है। निश्चित रूप से पिछले एक दशक में भारत अपने बंदरगाहों को समुद्री व्यापार की धुरी बनाने के लिए लगातार रणनीतिक रूप से आगे बढ़ रहा है। निजी बंदरगाहों को प्रोत्साहन दिया गया है। भारत कार्गो और जहाजों को संभालने में अपनी दक्षता में सुधार करने के उद्देश्य से अपने बंदरगाहों का तेजी से आधुनिकीकरण कर रहा है।

वर्ष 2015 में सागरमाला कार्यक्रम के लॉन्च होने के बाद से बंदरगाह के नेतृत्व वाले विकास को महत्वपूर्ण प्रोत्साहन मिला है। मार्च 2022 तक सागरमाला कार्यक्रम के लिए 5.40 लाख करोड़ रुपए की निर्धारित लागत वाली कुल 802 परियोजनाओं में से 1.12 लाख करोड़ रुपए की 221 परियोजनाएं पहले ही पूरी हो चुकी हैं, जबकि 4.28 लाख करोड़ रुपए की 581 परियोजनाएं विकास के विभिन्न चरणों में हैं। वर्ष 2021 में लॉन्च किए गए पीएम गति-शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान के माध्यम से विभिन्न बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को गति प्रदान की जा रही है। पीएम गति-शक्ति मल्टी मॉडल कनेक्टिविटी परियोजनाओं की समन्वित योजना और निष्पादन पर केंद्रित है जिसमें बंदरगाह भी शामिल हैं। ज्ञातव्य है निजी भागीदारी बंदरगाह आधारित विकास की मुख्य रणनीति है। इस संबंध में 100 करोड़ रुपए से अधिक निवेश की सभी परियोजनाएं नेशनल इंफ्रास्ट्रक्चर पाइपलाइन (एनआईपी) के तहत सूचीबद्ध हैं। यह बात भी महत्वपूर्ण है कि जो समुद्री राष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स पोर्टल (एनएलजी) जनवरी 2023 में शुरू हुआ है, वह एक ऐसा वन-स्टॉप प्लेटफार्म है जो लॉजिस्टिक्स समुदाय के सभी हितधारकों को आईटी के माध्यम से जोड़ता है। जिसका उद्देश्य लागत और समय की देरी को कम करते हुए दक्षता और पारदर्शिता में सुधार करना है। सरकार ने बंदरगाह और बंदरगाह निर्माण और रखरखाव परियोजनाओं के लिए स्वचालित मार्ग के तहत 100 प्रतिशत तक प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) की अनुमति दी हुई है। इसके अलावा 11.8 अरब डॉलर के योजनाबद्ध आउटले के साथ समुद्री क्षेत्र को विकसित करने के लिए राष्ट्रीय समुद्री विकास कार्यक्रम (एनएमडीपी) भी अत्यधिक लाभप्रद है। अब मेरीटाइम इंडिया मिशन 2030 के तहत बंदरगाहों के विकास और लॉजिस्टिक लागत घटाकर समुद्री अर्थव्यवस्था से देश को लाभान्वित करने का नया अध्याय आगे बढ़ रहा है। इन सबके साथ-साथ वैश्विक समुद्री भारत शिखर सम्मेलन (जीएमआईएस) के दौरान तय किए गए व्यापक रोडमैप के साथ समुद्री अमृतकाल विजन 2047 भारत के समुद्री क्षेत्र को नई ऊंचाई देने के लिए तैयार है। निःसंदेह सरकार और निजी क्षेत्र के द्वारा समन्वित रूप से किए जा रहे समुद्री विकास और बंदरगाहों के विकास के रणनीतिक प्रयासों के अच्छे परिणाम भी दिखाई दे रहे हैं।

जहां 1990 के दशक में देश में जहाज की वापसी में लगने वाला औसत समय लगभग 7.8 दिन था, अब यह आंकड़ा कम होकर 2 दिनों से भी कम रह गया है। कई अन्य परिचालन दक्षता संकेतकों में भी बड़े सुधार आए हैं। यह स्पष्ट है कि जल परिवहन दुनियाभर में माल ढुलाई के लिए सबसे सस्ता और वरीयता वाला माध्यम है। चीन और अमेरिका सहित कई यूरोपीय देशों ने जैसे-जैसे विकास की ओर कदम बढ़ाए, वैसे-वैसे उन्होंने अपने जल मार्गों का अधिकतम उपयोग किया है। उन्होंने जल मार्गों को अपनी अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण स्तंभ बना लिया है।

दृष्टि कोण

आत्मीयता-सौहार्द की प्रतिमूर्ति थे डा. प्रत्यूष

पिछले दो महीनों में मेरी सरकारी नौकरी के सफर में साथी रहे दो सेवानिवृत्त कर्मियों के महाप्रयाण के बाद एकाएक हिंदी और पहाड़ी के साहित्यकार डा. प्रत्यूष गुलेरी के देहावसान की खबर मिली। कुछ साल पहले उनके बड़े भाई डा. पीयूष गुलेरी अनदेखी यात्रा पर निकले और उनके पीछे-पीछे डा. प्रत्यूष गुलेरी भी बड़े भाई की राह पर निकलने का मोह न संवरण कर पाए। इस दौरान डा. प्रत्यूष ने अपने कई परिजनों का साथ खोया। लेकिन बेहद संवेदनशील और स्नेही डा. प्रत्यूष बड़े भाई और मार्गदर्शक तथा माता के जाने के आघात को इतना भीतर तक महसूस करते थे कि स्वयं का भरा-पूरा परिवार होने के बावजूद अपने आपको अकेला मानने लगे थे। शायद उनका यही अकेलापन उनकी साढ़े तीन हाथ की देही को भीतर से खोखला करता गया। फिर एक दिन अपने बेटे के पास चंडीगढ़ में चिकित्सीय परीक्षण के लिए जाते हुए बेहद सधे हुए अंदाज में पोते के साथ मंदिर में माथा टेकने और वहीं एक बैंच पर बैठने के बाद वह बड़े भाई और मां की राह पर कदम बढ़ा गए। जीवन की यही गति है। आए हैं सो जाएंगे, राजा रंक फकीर। कौन बचा है आज तक। सन-1947 में राज पुरोहित कीर्तिधर शर्मा गुलेरी तथा माता सत्यवती के जिला कांगड़ा के गुलेर स्थित आवास में जन्मे डा. प्रत्यूष मैट्रिक पास करने के बाद 18 साल की आयु में जेबीटी अध्यापक नियुक्त हुए। इसके बाद उन्होंने प्रभाकर, बीए, बी. एड. और एमए किया। पर उनके अध्ययन की भूख अभी खत्म नहीं हुई थी। हिंदी साहित्य में पीएचडी करने के बाद वह साल 1982 में कालेज कैडर में सह-प्रोफेसर नियुक्त हुए। इस दौरान उन्होंने बीए, एमए तथा बी. एड. के छात्रों को शिक्षा प्रदान करने के साथ स्कूल अध्यापकों तथा प्राध्यापकों को रिफ्रेशर कोर्स कराने में अहम भूमिका निभाई। वह छात्रों के समग्र विकास के लिए उन्हें साहित्यिक, सांस्कृतिक शैक्षिक व शैक्षणिक गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रेरित करते रहे। सरकारी सेवा से मुक्त होने के बाद उन्होंने जम्मू के एक निजी बीएड कॉलेज में पांच साल तक प्राचार्य के रूप में अपनी सेवाएं दीं। बतौर शिक्षक अपने कार्यकाल के दौरान वह सांस्कृतिक दलों तथा यूथ फेस्टिवल की प्रतियोगिताओं के प्रभारी रहे तथा विभिन्न विश्वविद्यालयों की कई सांस्कृतिक, साहित्यिक प्रतियोगिताओं में निर्णायक भी रहे। अंतरराष्ट्रीय कुल्लू दशहरा में नृत्य दलों मुकाबलों के निर्णायक दलों के सदस्य भी रहे। हिमाचल के संस्कृति तथा भाषा विभाग के अलावा हिमाचल अकादमी, राष्ट्रीय संस्थानों, साहित्य अकादमियों, राष्ट्रीय पुस्तक न्यास और केंद्रीय हिंदी संस्थान के साहित्यिक सांस्कृतिक समारोहों में अपनी सक्रिय भूमिका निभाते रहे। वह हिमाचल प्रदेश के महाविद्यालयों के सांस्कृतिक तथा नृत्य दलों को दूरदर्शन लेकर गए। ये सभी कार्यक्रम काफी लोकप्रिय रहे। वह दूरदर्शन जालंधर और शिमला से कई साहित्यिक चर्चाओं और हिंदी-हिमाचली कवि सम्मेलनों में सक्रिय रूप से भाग लेते रहे। साहित्यकार के रूप में वह अपने उपनाम प्रत्यूष गुलेरी के रूप में प्रसिद्ध रहे, किंतु उनका पूरा नाम श्रीकांत प्रत्यूष गुलेरी था। करीब सोलह साल की उम्र में उनकी हिंदी कविताओं को अखबारों में जगह मिलना आरंभ हुई। आकाशवाणी शिमला से पहली बार सन-1966 में उनकी कविताओं का प्रसारण हुआ। इसके बाद सरकारी तथा गैर सरकारी संगठनों तथा संस्थानों द्वारा आयोजित साहित्यिक सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भाग लेने का सिलसिला आम बात हो चुकी थी। सन-1970 में पहाड़ी में उनका पहला कविता संग्रह 'गीतां री सीर' छपा। उसके बाद बृजराज और उनका काव्य शोध प्रबंध प्रकाश में आया। उनके द्वारा किए गए बृजराज की पुस्तकों के संपादन तथा प्रकाशन 'बृजराज रामायण', राम रस लहरी, मंगलशतक और 'नीति शतक ग्रंथ' विशेष चर्चित रहे। उनकी हिंदी में प्रकाशित कुल बाईस पुस्तकों में कथा, कविता, उपन्यास, निबंध और आलोचना शामिल हैं। बाल साहित्य में पुस्तक न्यास भारत की ओर से बालगीत बेहद लोकप्रिय है, जिसके अब तक छह संस्करण छप चुके हैं। उनकी संपादित हिंदी बाल कविताएं भी उल्लेखनीय हैं। हिमाचल प्रदेश में रचित ब्रजभाषा काव्य पर उनका विशेष शोध कार्य उल्लेखनीय है। हिमाचली लोक साहित्य तथा हिमाचली पहाड़ी भाषा में उनकी दस पुस्तकों में उनका मौलिक कर्म, संपादन और अनुवाद शामिल है। इनमें गुलेरी रचना संचयन, हिमाचली लोक कथाएं, हिमाचली प्रतिनिधि काव्य संकलन तथा हिमाचली कहानियां साहित्य अकादमी और राष्ट्रीय पुस्तक न्यास प्रमुख हैं।

कुछ अलग

चिकित्सा अनुदान का दुरुपयोग

पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय की फटकार ने निश्चित रूप से पंजाब सरकार की वित्तीय प्राथमिकताओं में घोर कुप्रबंधन को ही उजागर किया है। विडंबना यह है कि शासन-प्रशासन ने राज्य में स्वास्थ्य संबंधी दायित्व तो पूरे नहीं किए, लेकिन तंत्र के विलासितापूर्ण खर्चे बदस्तूर जारी रहे। कमजोर वर्ग के मरीजों को राहत देने के मकसद से शुरू की गई आयुष्मान भारत योजना के तहत केंद्र सरकार से मिले तीन सौ पचास करोड़ रुपये प्राप्त करने के बावजूद सरकार अस्पतालों के लिये यह धनराशि जारी करने में विफल रही। जिसके चलते चिकित्सा संस्थानों का राज्य सरकार पर करीब पांच सौ करोड़ धन बकाया रह गया है। यह विडंबना ही है कि शासन की यह लापरवाही ऐसे समय में उजागर हुई है जब राज्यभर के अस्पताल वित्तीय संकट के कारण मरीजों को पर्याप्त चिकित्सा सुविधा देने के लिये संघर्ष कर रहे हैं। कोर्ट के आदेश पर वरिष्ठ स्वास्थ्य अधिकारियों का वेतन रोकने का यह कदम जवाबदेही तय करने की दिशा में एक अनुकरणीय पहल है। यह मामला स्वास्थ्य जैसी आवश्यक सेवा की अनदेखी से जुड़ा है। राजनेताओं के लिये नई कारों, कार्यालयों के नवीकरण का खर्च व महंगे विज्ञापन जैसे गैर आवश्यक खर्च के लिये इस धन के खर्च करने के कारण यह मामला बेहत गंभीर हो गया है। जिसके चलते अदालत ने इस दिशा में सख्त कार्रवाई की जरूरत को रेखांकित किया है। जो राज्य सरकार के लिये एक सबक भी है। यह प्रकरण बताता है कि शासन प्रशासन अपनी प्राथमिकताओं के निर्धारण में कितना संवेदनहीन बन जाता है। वह चिकित्सा सुविधाओं के लिये आवंटित धन के दुरुपयोग से भी गुरेज नहीं करता है। कैसी विडंबना है कि मरीजों को सस्ता व जरूरी उपचार सुनिश्चित करने वाली योजना के लिये आवंटित धन को विलासिता के लिये खर्च करने में गुरेज नहीं किया गया। निश्चय ही यह घटनाक्रम खराब शासन को ही दर्शाता है। वहीं सार्वजनिक कल्याण के लिये प्रशासन की प्रतिबद्धताओं से जुड़ी नैतिक चिंताओं पर भी सवालिया निशान लगाता है। ऐसे ही आर्थिक कुप्रबंधन के चलते पंजाब की वित्तीय परेशानियां लगातार बढ़ते राजकोषीय घाटे के कारण और भी बढ़ गई हैं। जिसका दबाव आवश्यक सार्वजनिक सेवाओं पर पड़ रहा है। राज्य द्वारा धन का गलत तरीके से आवंटन शासन की विफलता को ही दर्शाता है। रिपोर्टें बताती हैं कि जहां राजनेताओं व नौकरशाहों को बड़े अनुदान से लाभ होता है, वहीं अस्पतालों और स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं को बढ़ते कर्ज और वित्तीय संसाधनों की कमी से जूझना पड़ता है। जिसका सीधा असर रोगियों की देखभाल व सार्वजनिक स्वास्थ्य की गुणवत्ता पर पड़ता है। उच्च न्यायालय द्वारा सरकारी खर्च के संबंध में पारदर्शिता की मांग सही दिशा में उठाया गया कदम है। शासन प्रशासन को अनावश्यक विलासिता के स्थान पर स्वास्थ्य सेवा और सामाजिक कल्याण कार्यक्रमों को प्राथमिकता देनी चाहिए।

देश दुनिया से

अपराध को लुभावना बनाता सोशल मीडिया

पुलिस ने इन्हें दक्षिण दिल्ली के संगम विहार, टिगरी, फतेहपुर बेरी, महरौली, नेब सराय आदि स्थानों से पकड़ा है। पुलिस ने जब इन लोगों के सोशल मीडिया प्रोफाइल्स को स्कैन किया तो पाया कि ये लोग सालों से ऐसा कर रहे हैं। इन पचास लोगों की पहचान करने के लिए पुलिस ने करीब एक हजार सोशल मीडिया अकाउंट्स खंगाले और पाया कि इनमें से कई नकली हथियारों को भी दिखाते हैं व लोगों को डराते हैं। पुलिस ने जब इनसे पूछताछ की तो पता चला कि ऐसा करके वे रोमांच महसूस करते हैं। इसके अलावा अपने इलाके में अपनी ताकत को दिखाना चाहते हैं। जो वीडियो ये पोस्ट करते हैं, उनमें ऐसे गाने भी होते हैं, जो हथियारों के प्रयोग को बढ़ा-चढ़ाकर ग्लैमराइज करते हैं।

हमारे यहां बड़ी संख्या में बच्चे और किशोर सोशल मीडिया पर एक्टिव हैं। हाल ही में दिल्ली पुलिस ने खुलासा किया कि बहुत से किशोर सोशल मीडिया पर तरह-तरह के हथियारों के साथ फोटो डालते हैं। वे इसे अपना विशेषाधिकार भी मानते हैं। पुलिस ने ऐसे पचास सोशल मीडिया अकाउंट्स को चिन्हित किया, जिसमें अधिकतर किशोर और बच्चे हैं। इनकी उम्र बीस साल या उससे कम है। ये वीडियोज़ में खुलेआम हथियार लेकर लोगों को धमका रहे हैं। गोलियां चला रहे हैं। चाकू दिखा रहे हैं। पुलिस ने इन्हें दक्षिण दिल्ली के संगम विहार, टिगरी, फतेहपुर बेरी, महरौली, नेब सराय आदि स्थानों से पकड़ा है। पुलिस ने जब इन लोगों के सोशल मीडिया प्रोफाइल्स को स्कैन किया तो पाया कि ये लोग सालों से ऐसा कर रहे हैं। इन पचास लोगों की पहचान करने के लिए पुलिस ने करीब एक हजार सोशल मीडिया अकाउंट्स खंगाले और पाया कि इनमें से कई नकली हथियारों को भी दिखाते हैं व लोगों को डराते हैं। पुलिस ने जब इनसे पूछताछ की तो पता चला कि ऐसा करके वे रोमांच महसूस करते हैं। इसके अलावा अपने इलाके में अपनी ताकत को दिखाना चाहते हैं। जो वीडियो ये पोस्ट करते हैं, उनमें ऐसे गाने भी होते हैं, जो हथियारों के प्रयोग को बढ़ा-चढ़ाकर ग्लैमराइज करते हैं। लोगों को हथियार रखने और उनका प्रयोग करने के लिए उकसाते हैं। पुलिस के पूछने पर कइयों ने खुश होते और हंसते हुए यह भी कहा कि इससे उनके फालोअर्स भारी संख्या में बढ़ते हैं। कभी यदि इन्हें पकड़ा भी जाता है, तो इनके साथी इनके जेल जाने, अदालतों में पेशी और जेल से बाहर आने के भी वीडियो बनाते हैं। जेल से बाहर आने पर जश्न मनाने के वीडियो भी बनाए जाते हैं और उन्हें पोस्ट किया जाता है। दूसरों का अपमान करने, डराने, धमकाने, मारपीट करने के भी वीडियो पोस्ट किए जाते हैं। इनके अनुसार ऐसे वीडियो इनके इलाके में इनका प्रभाव बढ़ाते हैं। इनमें से कइयों के तीस हजार तो एक के लाखों फालोअर्स तक हैं। ऐसे वीडियो पोस्ट करने के बाद फालोअर्स की संख्या बेतहाशा बढ़ जाती है। और बहुत से युवा इनकी नकल करने की कोशिश भी करते हैं। यही नहीं, कई तो अपराध करने से पहले भी वीडियो पोस्ट करते हैं। ये अपराध हत्या करने तक के हो सकते हैं। एक युवा ने तो वीडियो में बताया कि वह यह अपराध करने जा रहा है, और कब करेगा इसकी जानकारी भी दी। यह भी कहा कि वह कब तक जेल से बाहर आ जाएगा। इन लोगों को बहुत-से कानूनों के बारे में भी पता है जैसे कि चाकू का प्रयोग करने पर आर्म्स एक्ट नहीं लग सकता। इनमें से अधिकांश वे हैं जिन्होंने अपनी पढ़ाई बीच में ही छोड़ दी। माता-पिता ने भी इनकी कोई खास परवाह नहीं की। पुलिस इन्हें जागरूक करने का अभियान भी चला रही है। ये सब बातें कितनी भयावह लगती हैं। पुलिस ने जो कारण बताए वे भी गौर करने लायक हैं। जैसे कि इन युवाओं ने अपनी पढ़ाई बीच में ही छोड़ दी। यानी कि इन्हें लगा कि पढ़ने-लिखने से कोई फायदा नहीं है। फिर समाज में यह भी है कि जिसके पास हथियार हैं, जो मारपीट कर सकता है, उससे लोग यूं ही डरने लगते हैं। आखिर किसे अपनी जान प्यारी नहीं है। यूं भी हमारे तमाम प्रचार माध्यम हिंसा को बढ़ा-चढ़ाकर दिखाते हैं। हालीवुड से लेकर बालीवुड तक बात-बात में मारपीट और हथियारों का प्रयोग मामूली बात है। हम लोग चाहे जितना अहिंसा का जाप करें, लेकिन समाज हिंसा और हिंसक व्यक्ति की पूजा करता है। जैसा कि इन लोगों ने बार-बार कहा कि वे अपने इलाके में प्रभाव बढ़ाना चाहते थे। जाहिर है कि इनकी चाहना यही थी कि लोग इनसे डरें और इनका लोहा मानें। फिर सोशल मीडिया पर वीडियो पोस्ट करके ये रातोरात अपने फालोअर्स भी बना लेते थे और लोकप्रियता के नशे में थे। वैसे भी हिंसा और अपराध लोगों को बहुत आकर्षित करते हैं। वे कार्यक्रम जिनमें हिंसा और सैक्स का बोलबाला होता है, रातोरात चर्चित हो जाते हैं। ऐसी फिल्में भी खूब चलती हैं। यहां तक कि ऐसी किताबें और पत्रिकाएं भी एक जमाने में रिकार्डतोड़ बिक्री करती रही हैं। व्यापार का नियम मुनाफा ही होता है, वह चाहे जैसे कमाया जाए। राजनीति भी इनसे परे नहीं है। बहुत से अपराधी जेल से ही चुनाव लड़ते हैं और जीत जाते हैं। बहुत से जीतने वालों के नाम ढेर सारे अपराध भी दर्ज हैं। हर हाल में सफलता चाहिए। सफलता मिलने के बाद कोई यह नहीं देखता कि वह कैसे मिली क्योंकि दुनिया में सफलता के ग्राहक ढेर से हैं और असफलता का कोई नहीं। इसलिए अगर ये किशोर हथियारों, अपराध और मारपीट के जरिए सफलता की सीढ़ियां चढ़ना चाहते हैं, तो यह जरूर सोचना चाहिए कि आखिर ऐसा क्यों है। अपराध इतना लुभावना क्यों है। दूसरी बात जो पुलिस ने बताई कि इन किशोरों को माता-पिता की देखभाल कभी नहीं मिली। हो सकता है कि माता-पिता का प्यार अगर इन्हें मिला होता, इनकी ठीक से देखभाल की गई होती, माता-पिता ने इन्हें समय दिया होता, इनकी सुनी होती तो शायद ये अपराध और हथियारों को अपना भगवान न मानते।

आप का नजरिया

हिमाचली शक्ल-सूरत में इवेंट

यह तो मानना पड़ेगा कि अब हिमाचल में सांस्कृतिक नहीं, इवेंट समारोह होने लगे हैं। शाहपुर के विधायक केवल सिंह पठानिया ने धर्मशाला को इवेंट सिटी का डेस्टिनेशन बता दिया, तो कांगड़ा जिला में बनती पर्यटन राजधानी का प्रारूप उत्साहित करता है। वैसे सांस्कृतिक और इवेंट समारोह में अंतर इसके प्रारूप, लक्ष्य और आर्थिकी को लेकर होना चाहिए। बिडंवना यह है कि हिमाचल के समारोहों में सरकार के पांव और पांव में बंधे घुंघरु ही बताते हैं कि कुछ हो रहा है। चिंतपूर्णी महोत्सव में इवेंट की परिकल्पना को देखें तो साज पर कई चर्चित पंजाबी गायक दिखाई देते हैं यानी जो कल जालंधर-चंडीगढ़ के इवेंट में सुना, उसी महिफल से हिमाचल को आज कुछ मिल गया। दोनों में अंतर नहीं मिलेगा। थोड़ा आगे बढ़ें तो कांगड़ा कार्निवल के पंडाल में पुनः मनिंदर बुट्टर, रशमीत कौर और गजेंद्र वर्मा को दिया गया निमंत्रण, देश को धर्मशाला में बुला रहा है। ऐसे इवेंट की परिभाषा में हिमाचल का कला, संस्कृति एवं भाषा विभाग का अपना 'थियेटर' है कहां। आश्चर्य यह कि न चिंतपूर्णी मंदिर व्यवस्था में इतना दम कि कोई सभागार बना दे और न ही इवेंट सिटी धर्मशाला में इतनी योग्यता कि प्रस्तावित कान्वेंशन सेंटर की नींव पर इमारत बना दे। इवेंट की शक्ल सूरत में हिमाचल होता ही कितना, बस निगाहों को एक अस्थायी मंच दिखाया जाता है। बेशक सरताज जैसे कलाकार अंतरराष्ट्रीय स्तर की पहचान में भारत का एक नाम हैं, लेकिन इसके पीछे पंजाब की संस्कृति, सृजन का माहौल, समाज की तालियां और सांस्कृतिक संवेदना एक बड़ी वजह है। इसी तरह हिमाचल के सांस्कृतिक माहौल की परीक्षा पहले सांस्कृतिक समारोहों में होती थी, अब ऐसे इवेंट्स में भी पहाड़ी कलाकार की आरजू रोती है। ऐसे में अगर इन समारोहों को इवेंट की शक्ल देनी है, तो प्रदेश की मिट्टी को अहमियत देनी होगी। आश्चर्य होता है कि हिमाचल के साहित्यकार गले में कविता लटकाए किसी बंद कमरे की दीवारों को पाठ सुना आते हैं और पूरे महकमे के विशिष्ट ओहदेदार इसी फर्ज की हवा में उड़ान भरते रहते हैं। कला का विघटन तब होता है, जब संस्कृति को भी अपनी धरती पर पहचान का दीया जलाना पड़ता है। ठेठ हिमाचली कलाकार का ऑडिशन होता है, जैसे सैन्य भर्ती के लिए कोई युवा मैदान पर उतरता है।। साल भर विभाग अगर राज्य, जिला व उपमंडलीय स्तर की रैंकिंग में कलाकारों की पहचान करे, तो हर मंच पर कोई तो मंझा हुआ मिलेगा। क्यों नहीं हम एक राज्य स्तरीय पैनल बनाकर विभिन्न समारोहों के लिए कलाकारों का आबंटन करते। क्यों नहीं हम प्रसिद्ध मंदिरों को सांस्कृतिक केंद्रों में प्रतिष्ठित करते हैं। क्यों नहीं मसरूर, कांगड़ा दुर्ग, सुजानपुर, रामपुर बुशहर, गरली परागपुर, नग्गर, नूरपुर किला और चंबा जैसे धरोहर स्थानों व तमाम धार्मिक स्थलों को हिमाचली संगीत समारोहों का डेस्टिनेशन बनाते। प्रदेश में शिमला फिल्म फेस्टिवल के बाद, हिम फिल्मोत्सव तथा इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल के आयोजन धर्मशाला में प्रस्तावित हैं, लेकिन क्या हम इन्हें डेस्टिनेशन पर्यटन में बदलने के लिए कुछ सोच रहे हैं।

खबरें जो सोच बदल दे शुभ लाभ

लेबनान की राजधानी पर इजराइल का बड़ा हमला

ड्रोन अटैक में पीएफएलपी के तीन नेता मारे गए

बेरुत, 30 सितंबर (एजेंसियां)। हिज्बुल्लाह के खिलाफ व्यापक अभियान को अंजाम देते हुए इजराइल ने सोमवार तड़के लगातार ड्रोन हमलों से लेबनान की राजधानी बेरुत को दहला दिया। इजराइली सेना ने ड्रोन अटैक कर शहर की इमारत को निशाना बनाया। हमले में कम-से-कम 4 लोगों की मौत हो गई, जिसमें इजराइल के खिलाफ कड़े संघर्ष में सक्रिय पॉपुलर फ्रंट फॉर दी लिबरेशन ऑफ फिलिस्तीन (पीएफएलपी) के तीन बड़े नेता शामिल हैं।

इजराइली सेना रविवार से ही बेरुत के रिहाइशी इलाकों को निशाना बनाकर हमले कर रही है। दी टाइम्स ऑफ इजराइल की रिपोर्ट के मुताबिक पीएफएलपी ने बयान जारी कर कहा है कि बेरुत के कोला जिले में एक इमारत पर मध्य रात्रि इजराइल के हमले में उसके तीन शीर्ष नेताओं की मौत हो गई। हालांकि पहले ये आशंका थी कि यह हमला एक अन्य आतंकी संगठन अल जमा अल इस्लामिया (इस्लामिक ग्रुप) की तरफ से किया गया है लेकिन संगठन ने इससे इनकार किया है। उधर, इजराइल की सेना की तरफ से इन हमलों को लेकर टिप्पणी नहीं की गई है।

ईरान समर्थित सशस्त्र संगठनों के खिलाफ इजराइल लगातार अपनी मुहिम को तेज कर रहा है। रविवार को इजरायल ने लेबनान में हिज्बुल्लाह के ठिकानों पर हमला कर 45 लड़ाकों को मार गिराया जिसमें हिज्बुल्लाह का एक सीनियर कमांडर शामिल है। नबील कौक नाम का यह नेता हिज्बुल्ला की केंद्रीय कमेटी का उप प्रमुख था। इसके साथ ही यमन के हूती विद्रोहियों के ठिकानों पर दर्जनों इजरायली विमानों ने बमबारी।

न्यूज ब्रीफ

नेतन्याहू ने अपने पूर्व प्रतिद्वंद्वी गिदोन को बनाया मंत्रिमंडल का सदस्य

यरोशलम। इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने अपने पूर्व प्रतिद्वंद्वी गिदोन सार को अपने मंत्रिमंडल का सदस्य बनाया है। इस कदम से नेतन्याहू के सत्तारूढ़ गठबंधन का विस्तार होगा और इजराइली नेता को पद पर बने रहने में मदद मिलेगी।

नेतन्याहू ने कहा कि समझौते के तहत गिदोन सार को सुरक्षा कैबिनेट में स्थान दिया जाएगा। गिदोन सार को उम्मीद थी कि वह नेतन्याहू के दूसरे प्रतिद्वंद्वी रक्षा मंत्री योआव गैलेंट की जगह लेंगे, लेकिन हिज्बुल्लाह के साथ लड़ाई तेज होने के बाद कई सप्ताह पहले रक्षा मंत्री बनने का उनका सपना टूट गया था।

पश्चिम एशिया में पूर्ण युद्ध को रोकना होगा, नेतन्याहू से करेंगे बात : बाइडन

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने कहा कि वह इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से बात करेंगे और उनका मानना है कि पश्चिम एशिया में पूर्ण युद्ध से बचना चाहिए। बाइडन ने कहा कि ऐसा होना ही चाहिए। हमें इसे रोकना ही होगा। बाइडन का यह बयान ऐसे समय में आया है जब रविवार को लेबनान में इजराइल के हवाई हमलों में दर्जनों आम नागरिक मारे गए हैं। उन्होंने यह नहीं बताया कि वह नेतन्याहू से कब बात करेंगे। इजराइल ने चरपंथी समूह हिज्बुल्लाह के ठिकानों पर कई हमले किए हैं और ऐसे ही हमले में हिज्बुल्लाह चीफ हसन नसरल्लाह भी मारा गया है। अमेरिका नसरल्लाह की मौत को हिज्बुल्लाह के लिए एक बड़ा झटका मानता है। साथ ही, अमेरिकी प्रशासन ने सावधानी से कदम उठाने की कोशिश की है, क्योंकि उसने हमास के साथ इजराइल के युद्ध को रोकने की कोशिश की है, जो हिज्बुल्लाह की तरह ईरान द्वारा समर्थित है, ताकि यह एक व्यापक युद्ध में न बदल सके। क्योंकि यह युद्ध फैला तो बड़ी तबाही मचेगी।

सिनवार अभी जिंदा है, मौत की खबर निकली झूठी, बदल रहा नई-नई लोकेशन, इजराइली सुरक्षा एजेंसी ने की पुष्टी, हमास पर किए हमले तेज

गाजा पट्टी,(ईएमएस)। इजरायली हमलों के बीच हमास के प्रमुख याह्या सिनवार की मौत की खबरें गलत साबित हुई। ताजा रिपोर्टों के मुताबिक सिनवार अभी जिंदा है और वह लोकेशन बदल रहा है। पहले खबरें आई थीं कि इजरायली सेना के हमले में याह्या सिनवार मारा गया है, लेकिन अब पुष्टि हुई है कि वह जिंदा है। इजरायली सुरक्षा एजेंसी शिन बेत ने भी पुष्टि की है कि याह्या सिनवार जिंदा है। मीडिया रिपोर्ट में खुलासा किया गया है कि इजरायली सेना के पास सिनवार को खत्म करने का पूरा मौका था, लेकिन इजरायली बंधकों की सुरक्षा के चलते उसने ऐसा नहीं किया। इजरायल को गुप्त सूचना मिली थी, जिससे उसे याह्या सिनवार को मारने का सही मौका था, लेकिन सिनवार ने बंधकों को ढाल के रूप में इस्तेमाल किया, जिससे इजरायल ने यह जोखिम नहीं उठाया। याह्या सिनवार, जो फिलहाल गाजा पट्टी के नीचे बनी सुरंगों में छिपा है उसने अपनी सुरक्षा के लिए इजरायली बंधकों को अपने आसपास रखा है, जिससे इजरायल उसे नुकसान नहीं पहुंचा सके। गौरतलब है कि सिनवार ने हमास के पूर्व नेता इस्माइल हानिया की हत्या के बाद उसकी जगह ली थी। हानिया की हत्या ईरान में हुई थी और उसके बाद से हमास का नेतृत्व याह्या सिनवार संभाल रहा है। इजरायली सेना ने गाजा से निकाले गए शवों की डीएनए जांच की थी, जिससे यह साफ हो गया कि सिनवार उन शवों में शामिल नहीं था। इजरायल और हमास के बीच जारी संघर्ष में यह नई जानकारी तब सामने आई है। इजरायल ने हमास और हिजबुल्लाह के खिलाफ अपनी कार्रवाई तेज कर दी है।

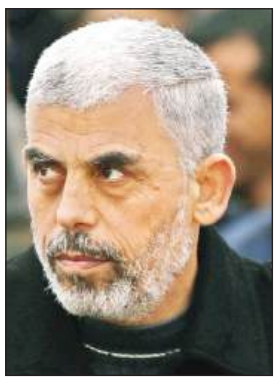

नेपाल : बाढ़ और भूस्खलन से मरने वालों की संख्या 200 के पार, दर्जनों लोग लापता

काठमांडू, 30 सितंबर (एजेंसियां)।

नेपाल में बाढ़ और भूस्खलन के कारण मरने वालों की संख्या बढ़ कर 200 के पार हो गई है। अभी भी करीब चार दर्जन से अधिक लोग लापता हैं। भूस्खलन की चपेट में फंसे शवों को निकालने का काम जारी है। बाढ़ का पानी कम होने के साथ ही लोगों के खाने-पीने की व्यवस्था में सरकार जुट गई है।

गृह मंत्रालय की तरफ से दी गई जानकारी के मुताबिक बाढ़ और भूस्खलन के कारण मरने वालों की संख्या बढ़ कर 204 हो गयी है। गृह मंत्रालय के प्रवक्ता ऋषिराम तिवारी ने बताया कि देशभर से सोमवार सुबह 11 बजे तक जो आंकड़े मिले हैं उसके मुताबिक अब तक 204 लोगों का शव बरामद किया जा चुका है। मंत्रालय के प्रवक्ता ने बताया कि अब तक चार दर्जन लोगों के लापता की सूचना मिली है। गृह मंत्रालय के विपद व्यवस्थापन महाशाखा के पास जो आंकड़े देशभर से प्राप्त हुए हैं उनमें 49 लोगों के अब तक लापता होने की जानकारी मिली है। प्रवक्ता तिवारी ने बताया कि इस समय करीब 200 घायल लोगों का अस्पतालों में इलाज चल रहा है। बाढ़ और भूस्खलन में फंसे करीब चार हजार लोगों को बचाया गया है। प्रवक्ता बताया कि सरकार की प्राथमिकता बेघर हुए लोगों के लिए अस्थाई आवास की व्यवस्था करना है। उन्होंने बताया कि आज ही प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली के नेपाल पहुंचते ही होने वाली कैबिनेट बैठक से अस्थाई आवास बनाने के लिए प्रभावित लोगों को पहली किस्त देने का फैसला कर लिया जाएगा। इसके अलावा सरकार की प्राथमिकता राजमार्ग का संचालन भी है। चूंकि तीन दिनों के बाद घटस्थापना की शुरुआत हो रही है और काठमांडू से करीब 10 लाख लोग सड़क के रास्ते अपने-अपने घर के लिए जाते हैं। इस समय काठमांडू से बाहर जाने के सारे राजमार्ग बंद हैं। सरकार की प्राथमिकता इनको संचालित करने की है। ताकि दशहरे के अवसर पर लोग अपने गांव और अन्य शहर को जा सकें।

फिलीपींस में तूफान क्रैथॉन ने मचाई तबाही, भारी नुकसान की आशंका

मनीला। दक्षिण एशियाई देश फिलीपींस में ताकतवर तूफान क्रैथॉन के कारण जन-जीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। इस तूफान ने 215 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलने वाली हवाओं के साथ अपना कहर बरपाया, जिससे हालात बिगड़ गए हैं। तूफान को लेकर मौसम विभाग की चेतावनी के बाद, स्कूल-कॉलेज बंद कर दिए गए हैं। समुद्र से नौकाओं को हटाने का काम किया गया। स्थानीय निवासियों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने की व्यवस्था की गई है। तूफान क्रैथॉन के प्रभाव से कैगायन और बटानेस प्रांत के बालिंटैंग द्वीप के तटीय क्षेत्रों में 175 से 215 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चल रही हैं। मौसम विभाग ने जानकारी दी है कि यह तूफान धीरे-धीरे पश्चिम की ओर बढ़ रहा है और मंगलवार को ताइवान की ओर मुड़ते ही यह एक सुपर टाइफून में तब्दील हो सकता है। मौसम विभाग ने अगले 48 घंटों में बटानेस के तटीय गांवों, बाबुयान द्वीप और कैगायन प्रांत में जीवन के लिए खतरा पैदा करने वाले तूफानी लहरों के मध्यम से उच्च जोखिम की चेतावनी जारी की है। चेतावनी जारी करते हुए कहा गया कि तेज और भयानक हवाएं छतों को उड़ा सकती हैं, पेड़ों को गिराते हुए आगे बढ़ सकती हैं, खेती को नुकसान पहुंचा सकती हैं और समुद्र में ऊंची लहरें भी उठा सकती हैं। कगायन प्रांत में बिजली गुल इस तूफान के कारण कगायन प्रांत में बिजली गुल हो गई है और सैकड़ों ग्रामीणों को समुद्री तटीय और बाढ़-ग्रस्त इलाकों से सुरक्षित स्थानों पर निकाला गया। सुरक्षा के मद्देनजर, उत्तरी प्रांतों में सभी स्कूल और कॉलेज बंद कर दिए गए हैं। स्थानीय अधिकारियों ने तूफान से प्रभावित उत्तरी शहरों में समुद्री यात्रा पर भी रोक लगा दी है।

वाशिंगटन पहुंचे जयशंकर ब्लिंकन और 'थिंक-टैंक' से करेंगे मुलाकात

वाशिंगटन , 30 सितंबर (एजेंसियां)।

भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर मंगलवार को अमेरिकी विदेश मंत्री टोनी ब्लिंकन से मुलाकात करेंगे। इस दौरान दोनों नेताओं के बीच यूक्रेन युद्ध और पश्चिम एशिया में संकट सहित कई द्विपक्षीय और वैश्विक मुद्दों पर भी बातचीत हो सकती है। जयशंकर रविवार को वाशिंगटन डीसी पहुंच गए हैं। वह कैबिनेट के अन्य मंत्रियों और अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के प्रशासन के अन्य अधिकारियों से भी मुलाकात करेंगे।

जयशंकर 'थिंक-टैंक' समुदाय से भी बातचीत करेंगे। 'कार्नेगी एंडोमेंट फॉर इंटरनेशनल पीस' जयशंकर और इस 'थिंक टैंक' के अध्यक्ष मारियानो-फ्लोरेंटिनो (टिनो) क्यूएलर के बीच अमेरिका-भारत संबंधों के भविष्य पर चर्चा करेंगे।

थिंक टैंक' ने पीएम नरेन्द्र मोदी की 2023 की राजकीय यात्रा और बाइडन के साथ उनकी हालिया द्विपक्षीय बैठक का हवाला देते हुए कहा कि भारत का रणनीतिक महत्व वैश्विक स्तर पर और अमेरिकी विदेश नीति के निर्माण में बढ़ रहा है। तेजी से बदलते वैश्विक घटनाक्रम के बीच अमेरिका के साथ भारत के द्विपक्षीय संबंध और ज्यादा व्यापक हुए हैं।

पीएम मोदी के नेतृत्व में तीसरी बार सरकार बनने के बाद जयशंकर पहली बार वाशिंगटन डीसी पहुंचे हैं।

कई फीट गहरे गड्ढे में दबा नसरल्लाह का शव निकाला बाहर

बेरुत, 30 सितंबर (एजेंसियां)। इजरायली सेना लेबनान में लगातार हवाई हमले कर रही है। बीते दिनों हिजबुल्लाह चीफ हसन नसरल्लाह की मौत के बाद संगठन की कमर टूट गई। इजरायल ने बंकर में छिपे नसरल्लाह को निशाना बनाकर कई मिसाइलों से अटैक किया था। अब हिजबुल्लाह ने हसन नसरल्लाह का शव बेरूत के दक्षिण में दहिया से बरामद कर लिया है। शव निकालने का एक वीडियो सामने आया है। नसरल्लाह के शव का वीडियो लेबनान की एक टीवी न्यूज चैनल ने जारी किया है। सोशल मीडिया प्लेटफार्म 'एक्स' हैंडल पर जारी इस वीडियो में नसरल्लाह के शव को निकालते हुए दिखाया गया है। कुछ सेकंड के इस वीडियो में देखा जा सकता है कि कई फीट के गहरे गड्ढे से हिजबुल्लाह चीफ की बॉडी को निकाला जा रहा है। चारों ओर मलबा नजर आ रहा है। इस बीच इजरायली सेना ने दावा किया है कि बेरूत में अपने हमलों में उसने हसन नसरल्लाह के साथ हिजबुल्लाह के 20 से ज्यादा आतंकवादियों को मार गिराया है।

अमेरिका के स्कूलों में हिंसक घटनाएं बढीं, 45 राज्यों में 700 से अधिक स्कूली बच्चे गिरफ्तार

न्यूयॉर्क, 30 सितंबर (एजेंसियां)। अमेरिका की स्कूलों में हिंसक घटनाएं लगातार बढ़ती जा रही हैं। हाल ही में अपालेची हाई स्कूल शूटिंग के दौरान दो शिक्षकों और दो छात्रों की शूटिंग के दौरान मौत हो गई। अमेरिका की स्कूलों में आए दिन धमकियां दिए जाने की घटनाएं बढ़ती जा रही हैं। अमेरिका की पुलिस ने पिछले तीन सप्ताह में 45 राज्यों में 700 से अधिक स्कूली छात्रों को हिंसा के आरोप में गिरफ्तार किया है। जो छात्र गिरफ्तार किए गए हैं। उसमें 10 साल से लेकर 18 साल तक के छात्र शामिल हैं। अमेरिका के कुछ स्कूलों में गन फायर और बम फेंकने की घटनाएं हुई है। हिंसा से संबंधित धमकियां भी दी जाती हैं। सोशल मीडिया के माध्यम से जब यह धमकी दी जाती है। उसके बाद वहां पर भय का वातावरण बन जाता है। अमेरिका में माता-पिता अपने बच्चों को स्कूल भेजने से डरने लगे हैं। इस स्थिति को देखते हुए कई स्कूलों ने अपने यहां पर डांस और रात्रि के खेल मैच बंद कर दिये है। अमेरिका में शाम के बाद अब स्कूलों में कोई आयोजन नहीं किये जा रहे हैं। अमेरिका में छोटे-छोटे से बच्चों के बीच में जिस तरह से हिंसा फैल रही है। उसने अमेरिका सरकार की चिंता बढ़ा दी है। सोशल मीडिया और इंटरनेट इसका सबसे बड़ा कारण बताया जा रहा है। इसके कारण बच्चे कम उम्र में हिंसक होते चले जा रहे हैं।

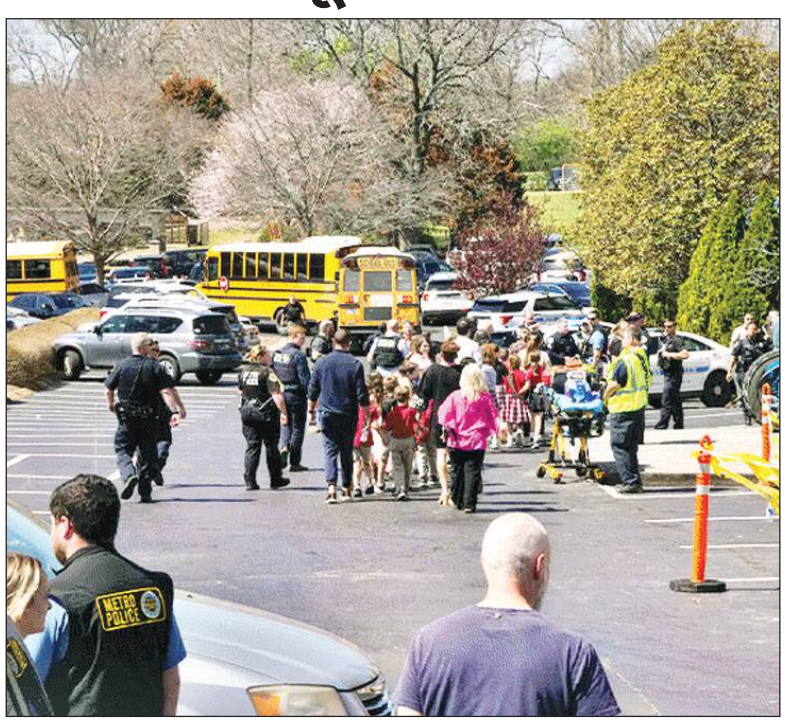

राष्ट्रपति चुनाव में ट्रंप नहीं जीते तो यह अमेरिका का आखिरी चुनावः एलन मस्क

वाशिंगटन , 30 सितंबर (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव को लेकर सियासी गरमाने लगी है। खास बात यह है कि अब अमेरिकी सियासत में भारत की तरह चुनावी आरोप-प्रत्यारोप देखने को मिल रहे हैं। टेस्ला के मालिक एलन मस्क खुलकर डोनाल्ड ट्रंप के समर्थन में हैं। उन्होंने दावा किया है कि अगर ट्रंप नहीं जीते तो यह अमेरिका का आखिरी चुनाव होगा और इसके बाद देश में लोकतंत्र खतरे में पड़ जाएगा।

सोशल मीडिया एक्स पर एक यूजर को जवाब देते हुए मस्क ने यह बयान दिया। उन्होंने कहा कि ट्रंप को सत्ता में लाना ही लोकतंत्र को बचाने का एकमात्र तरीका है। मस्क ने आरोप लगाया कि जो बाइडेन की सरकार अवैध प्रवासियों को अमेरिकी नागरिकता देकर स्विंग स्टेट्स में चुनाव जीतने की कोशिश कर रही है।

मस्क के मुताबिक अगर यह प्रक्रिया जारी रहती है, तो अमेरिका एक दलीय राज्य बन जाएगा और लोकतांत्रिक प्रक्रिया खत्म हो जाएगी।

मस्क ने बाइडेन प्रशासन पर आरोप लगाते हुए कहा कि शरण चाहने वालों को स्विंग स्टेट्स जैसे पेन्सिलवेनिया, ओहायो, विस्कॉन्सिन और एरिजोना में भेजा जा रहा है। यह हर चुनाव जीतने की एक निश्चित रणनीति है, जिससे अमेरिका एक पार्टी के नियंत्रण में आ जाएगा और लोकतंत्र का अंत हो जाएगा।

एलन मस्क ने इसके साथ ही 1986 में कैलिफोर्निया के आम माफी का जिक्र करते हुए कहा कि कैसे उस समय भी बड़े पैमाने पर प्रवासियों को वैध मतदाता बनाकर डेमोक्रेटिक पार्टी ने जीत हासिल की थी। मस्क ने चेतावनी दी कि अगर यह प्रवृत्ति जारी रही, तो अमेरिका की हर जगह स्थिति वैसी ही हो जाएगी जैसी सैन फ्रांसिस्को में है, जो अत्यधिक समाजवादी नीतियों के लिए जाना जाता है। मस्क ट्रंप के मुखर समर्थक रहे हैं और इससे पहले भी ट्रंप के समर्थन में अपनी राय दे चुके हैं।

अमेरिका में छात्रों को नहीं मिल रहा पर्याप्त भोजन

वाशिंगटन । हाल ही में गवर्नमेंट अकाउंटेबिलिटी ऑफिस (जीएओ) द्वारा किए गए एक अध्ययन में यह बात निकलकर सामने आई कि अमेरिका में कॉलेज के कई छात्रों को भरपेट भोजन ही नसीब नहीं हो रहा है। साल 2020 में, लगभग 38 लाख छात्रों ने भोजन कमी की जानकारी दी थी, जिनमें से आधे से अधिक का कहना था कि पैसे की कमी के चलते उन्हें भोजन की समस्या से दो-चार होना पड़ता है। छात्रों को अपर्याप्त भोजन की समस्या ने पिछले कुछ दशकों में गंभीर रूप ले लिया है। अध्ययन से हुए खुलासे के अनुसार कॉलेजों में कम आमदनी वाले परिवारों के छात्रों की संख्या बढ़ रही है। कॉलेज में एडमिशन, फीस, आवास और अन्य जीवन-यापन के खर्चों में बढ़ोतरी ने स्थिति को और अधिक चुनौतीपूर्ण बना दिया है। शोध से यह भी पता चला है कि भोजन की कमी के कारण छात्रों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है और उनके कॉलेज पास करने की दर भी घट रही है। हालांकि, सरकारी सप्लीमेंट्री न्यूट्रिशन एसिस्टेंस प्रोग्राम (स्नैप) के तहत कम आय वाले परिवारों को भोजन के लिए सहायता प्रदान की जाती है। यहां गंभीर मामला यह है कि स्नैप सहायता के लिए 45 लाख छात्रों ने पात्रता मापदंड पूरा किया, लेकिन केवल 33 लाख छात्रों ने ही आवश्यक शर्तों को पूरा किया। इसके बावजूद, दो-तिहाई छात्रों ने बताया कि वे पात्र होने के बावजूद स्नैप की मदद से वंचित रह गए हैं। स्नैप के तहत औसतन 80 फीसदी पात्र परिवारों को मदद मिलनी चाहिए थी, लेकिन केवल 30 फीसदी छात्रों को यह सहायता प्राप्त हो सकी।

स्पोर्ट्स से स्टूडेंट्स में नेतृत्व क्षमता का विकास : वीसी

मुरादाबाद, 30 सितंबर (एजेंसियां)।

तीर्थंकर महावीर यूनिवर्सिटी मुरादाबाद में कॉलेज आफ फिजिकल एजुकेशन की ओर से ग्रासरूट नर्चरिंग प्रोग्राम के तहत इंडोर स्पोर्ट्स स्टेडियम में चल रही टीएमयू इंटर स्कूल बैडमिंटन चैंपियनशिप-2024 का सोमवार को समापन हुआ।

चैम्पियनशिप में स्प्रिंगफील्ड के ताशु, एसएस एकेडमी की अवनी, गोल्डन गेट की नव्या, अनाया, निर्वाण और अनंत को गोल्ड मेडल से नवाजा गया। इंटर स्कूल बैडमिंटन चैंपियनशिप-2024 के समापन पर बतौर मुख्य अतिथि टीएमयू के कुलपति प्रो. वीके जैन ने कहा कि खेलों से स्टुडेंट्स में नेतृत्व क्षमता का विकास होता है। खेल हमें सामाजिकता सिखाते हैं। साथ ही हमारे

स्प्रिंगफील्ड के ताशु, एसएस एकेडमी की अवनी, गोल्डन गेट की नव्या, अनाया, निर्वाण और अनंत को मिला गोल्ड मेडल

व्यक्तित्व में भी निखार आता है।

टीएमयू इंटर स्कूल बैडमिंटन चौंपियनशिप में ब्वायज़ सिंगल्स में स्प्रिंगफील्ड कॉलेज, मुरादाबाद के ताशु अव्वल रहे। गोल्डन गेट ग्लोबल पब्लिक स्कूल-मुरादाबाद के अनंत दूसरे, जबकि गांधी नगर पब्लिक स्कूल, मुरादाबाद के लक्ष्य तीसरे स्थान पर रहे। गर्ल्स सिंगल्स के फाइनल में एसएस चिल्ड्रन एकेडमी-मुरादाबाद की अवनी सिंह विजेता रहीं।

पीएमएस स्कूल मुरादाबाद की अक्षिता गुप्ता दूसरे और गोल्डन गेट ग्लोबल पब्लिक स्कूल की निम्रित गुप्ता तीसरे स्थान पर रहीं। स्प्रिंगफील्ड के ताशु ने गोल्डन गेट के अनंत को 2, एसएस एकेडमी की अवनि ने पीएमएस की अक्षिता को 2 से मात दी।

गर्ल्स डबल्स के फाइनल में गोल्डन गेट ग्लोबल पब्लिक स्कूल की नव्या यादव और अनाया गुप्ता विजेता रहीं। शिर्डी साईं पब्लिक स्कूल- मुरादाबाद विंग सेकेंड की वृंदा शारदा और वृंदा शर्मा ने दूसरा तो एसएस चिल्ड्रन एकेडमी-मुरादाबाद की अवनि सिंह और यति ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। गोल्डन गेट की नव्या और अनाया ने शिर्डी साईं विंग सेकेंड की वृंदा शारदा और वृंदा शर्मा को 02 एवम् एसएस चिल्ड्रन की अवनि और यति ने समृद्धि और तनिष्का को 2 से पराजित किया।

दूसरी ओर ब्वायज़ डबल्स के फाइनल में गोल्डन गेट ग्लोबल पब्लिक स्कूल के निर्वाण और अनंत अव्वल रहे। स्प्रिंगफील्ड कालेज के ताशु और श्रेयश दूसरे, जबकि गांधी नगर पब्लिक स्कूल-मुरादाबाद के लक्ष्य और दिव्यांश तीसरे स्थान पर रहे। गोल्डन गेट के निर्वाण और अनंत ने स्प्रिंगफील्ड के ताशु और श्रेयश को 02 से मात दी। गांधी नगर पब्लिक स्कूल लक्ष्य और दिव्यांश ने नोबल पब्लिक स्कूल के आदित्य और पारस को 02 से पराजित किया।

न्यूज ब्रीफ

सीपीएल 2024: ब्रायन चार्ल्स ने टीकेआर में ड्वेन ब्रावो की जगह ली

नई दिल्ली। ट्रिनबागो नाइट राइडर्स (टीकेआर) ने कैरेबियन प्रीमियर लीग (सीपीएल 2024) के बाकी मैचों के लिए ड्वेन ब्रावो की जगह स्थानीय ऑफ स्पिनर ब्रायन चार्ल्स को अनुबंधित किया है। ब्रावो ने गुरुवार को सभी क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की थी, क्योंकि कमर में चोट के कारण सीपीएल 2024 में उनका कार्यकाल बीच में ही समाप्त हो गया था। ब्रावो को यह चोट तब लगी थी, जब उन्होंने तारौबा में सातवें ओवर में किंग्स के कप्तान फाफ डु प्लेसिस का कैच लेने का प्रयास किया था। 29 वर्षीय चार्ल्स घरेलू क्रिकेट में त्रिनिदाद और टोबैगो के लिए खेलते हैं, लेकिन अभी तक आधिकारिक तौर पर टी20 नहीं खेले हैं। उन्हें अपने लाल गेंद के कौशल के लिए जाना जाता है, हाल ही में उन्हें इस साल की शुरुआत में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू टेस्ट सीरीज के लिए वेस्टइंडीज की टेस्ट टीम में शामिल किया गया था। चार्ल्स वेस्टइंडीज चार दिवसीय चैंपियनशिप में त्रिनिदाद और टोबैगो के लिए सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज भी थे, उन्होंने सात मैचों में 17 की औसत से 31 विकेट लिए। इस टैली में अप्रैल में किंग्स्टन में जमैका के खिलाफ़ करियर का सर्वश्रेष्ठ 13 विकेट शामिल था। चार्ल्स संभावित रूप से सुनील नरेन के कवर के रूप में काम कर सकते हैं, जो क्वाड शिकायत के कारण टीकेआर के पिछले तीन मैचों से बाहर हैं। नरेन की चोट के कारण अनुपस्थिति में, कीरोन पोलार्ड ने शुक्रवार को बारबाडोस रॉयल्स के खिलाफ़ टीकेआर के सीज़न के आखिरी घरेलू मैच में सूखी नई गेंद से टिम डेविड को ऑफ़ स्पिन गेंदबाजी कराई। रॉयल के शीर्ष छह में तीन बाएं हाथ के खिलाड़ियों के साथ टीकेआर संभावित रूप से एलिमिनेटर में फिर से रॉयल्स से भिड़ सकता है - अगर नरेन अभी भी प्लेऑफ़ के लिए अनफ़िट हैं, तो चार्ल्स के चयन के लिए दावेदारी में आने की संभावना है।

श्रीलंकाई कप्तान धनंजय डी सिल्वा ने डब्ल्यूटीसी फाइनल की संभावनाओं को नकारा

गाले। श्रीलंका न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू मैदान पर 2-0 की शानदार जीत के बाद विश्व टेस्ट

चैंपियनशिप 2023-25 की तालिका में भारत और ऑस्ट्रेलिया के बाद तीसरे स्थान पर पहुंच गया है, श्रीलंका को इस चक्र में चार टेस्ट और खेलने हैं, जिनमें दो दक्षिण अफ्रीका में और दो ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू मैदान पर हैं। श्रीलंका ने अब लगातार तीन टेस्ट जीते हैं, जिसकी शुरुआत इस महीने की शुरुआत में ओवल में इंग्लैंड के खिलाफ यादगार जीत से हुई थी। इसके बाद वे न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू मैदान पर दो मैचों की सीरीज जीती, श्रीलंकाई टीम ने पहला मैच 63 रन से और दूसरा मैच एक पारी और 154 रन से जीता। धनंजय ने मैच के बाद टेस्ट फाइनल में पहुंचने की दौड़ में शामिल होने के बारे में पूछे जाने पर कहा, हम केवल एक मैच से दूसरे मैच तक ही सीमित रह गए हैं। अगर आप बहुत आगे की ओर देखते हैं तो आप तत्काल महत्वपूर्ण चीजों को मिस कर सकते हैं। यह वही है जो मैं हमेशा युवा खिलाड़ियों से कहता हूं, अगर आप एक मैच से दूसरे मैच तक वही करते हैं जो जरूरी है, तो अंक तालिका में जो होना चाहिए वह खुद ही हो जाएगा। हालांकि, श्रीलंका के कप्तान को गर्व है कि उन्होंने टीम को आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में 5वें स्थान पर पहुंचा दिया है। धनंजय ने कहा, मैं छह साल से टीम का हिस्सा हूं और हम हमेशा रैंकिंग में ऊपर आना चाहते थे, लेकिन हमने कोशिश की और असफल रहे।

जूनियर विश्व चैंपियनशिप में भारतीय निशानेबाज पर लगा जुर्माना

पेरु। भारतीय निशानेबाज उमेश चौधरी पर आईएसएसएफ जूनियर निशानेबाजी चैंपियनशिप में तय समय से देरी से पहुंचने के कारण जुर्माना लगाया गया है। इससे उमेश के हाथ से स्वर्ण पदक निकल गया। उमेश 10 मीटर एयर पिस्टल फाइनल के लिए अभ्यास क्षेत्र में देर से पहुंचे थे। इस कारण उनपर दो अंक का जुर्माना लगाया गया जिससे वह पदक हासिल नहीं कर पाये। अंतरराष्ट्रीय निशानेबाजी महासंघ (आईएसएसएफ) ने इस भारतीय निशानेबाज पर नियम 6.17.1.3 के उल्लंघन का आरोप लगाते हुए दो अंकों का जुर्माना भी लगाया है। चौधरी को फाइनल में अपने पहले शॉट पर दो अंक कटने के बाद 7.4 अंक ही मिल पाये। वह क्वालिफिकेशन दौर में 580 के स्कोर के साथ तीसरे स्थान पर रहे थे और अगर उन पर दो अंक का जुर्माना नहीं लगाया गया होता, तो वह फाइनल में स्वर्ण पदक हासिल कर सकते थे। जुर्माना लगाए जाने के कारण वह छठे स्थान पर फिसल गये। ये पहला मामला नहीं है जब किसी भारतीय निशानेबाज पर जुर्माना लगा है। इससे पहले साल 2021 में क्रोएशियाई निशानेबाज ओसिजेक पर आईएसएसएफ विश्व कप में दो अंक का जुर्माना लगाया गया था।

महिला टी20 विश्व कप

भारत ने अभ्यास मैच में वेस्टइंडीज को हराया ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड ने दर्ज की जीत

नई दिल्ली, 30 सितंबर (एजेंसियां)।

जेमिमा रोड्रिग्स के शानदार अर्धशतक और गेंदबाजों के बेहतरीन प्रदर्शन की बदौलत भारत ने रविवार को दुबई के आईसीसीए 2 ग्राउंड पर आईसीसी महिला टी20 विश्व कप 2024 के अभ्यास मैच में वेस्टइंडीज को 20 रन से हरा दिया। बल्लेबाजी के लिए बुलाए जाने के बाद, भारतीय टीम मुश्किल में पड़ गई, जब शैफाली वर्मा, हरमनप्रीत कौर और स्मृति मंधाना जल्दी आउट हो गईं।

हेली मैथ्यूज (4/17) ने शुरुआत में ही दो विकेट लेकर भारत को मुश्किल में डाल दिया। भारतीय टीम केवल 23 रन पर 3 विकेट गंवाकर संघर्ष कर रही थी। लेकिन यहां से जेमिमा और यास्तिका भाटिया (24) ने 50 रन जोड़कर भारत को मैच में वापसी दिलाई। मैथ्यूज ने यास्तिका को आउट कर यह साझेदारी तोड़ी।

जेमिमा ने एक तरफ से भारतीय पारी के संभाले रखा और अंततः 52 रन की अर्धशतकीय पारी खेलकर आउट हुईं। भारतीय टीम ने 20 ओवरों में 8 विकेट 141 रन बनाए।

जवाब में विंडीज की शुरुआत बेहद खराब रही, 13 रन पर तीन विकेट गिर गए, जिसमें मैथ्यूज (पांच गेंदों पर शून्य रन) का विकेट भी शामिल था।

इसके बाद शेमेन कैम्पबेल (20) और चिनेल हेनरी (नाबाद 59) ने चौथे विकेट के लिए 57 रन जोड़े। लेकिन कैम्पबेल के आउट होने के बाद, दीप्ति शर्मा (2/11) ने एक ओवर में दो विकेट लेकर शानदार प्रदर्शन किया और विंडीज की टीम 20 ओवर में आठ विकेट पर 121 रन ही बना सकी।

ऑस्ट्रेलियाई टीम ने किया शानदार प्रदर्शन

ऑस्ट्रेलिया ने अभ्यास मैच में इंग्लैंड को हराकर शानदार शुरुआत की। पहले बल्लेबाजी करने उतरी ऑस्ट्रेलियाई टीम ने 20 ओवर में छह विकेट पर 162 रन बनाए, जिसमें बेथ मूनी (50) ने उन्हें बेहतरीन शुरुआत दी। उन्हें अर्धशतक बनाने के लिए सिर्फ 30 गेंदों की जरूरत थी और एलिसा हीली (12) और एलीस पेरी (7) कुछ खास नहीं कर सकीं।

मूनी और एश्ले गार्डनर (21) के बीच 50 रनों की साझेदारी को चार्ली डीन (1/16) ने तोड़ा, लेकिन ताहलिया मैकग्राथ (31) और जॉर्जिया वेयरहम (नाबाद 18) ने तेजी से रन बनाकर ऑस्ट्रेलिया को प्रतिस्पर्धी स्कोर तक पहुंचाया। इंग्लैंड की गेंदबाजों में लॉरेन बेल ने 29 रन देकर दो विकेट चटकाए।

इंग्लैंड ने लक्ष्य का पीछा करते हुए अच्छी शुरुआत की। माया बाउचियर ने 17 रन की तेज पारी खेली, हालांकि वह बड़ा स्कोर बना पातीं, इससे पहले वह डार्सी ब्राउन का शिकार बनीं। इसके बाद एलिस कैप्सी क्रीज पर आईं और उन्होंने महज 34 गेंदों पर 40 रन बनाकर प्रभावित किया।

हालांकि, नियमित अंतराल पर विकेट गिरने के कारण उन्हें ज्यादा समर्थन नहीं मिला। मैकग्राथ ने महत्वपूर्ण नेट साइवर-ब्रंट को आउट करके 18 रन देकर तीन विकेट चटकाए। इंग्लैंड की टीम 19.4 ओवरों में 129 रन पर सिमट गई।

न्यूजीलैंड ने दक्षिण अफ्रीका को हराया

लेघ कास्पेरेक और अमेलिया केर के तीन-तीन विकेटों की बदौलत न्यूजीलैंड ने पिछले साल के विश्व कप उपविजेता दक्षिण अफ्रीका को आठ विकेट से हराया।

दक्षिण अफ्रीका की टीम 20 ओवर में सिर्फ 92 रन पर आउट हो गई, हालाँकि उन्होंने अपने पूरे 20 ओवर खेले। कीवी गेंदबाज एडेन कार्सन ने सिर्फ़ दूसरी गेंद पर टैमज़िन ब्रिट्स को आउट किया और अपने चार ओवरों में 21 रन देकर दो विकेट लिए।

दक्षिण अफ्रीका के लिए लॉरा वोल्वार्ड्ट ने सर्वाधिक 33 रन बनाए। उन्हें कास्पेरेक (3/7) ने आउट किया। दूसरे छोर से, केर (3/13) भी उतनी ही सटीक रहीं, दोनों ने मिलकर आठ ओवर किए, छह विकेट लिए और सिर्फ़ 20 रन दिए।

न्यूजीलैंड के लिए यह लक्ष्य हासिल करना औपचारिकता मात्र था, सुजी बेट्स 17 रन बनाकर आउट हो गईं, उसके बाद केर और कप्तान सोफी डिवाइन ने दूसरे विकेट के लिए 36 रन जोड़े। केर अंततः 37 रन बनाकर आउट हो गईं, डिवाइन 35 रन बनाकर नाबाद रहीं और उन्होंने और ब्रुक हैलीडे ने न्यूजीलैंड को जीत दिलाई।

समित द्रविड़ के ऑस्ट्रेलियाई अंडर-19 टीम के खिलाफ चार दिवसीय मैच में खेलने पर संदेह

नई दिल्ली, 30 सितंबर (एजेंसियां)।

ऑलराउंडर समित द्रविड़, जिन्हें पुडुचेरी में ऑस्ट्रेलिया अंडर-19 के खिलाफ़ तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला से बाहर रखा गया था, घुटने की चोट से उबर नहीं पाए हैं और संभवतः चेन्नई में होने वाले आगामी चार दिवसीय मैचों से भी चूक जाएँगे। भारत अंडर-19 के कोच ऋषिकेश कानितकर ने चेपक में ऑस्ट्रेलिया अंडर-19 के खिलाफ पहले चार दिवसीय मैच की पूर्व संध्या पर रविवार को कहा, अभी वह एनसीए में हैं और अपने घुटने की चोट से उबर रहे हैं। इसलिए मुझे अभी तक पता नहीं है। ऐसा लगता नहीं है कि ऐसा होगा। पूर्व भारतीय कप्तान और कोच राहुल द्रविड़ के बेटे समित को महाराजा टी-20 ट्रॉफी में खेलने के बाद भारत की अंडर-19 टीम में पहली बार शामिल किया गया था, जहां उन्होंने मैसूर वॉरियर्स के लिए खेला था, और कूच बिहार ट्रॉफी में भी उन्होंने हिस्सा लिया था, जिसे कर्नाटक ने जीता था।

हालांकि, अब 18 साल के हो चुके समित 2026 में होने वाले अगले अंडर-19 विश्व कप के लिए पात्र नहीं होंगे। आईसीसी के नियमों के अनुसार, कोई भी खिलाड़ी जो अंडर-19 विश्व कप में खेलने के लिए पात्र है, उसकी आयु 31 अगस्त, 2025 तक 19 वर्ष से कम होनी चाहिए। लेकिन समित 11 अक्टूबर को 19 वर्ष के हो जाएंगे और इसलिए वे 2026 अंडर-19 विश्व कप के लिए पात्रता मानदंडों को पूरा नहीं कर पाएंगे।भारत के पूर्व बल्लेबाज और एनसीए प्रमुख वीवीएस लक्ष्मण ने कहा है कि वे 2026 टी20 विश्व कप के लिए प्रतिभा पूल का चयन करने के बजाय खिलाड़ियों को आगे बढ़ने का मौका देने को प्राथमिकता दे रहे हैं। लक्ष्मण ने बेंगलुरू में नए अत्याधुनिक राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी के उद्घाटन के अवसर पर कहा, अब हम ऑस्ट्रेलिया अंडर-19 के खिलाफ सीरीज खेल रहे हैं और सौभाग्य से बहुत से खिलाड़ी जो अगले विश्व कप से बाहर हो सकते हैं, वे इस सीरीज का हिस्सा हैं। इसलिए कुल मिलाकर उन्हें अनुभव प्राप्त है और वे केवल विश्व कप तक ही सीमित या विवश नहीं हैं। हम चाहते हैं कि वे क्रिकेटर के रूप में विकसित हों और सिर्फ इसलिए कि किसी ने भारत अंडर-19 खेला है या किसी ने भारत अंडर-19 नहीं खेला है।

आईएसएल 2024-25 सीज़न की खराब शुरुआत के बाद कार्ल्स कुआड्रात ने ईस्ट बंगाल के मुख्य कोच पद से दिया इस्तीफा

नई दिल्ली, 30 सितंबर (एजेंसियां)।

कार्ल्स कुआड्रात ने ईस्ट बंगाल के मुख्य कोच पद से इस्तीफा दे दिया, क्लब ने सोमवार को एक आधिकारिक बयान में इसकी घोषणा की। बिनो जॉर्ज अंतरिम मुख्य कोच के रूप में काम करेंगे, ईस्ट बंगाल स्थायी मुख्य कोच के रूप में स्पैनियार्ड की जगह लेने के लिए किसी की तलाश कर रहे हैं।

क्लब ने कहा कि वह उचित समय पर और घोषणाएँ करेगा। कुआड्रात ने इस साल की शुरुआत में जनवरी में रेड एंड गोल्ड ब्रिगेड को सुपर कप खिताब दिलाकर ईस्ट बंगाल के 12 साल के खिताबी सूखे को खत्म किया था। उन्होंने पिछले साल के डूरंड कप में भी टीम को उपविजेता बनाया था।

ईस्ट बंगाल ने अपने इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2024-25 सीज़न की शुरुआत बेंगलुरु एफसी, केरला ब्लास्टर्स और एफसी गोवा के खिलाफ लगातार तीन हार के साथ की थी। यह 2020-21 में अपने उद्घाटन सत्र के बाद से आईएसएल अभियान में रेड एंड गोल्ड्स की सबसे खराब शुरुआत है, जहां यह नौवें स्थान पर रहा। ईस्ट बंगाल की एफसी गोवा के खिलाफ आखिरी हार के बाद, जो एक घरेलू मैच में हुई थी, साल्ट लेक स्टेडियम के स्टैंड से स्पेनिश रणनीतिज्ञ के लिए गो बैक कार्ल्स! के जोरदार नारे लगाए गए थे।

राजस्थान पुलिस ने जीती 51वीं अखिल भारतीय ग्रीष्मकालीन फुटबॉल प्रतियोगिता

नई दिल्ली, 30 सितंबर (एजेंसियां)।

मंडी के ऐतिहासिक पडुल मैदान में खेली गई 51 वीं अखिल भारतीय ग्रीष्मकालीन फुटबॉल प्रतियोगिता का खिताब राजस्थान पुलिस ने हासिल किया। रविवार को खेले गए फाइनल मुकाबले में राजस्थान की टीम ने फुटबाल क्लब मंडी को 3-1 गोल से हराया। मैच बेहद रोमांचक रहा और मंडी की टीम ने भी जोरदार मुकाबला खेला। राजस्थान पुलिस की के इमरान ने खेल के 5वें मिंट में ही गोल करके स्कोर 1 गोल से बढ़त हासिल कर ली। मैच का दूसरा गोल राजस्थान पुलिस की ओर से खेल के 33 वें मिंट में दूसरा गोल करके अपनी टीम को 2-0 से आगे कर दिया मगर कुछ ही देर बाद खेल के 36 वें मिंट में फुटबाल क्लब के राहुल ने गोल दाग कर इस अंतर को कम करके 2-1 कर दिया। मध्यांतर तक यही स्कोर बना रहा।

खेल के अंतिम क्षणों में 87 वें मिंट में राजस्थान पुलिस के युवराज ने गोल करके अपनी टीम को 3-1 से अजेय बढ़त दिला दी जो अंत तक कायम रही। फुटबाल क्लब मंडी के गोलकीपर राहत बाधवा ने अच्छे खेल का प्रदर्शन करते हुए राजस्थान पुलिस के कई आक्रमण असफल करके गोल बचाए।

पुलिस अधीक्षक मंडी साक्षी वर्मा ने विजेता उपविजेता टीमों को ट्राफी, मेडल व पुरस्कार वितरित किए। उन्होंने खिलाड़ियों से परिचय भी प्राप्त किया। आयोजकों ने पुलिस अधीक्षक साक्षी वर्मा को स्मृति चिह्न प्रदान किए। उन्होंने इस मौके पर आयोजकों की सराहना करते हुए कहा कि पिछले 51 सालों से यह आयोजन हो रहा है जिसमें पूरे देश से टीमें आकर खेलती हैं। यह हिमाचल प्रदेश व मंडी के लिए गौरव की बात है।

140 ओलंपिक और पैरालंपिक एथलीट एक साथ एक मंच पर आए, मनाया खेल की एकीकृत शक्ति का जश्न

मुंबई, 30 सितंबर (एजेंसियां)।

नीता अंबानी के नेतृत्व में रिलायंस फाउंडेशन ने रविवार शाम को 'यूनाइटेड इन ट्रायम्फ' कार्यक्रम की मेजबानी की। यह कार्यक्रम नीता अंबानी के निवास-स्थान, मुंबई के एंटीलिया में आयोजित किया गया।कार्यक्रम में नीता अंबानी ने कहा: यह वास्तव में ऐतिहासिक क्षण है। पिछले दो महीनों में, हमारे ओलंपियन और पैरालंपियन गर्व से दुनिया भर में तिरंगा फहरा रहे हैं! पहली बार, वे सभी एक ही छत के नीचे हैं। पहली बार 140 से ज़्यादा ओलंपिक और पैरालंपिक एथलीट एक ही मंच पर एक साथ आए हैं। जीत में एकजुट, जश्न में एकजुट और खेल की समावेशी भावना में एकजुट। श्रीमती अंबानी ने 'खेलों के कायाकल्प करने की ताकत' के बारे में भी बात की। उन्होंने ओलंपिक में भारत की महिला एथलीटों के योगदान की सराहना करते हुए कहा, उनकी सफलताएँ और भी खास हैं क्योंकि पेशेवर खेल को आगे बढ़ाने में महिलाओं को कई तरह की कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। सिर्फ़ आर्थिक चुनौतियाँ ही नहीं, बल्कि अपने परिवार से अनुमति लेना, या प्रशिक्षण के लिए सुविधाएँ ढूँढना, फिजियो और पुनर्वास केंद्रों तक पहुँचना, यहां तक की कोच तक पहुँचने के लिए भी उन्हें अपने गाँव से दूर जाना पड़ता है। लड़कियों के लिए खेलों में पहचान बनाना एक लंबी और कठिन यात्रा है। इसके बावजूद, हमारी महिला एथलीट्स सफलता के शिखर पर पहुँच गई हैं। वे एक मज़बूत संदेश दे रही हैं - एक संदेश कि वे अजेय हैं और उनके लिए कुछ भी असंभव नहीं है! वहीं, आकाश अंबानी ने खिलाड़ियों

की उपस्थिति के लिए उनका धन्यवाद करते हुए कहा, पूरे रिलायंस परिवार की ओर से आपका धन्यवाद। मैं अपनी माँ नीता अंबानी को भी, इस शाम के लिए धन्यवाद देना चाहूँगा। रिलायंस फ़ाउंडेशन में होने वाले हर काम की तरह, 'यूनाइटेड इन ट्रायम्फ, भी उन्हीं के विज़न का परिणाम है। विभिन्न खेल क्षेत्रों से आए एथलीटों को उनकी कड़ी मेहनत, जुनून और ओलंपिक और पैरालिंपिक दोनों में भारत को वैश्विक स्तर पर आगे ले जाने के लिए सम्मानित किया गया। उपस्थित लोगों में नीरज चोपड़ा, मनु भाकर और भारत के पहले पैरालिंपिक स्वर्ण पदक विजेता मुरलीकांत पेटकर जैसे ओलंपिक और पैरालिंपिक पदक विजेता शामिल थे। दो पैरालिंपिक स्वर्ण पदक जीतने वाले पहले भारतीय और भारतीय पैरालिंपिक समिति के अध्यक्ष देवेंद्र झाझरिया भी कार्यक्रम में मौजूद थे। साथ ही सुमित अंतिल, नितेश कुमार, हरविंदर सिंह, धर्मबीर नैन, नवदीप सिंह और प्रवीण कुमार ने भी अपनी मौजूदगी दर्ज कराई। इन सभी ने पेरिस 2024 पैरालिंपिक खेलों में स्वर्ण पदक जीता था। इस कार्यक्रम में प्रीति पाल, मोना अग्रवाल, सिमरन शर्मा, दीप्ति जीवनजी और सरबजोत सिंह, स्वप्निल कुसाले और अमन सेहरावत जैसे ओलंपियन सहित कई अन्य दिग्गज एथलीट भी शामिल हुए। भारतीय पुरुष हॉकी टीम का प्रतिनिधित्व कप्तान हरमनप्रीत सिंह और पीआर श्रीजेश ने किया, जो पेरिस में पदक जीतने वाली टीम के सदस्य थे। ओलंपिक पदक विजेता लवलीना बोरगोहेन और 14 साल की उम्र में भारत के दल के सबसे कम उम्र के सदस्य धीनिधि देसिंघु भी मौजूद रहे। उनकी उपलब्धियों ने न केवल देश को गौरव दिलाया, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को खेलों में उत्कृष्टता हासिल करने के लिए प्रेरित किया है। समारोह में दीपा मलिक, सानिया मिर्जा, कर्णम मल्लेश्वरी और पुलेला गोपीचंद जैसे स्पोर्ट्स दिग्गज भी शामिल हुए, जिन्होंने अपनी उपलब्धियों और उत्कृष्टता से अनगिनत युवाओं को प्रेरित किया है। बॉलीवुड सुपरस्टार रणवीर सिंह और कार्तिक आर्यन, जिन्होंने 83 और चंदू चैंपियन जैसी खेल-केंद्रित फिल्मों में अभिनय किया, वे भी भारत के खेल नायकों के प्रति अपना समर्थन दिखाने और उनका उत्साहवर्धन करने के लिए इस कार्यक्रम में उपस्थित रहे। देवेंद्र झाझरिया, सुमित अंतिल और भारतीय पैरालंपिक समिति के मुख्य प्रशिक्षक-सत्यनारायण ने समानता और एकता के प्रतीक पेरिस 2024 पैरालंपिक्स की मशाल श्रीमती नीता अंबानी को भेंट की।

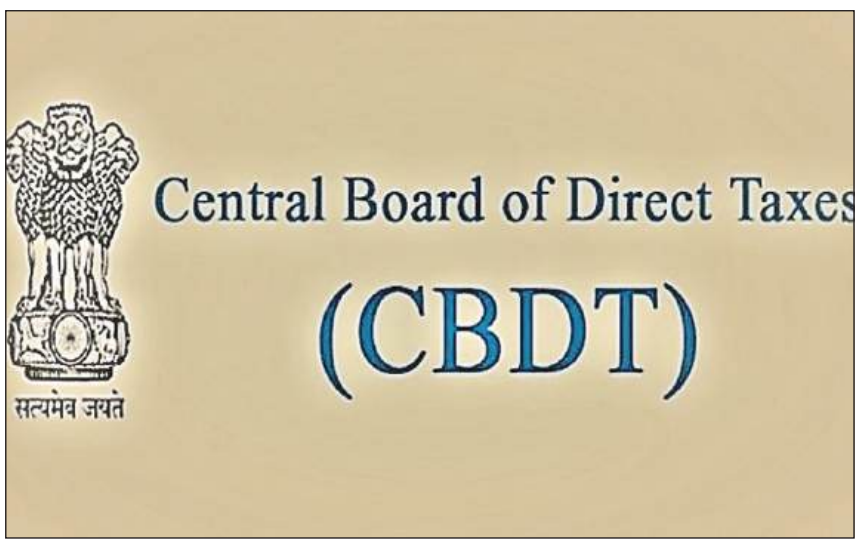

सीबीडीटी ने ऑडिट रिपोर्ट दाखिल करने की समय-सीमा 7 अक्टूबर तक बढ़ाई

नई दिल्ली, 30 सितंबर (एजेंसियां)।

आयकर विभाग ने वित्त वर्ष 2023-24 के लिए ऑडिट रिपोर्ट दाखिल करने की समय-सीमा बढ़ा दी है। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) की ओर से जारी अधिसूचना में विभिन्न ऑडिट रिपोर्ट दाखिल करने की तारीख 30 सितंबर से बढ़ाकर सात अक्टूबर कर दिया गया है।

ऑडिट रिपोर्ट दाखिल करने की तारीख 30 सितंबर से बढ़ाकर 7 अक्टूबर किया

सीबीडीटी की ओर से रविवार को जारी एक अधिसूचना के मुताबिक वित्त वर्ष 2023-24 के लिए विभिन्न ऑडिट रिपोर्ट दाखिल करने की तारीख बढ़ा दी गई है। परिपत्र के अनुसार इन रिपोर्टों को दाखिल करने की समय-सीमा 30 सितंबर से बढ़ाकर 7 अक्टूबर, 2024 कर दी गई है।

आयकर विभाग ने जारी बयान में कहा है कि आयकर अधिनियम के तहत विभिन्न ऑडिट रिपोर्ट को इलेक्ट्रॉनिक दाखिल करने में करदाताओं के समक्ष आ रही कठिनाइयों को देखते हुए सीबीडीटी ने ऑडिट रिपोर्ट दाखिल करने की तारीख बढ़ाई है। आयकर विभाग ने करदाताओं को सलाह दी है कि वे इस विस्तारित समय-सीमा का अधिकतम लाभ उठाएं और नई नियत तारीख 7 अक्टूबर, 2024 तक अपनी ऑडिट रिपोर्ट को जमा करना सुनिश्चित करें।

न्यूज ब्रीफ

अशनीर ग्रोवर भारतपे से नहीं जुड़ेंगे : कंपनी

नई दिल्ली । वित्तीय प्रौद्योगिकी कंपनी भारतपे ने सोमवार को कहा कि उसके पूर्व सह-संस्थापक अशनीर ग्रोवर किसी भी रूप में कंपनी से नहीं जुड़ेंगे और न ही उनके पास कंपनी के कोई शेयर होंगे। ग्रोवर को मार्च 2022 में कंपनी के निदेशक मंडल ने भारतपे के प्रबंध निदेशक के पद से हटा दिया गया था। तब से दोनों पक्ष लगातार कानूनी लड़ाई लड़ रहे थे। भारतपे ने बयान में कहा कि भारतपे ने अपने पूर्व सह-संस्थापक अशनीर ग्रोवर के साथ एक समझौता किया है। समझौते के तहत ग्रोवर किसी भी क्षमता में भारतपे से नहीं जुड़ेंगे और न ही उनके पास कंपनी के कोई शेयर होंगे। समझौते के बाद, ग्रोवर के कुछ शेयर कंपनी के लाभ के लिए रेसिलिएंट ग्रोथ ट्रस्ट को हस्तांतरित कर दिए जाएंगे और उनके शेष शेयरों का प्रबंधन उनके पारिवारिक न्यास द्वारा किया जाएगा। बयान में कहा गया कि दोनों पक्षों ने दायर मामलों को आगे न बढ़ाने का फैसला किया है। हम ग्रोवर को शुभकामनाएं देते हैं।

जियो का रिचार्ज प्लान, रोजाना 3 रुपए में अनलिमिटेड कॉलिंग और डेटा!

नई दिल्ली । देश के सबसे बड़े टेलीकॉम कंपनी जियो ने हाल ही में अपने कुछ प्लान में बढ़ोतरी कर यूजर्स को निराश किया था। लेकिन अब ऐसे रिचार्ज प्लान लेकर आया है जिसमें आपका प्रति दिन मात्र 3 रुपए खर्च होगा। जियो ने अपने यूजर्स के लिए 75 रुपए वाला प्लान लेकर आया है। इस प्लान में आपको अनलिमिटेड कॉलिंग, 50 एसएमएस और डेली 100 एमबी डेटा मिलता है। इसके साथ 200 एमबी अतिरिक्त डेटा और कुल 2.5 जीबी डेटा का लाभ मिलेगा। इस प्लान की वैधता 23 दिनों की होती है। यानी इस प्लान में आपको रोजना 3 रुपए खर्च आएगा। बता दें कि इस प्लान का लाभ सिर्फ जियो फोन यूजर्स ही उठा सकते हैं। दरअसल, कंपनी की ओर से अपने कई प्लान सिर्फ जियो फोन यूजर्स के लिए उपलब्ध किए जाते हैं, जिनमें से एक ये हैं।

आज होगा अनिल अंबानी की किस्मत का फैसला

मुंबई । कभी कर्ज की वजह से चर्चा में रहने वाले कारोबारी अनिल अंबानी के दिन अब फिरने लगे हैं।

बताय जा रहा है कि अनिल अंबानी की दो कंपनियों रिलायंस पावर और रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर ने अपना कर्ज कम कर दिया है। इससे इन दोनों कंपनियों के शेयर रॉकेट बन गए हैं। अनिल अंबानी के लिए एक अक्टूबर का दिन बेहद खास होने वाला है। इस दिन इनकी कंपनी को लेकर कई फैसले होंगे। ऐसे में एक अक्टूबर को अनिल अंबानी की किस्मत का फैसला होगा। एक अक्टूबर को अनिल अंबानी की कंपनी रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स की बैठक होगी। इस बैठक में कंपनी से जुड़े कई फैसले लिए जाएंगे। बताया जा रहा है कि इस बैठक में बोर्ड लॉन्ग टर्म तक फाइनेंशियल रिसोर्सेज जुटाने पर विचार करेगा और उन्हें मंजूरी देगा। ऐसा होता है तो यह कंपनी के लिए अच्छा कदम होगा। बता दें कि 19 सितंबर को हुई बोर्ड मीटिंग के बाद कंपनी अब डोमेस्टिक और इंटरनेशनल मार्केट से पूंजी जुटाने पर फोकस कर रही है। बताया जा रहा है कंपनी बैठक में फंड जुटाने के लिए अलग-अलग रणनीति अपना सकती है। इसके लिए इक्विटी शेयरों, इक्विटी-लिंक्ड सिक्योरिटीज या इक्विटी शेयरों में परिवर्तनीय वारंट के माध्यम से फंड जुटा सकती है। रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर ने पिछले हफ्ते बताया था कि उनके बोर्ड ने लगभग 12.56 करोड़ इक्विटी शेयरों के तरजीही इश्यू के माध्यम से 3,014 करोड़ रुपये जुटाने को मंजूरी दे दी है। रिलायंस पावर ने स्टॉक एक्सचेंज में अपनी रेगुलेटरी फाइलिंग में 3872.04 करोड़ रुपये के बकाया कर्ज को चुकाने की जानकारी दी थी। अनिल अंबानी की दोनों कंपनियों रिलायंस पावर और रिलायंस इंफ्रा के शेयर तेजी से भाग रहे हैं। रिलायंस पावर ने पिछले एक महीने में करीब 52 फीसदी का रिटर्न दिया है। वहीं रिलायंल इंफ्रा भी रिटर्न के मामले में पीछे नहीं रही है। इस कंपनी ने एक महीने में करीब 55 फीसदी रिटर्न दिया है।

सेबी की गवर्निंग बॉडी की बैठक, इंडेक्स डेरिवेटिव फ्रेमवर्क समेत कई बदलाव पर हो सकती है चर्चा

नई दिल्ली, 30 सितंबर (एजेंसियां)।

माधवी पुरी बुच पर लगे आरोपों पर भी हो सकती है चर्चा

सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया (सेबी) की गवर्निंग बॉडी के सदस्यों की सोमवार को होने वाली बैठक पर बाजार की नजरें टिकी रहने वाली है। माना जा रहा है कि बैठक में मार्केट के सभी स्टेकहोल्डर्स और मेडिएटर्स से जुड़े कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए जा सकते हैं।

जानकारों का कहना है कि जो निर्णय लिए जा सकते हैं, उनमें इंडेक्स डेरिवेटिव्स ढांचे को मजबूत करने से जुड़ा निर्णय भी हो सकता है। इसी तरह फ्यूचर्स एंड ऑप्शंस (एफएंडओ) के एक्सपायरी के नियम और इनसाइडर ट्रेडिंग के नियम में बदलाव करने पर भी बात हो सकती है। सबसे महत्वपूर्ण बात सेबी की चेयरपर्सन माधवी पुरी बुच पर लगे आरोपों को लेकर चर्चा होने की है। कहा जा रहा है कि बैठक में गर्वनिंग बॉडी अमेरिकी शॉर्ट सेलर एजेंसी हिंडनबर्ग रिसर्च द्वारा चेयरपर्सन माधवी पुरी पर लगाए गए आरोपों और कांग्रेस पार्टी की ओर से कई किस्तों में लगाए गए आरोपों पर भी चर्चा कर सकती है। बताया जा रहा है कि अगर माधवी पुरी पर लगाए गए आरोपों पर चर्चा हुई, तो उस वक्त चेयरपर्सन खुद बैठक से बाहर हो जाएंगी, ताकि गवर्निंग बॉडी के अन्य सदस्य खुलकर इस विषय पर चर्चा कर सकें। मार्केट के स्टेक होल्डर्स से जुड़े नियमों के बारे में बताया जा रहा है कि एक बार नए नियम लागू हो जाने के बाद इनका सिक्योरिटी मार्केट पर काफी असर पड़ सकता है। खासकर इन नियमों के कारण सट्टेबाजी जैसी ट्रेडिंग पर रोक लगा सकेगी, जो इंडेक्स डेरिवेटिव्स कांट्रैक्ट्स के डेली एक्सपायरी के साथ शुरू हुआ था।

इसके पहले 30 जुलाई को सेबी ने एक कंसल्टेशन पेपर जारी करके इन नियमों की प्रस्तावित रूपरेखा पेश की थी, जिसके तहत डेरिवेटिव्स कांट्रैक्ट्स की केवल वीकली एक्सपायरी होने की बात कही गई थी। इसके साथ ही न्यूनतम कॉन्ट्रैक्ट मूल्य को लांचिंग के समय 15 से 20 लाख रुपये रखने और बाद में इसे बढ़ा कर 20 से 30 लाख रुपये करने का प्रस्ताव भी किया गया था, ताकि खुदरा निवेशकों को इसके प्रति हतोत्साहित किया जा सके। ऐसा करने के पीछे कारण बताया गया था की खुदरा निवेशकों को इन सौदों में ज्यादातर नुकसान का सामना करना पड़ता है। सेबी की ही रिपोर्ट में कुछ दिन पहले बताया जा चुका है कि ऐसे सौदों में 93 प्रतिशत खुदरा निवेशक घाटे का सामना करते हैं। यही कारण है कि मार्केट रेगुलेटर खुदरा निवेशकों को ऐसे सौदों से दूर रखने की बात पर विचार कर रहा है। सेबी के कंसल्टेशन पेपर के मुताबिक स्ट्राइक रेट को भी तर्कसंगत बनाने पर गवर्निंग बॉडी की बैठक में चर्चा की जा सकती है।

जानकारों के मुताबिक बैठक में परफॉर्मेंस वैलिडेशन एजेंसी की शुरुआत जैसे एक और गेम चेंजिंग सुधार पर बाजार की नज़रें टिकी रहने वाली है। दरअसल, रिसर्च एनालिस्ट्स, इन्वेस्टमेंट एडवाइजर्स और रेगुलेटेड एल्गो प्रोवाइडर्स समेत तमाम मेडिएटर्स के परफॉर्मेंस के दावों को प्रमाणित करने वाली एक वैलिडेशन एजेंसी की स्थापना के संबंध में सेबी पिछले साल ही एक कंसल्टेशन पेपर जारी कर चुका है।

अगस्त के महीने में फिक्की के एक कार्यक्रम में सेबी चेयरपर्सन माधवी पुरी बुच ने कहा था कि ऐसी वैलिडेशन एजेंसी जल्दी ही स्थापित की जाएगी। हालांकि ऐसी कोई एजेंसी की स्थापना करने में कई तकनीकी दिक्कतें भी हैं। इसके बावजूद रिसर्च एनालिस्ट, इन्वेस्टमेंट एडवाइजर्स और एल्गो ट्रेडर्स की नजरें बोर्ड मीटिंग पर टिकी रहने वाली हैं।

सर्राफा बाजार में मामूली गिरावट, सोना और चांदी की घटी कीमत

नई दिल्ली, 30 सितंबर (एजेंसियां)।

घरलू सराफा बाजार म सामवार को मामूली गिरावट नजर आ रही है। इसके कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 77,540 रुपये से लेकर 77,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 71,090 रुपये से लेकर 70,940 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। इस गिरावट के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में ये चमकीली धातु 94,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 77,540 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 71,090 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 77,390 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 70,940 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 77,440 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 70,990 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 77,390 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 70,940 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 77,390 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 70,940 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर आ गया है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 77,540 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 71,090 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं, पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 77,440 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है, जबकि 22 कैरेट सोना 70,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 77,540 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 71,090 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोना सस्ता हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 77,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

आतंकवादी की...

हिजबुल्लाह स्वयं को अल्लाह की पार्टी घोषित करता है। हिजबुल्लाह की अर्धसैनिक शाखा जेहाद परिषद है। यह समूह इज़राइल के खिलाफ संघर्ष में फिलिस्तीनी अस्वीकृति समूहों का भी समर्थन करता है और इराक में पश्चिमी हितों पर हमला करने वाले इराकी शिया उग्रवादियों को प्रशिक्षण प्रदान करता है। अपने निर्माण काल से लेकर अब तक ये संगठन इज़राइल, अमेरिका समेत अपने दुश्मन देशों के खिलाफ कई हमले कर चुका है, इसलिए इसकी एक आतंकवादी संगठन के रूप में पहचान स्थापित हो चुकी है। अभी तक न जाने कितने निर्दोष लोगों को ये आतंकी संगठन मौत के घाट उतार चुका है।हिजबुल्लाह का यह परिचय सभी को जानना आवश्यक है। आतंकवादी संगठन हिजबुल्लाह के चीफ कमांडर हसन नसरल्लाह को इज़राइल ने लेबनान की राजधानी बेरूत पर एयर स्ट्राइक करके मार गिराया। स्वाभाविक तौर पर अब यही माना जाना चाहिए था कि आखिरकार एक आतंकी का अंत हुआ और इससे शांति के सृजन में ताकत मिलेगी। लेकिन असलियत में क्या देखने में आ रहा है? एक निकृष्ट और खूंखार बर्बर आतंकवादी हसन नसरल्लाह की मौत पर दुखी होना भीषण आश्चर्य की बात है। उस पर भी भारत में हसन नसरल्लाह की मौत के बाद कई संगठनों, राजनीतिक पार्टियों, नेताओं और मुसलमानों का रुदाली करना दोगलेपन की सनद ही तो है। यदि ये इतने ही संजीदा हैं तब फिर ये बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचारों पर चुप क्यों रहते हैं?जम्मू-कश्मीर के बडगाम की सड़कों पर लोग प्रदर्शन करते दिखे। वे हाथों में नसरल्लाह के पोस्टर लिए हुए थे। ऐसा ही एक प्रदर्शन श्रीनगर के पुराने शहर में देखने को मिला, इसी प्रकार से राज्य के अन्य इलाकों में भी विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। इन प्रदर्शनों का दुखद पक्ष यह है कि भारत के नाबालिगों को भी बरगलाया जा रहा है, उनके दिमाग में मजहबी, जेहादी जहर भरा जा रहा है, इसलिए प्रदर्शन कर रहे ये छात्र कहते पाए गए कि अब हर घर से हिजबुल्लाह निकलेगा। आज जमात-ए-इस्लामी हिंद (जेआईएच) का अध्यक्ष सैयद सदातुल्लाह हुसैनी भी इस आतंकवादी के मारे जाने पर दुख जता रहा है और हिज्बुल्ला कमांडर नसरल्लाह को मारने वाले इज़राइल की कड़ी निंदा कर रहा है। वह हिजबुल्लाह कमांडर के मारे जाने पर पूरी दुनिया को जेनेवा कन्वेंशन की याद दिला रहा है। हुसैनी को बांग्लादेश या पाकिस्तान में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार पर जेनेवा कन्वेंशन की याद नहीं आती। जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री और पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) प्रमुख महबूबा मुफ़्ती तो इतनी दुखी हुई कि उन्होंने राज्य में चल रहे अपना चुनाव प्रचार तक रद्द कर दिया। जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री ने दावा किया कि वह लेबनानी और फिलिस्तीनी नागरिकों के साथ एकजुटता में खड़ी हैं। लेबनान में इज़राइली हमले में मारे गए नसरल्लाह के समर्थन में जम्मू-कश्मीर के बडगाम में लोगों ने रैली भी निकाली। जिसमें बड़ी तादाद में महिलाएं भी शामिल हुईं। इसी तरह से श्रीनगर से सांसद और जम्मू कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता रुहुल्ला मेंहदी ने हिजबुल्लाह चीफ हसन नसरल्लाह की मौत पर शोक जताते हुए चुनाव प्रचार रोक दिया। उन्होंने हसन नसरल्लाह की मौत को बड़ा नुकसान बताया है। नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने नसरल्लाह की मौत पर फातिहा पढ़ा। उमर अब्दुल्ला ने पीएम मोदी सहित अन्य देशों के नेताओं से इज़राइल पर दबाव बनाकर, वहां फिर से शांति स्थापित करने की मांग की है। ऑल इंडिया शिया पर्सनल लॉ बोर्ड (एआईएसपीएलबी) के महासचिव मौलाना यासूब अब्बास ने नसरल्लाह की मौत पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए इसे मुस्लिम दुनिया के लिए एक बड़ी क्षति बताया। मौलाना यासूब अब्बास भारत में सभी शिया समुदाय से अपील करते हुए पाए गए कि वे तीन दिन का शोक मनाने के लिए अपने घरों की छतों पर काले झंडे फहराएं।आप देखेंगे कि इन सभी के दुख समान हैं, एक आतंकवादी के मरने पर भारत में ये सभी नेता, संगठन प्रमुख अपना दुख व्यक्त कर रहे हैं। यहां बार-बार यही सवाल खड़ा हो रहा है कि एक आतंकी सरगना के मारे जाने पर इतना दुख क्यों? इन दुखी होते नेताओं को भारत का जवान सीमा की रक्षा करते हुए हुतात्मा होने पर याद क्यों नहीं आता है? क्यों नहीं कश्मीर में किसी सैनिक के प्राणोत्सर्ग पर उसकी श्रद्धांजलि में लोग घरों से बाहर निकलते? वास्तव में ये वो लोग हैं, जो जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 लागू होने का आज भी विरोध कर रहे हैं, जबकि अब तो जम्मू-कश्मीर की जनता भी खुलकर स्वीकार कर रही है कि 370 के खात्मे के बाद से उनके राज्य के विकास को पंख लग गए हैं।जम्मू-कश्मीर में हिंदुओं पर अत्याचार हुए और अभी भी यदा-कदा घटनाएं घट जाती हैं, किंतु इन नेताओं का मुंह उनके समर्थन में नहीं खुलता! यहां जो बच्चों के मुख से कहलवाया जा रहा है, अब हर घर से हिजबुल्लाह निकलेगा। आखिर इसके मायने क्या हैं? आज हसन नसरल्लाह की मौत पर जो यह कह रहे हैं कि उनके खून से हज़ारों नसरल्लाह पैदा होंगे और इस मिशन को आगे बढ़ाएंगे और सफलता हासिल करेंगे। तो यहां सबसे बड़ा प्रश्न यही है कि वह मिशन कौन सा होगा, क्या भारत में इस प्रकार के किसी भी आतंकवादी मिशन को स्वीकृति दी जा सकती है या यह भारत जैसे सर्वपंथ सद्भाव वाले देश में बोला जाना क्या किसी अपराध से कम है? वास्तव में आतंकियों से हमदर्दी रखनेवालों के समर्थन में दिए गए इन सभी वक्तव्यों से यही साबित हो रहा है कि जो लोग भी आज हिजबुल्लाह प्रमुख की मौत का मातम मना रहे हैं, वे सभी आतंकवाद और हिंसा के साथ खड़े हैं। कम से कम भारत की धरती पर इस तरह की सोच एवं राजनीति बंद होनी चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट को ...

है तो यह अस्वीकार्य है। याचिकाकर्ता सुब्रमण्यम स्वामी का प्रतिनिधित्व कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता राजशेखर राव ने कहा कि वे एक भक्त के रूप में यहां आए हैं। उन्होंने कहा कि यदि भगवान के प्रसाद पर प्रश्नचिह्न है तो इसकी जांच होनी ही चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट ने आंध्र प्रदेश सरकार के वकील से कहा कि प्रयोगशाला की रिपोर्ट से पता चलता है कि जिस घी की जांच की गई, उसे दरकिनार कर दिया गया था। उसने राज्य से पूछा कि एसआईटी जांच के आदेश देने के बाद प्रेस में जाने की क्या जरूरत थी? सुप्रीम कोर्ट ने आंध्र प्रदेश सरकार से यह भी पूछा कि एसआईटी जांच के नतीजे आने तक प्रेस में जाने की क्या जरूरत थी? सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि कम से कम देवताओं को राजनीति से दूर रखा जाना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने पूछा कि क्या जिस घी में मिलावट नहीं पाई गई, उसका इस्तेमाल प्रसाद में किया गया था। सरकार ने जवाब दिया कि वह इस मुद्दे की जांच कर रही है। इस पर कोर्ट ने कहा कि तो फिर तुरंत प्रेस में जाने की क्या जरूरत थी? सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि आपको धार्मिक भावनाओं का सम्मान करना चाहिए।सुप्रीम कोर्ट ने आंध्र प्रदेश सरकार से पूछा कि प्रसाद के लड्डू बनाने में दूषित घी का इस्तेमाल किया गया था या नहीं? टीडीपी की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता सिद्धार्थ लूथरा ने कहा कि लोगों ने शिकायत की थी कि लड्डू का स्वाद ठीक नहीं था। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि लोगों को इसकी जानकारी नहीं थी, आपने सिर्फ बयान दिया है। इस बात का कोई सबूत नहीं है कि प्रसाद के लिए दूषित घी का इस्तेमाल किया गया था।सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने सुप्रीम कोर्ट से कहा कि यह आस्था का मामला है। अगर इस घी का इस्तेमाल किया गया है, तो यह अस्वीकार्य है। यह देखा जाना चाहिए कि इसके लिए कौन जिम्मेदार है और इसकी जांच की जानी चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने सॉलिसिटर जनरल से कहा कि वह चाहेंगे कि वे इस बात की जांच करें कि क्या राज्य द्वारा गठित एसआईटी द्वारा जांच की जानी चाहिए। क्या ऐसा बयान दिया जाना चाहिए था, जिससे भक्तों की भावनाएं आहत हों? जब एसआईटी का आदेश दिया गया था, तो प्रेस में जाकर सार्वजनिक बयान देने की क्या जरूरत थी? हमें भगवान को राजनीति से दूर रखना चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि प्रथम दृष्टया इस स्तर पर ऐसा कुछ भी नहीं है जिससे पता चले कि नमूने में इस्तेमाल किया गया घी लड्डू बनाने के लिए इस्तेमाल किया गया था। जब जिम्मेदार सार्वजनिक पदाधिकारी ऐसे बयान देते हैं तो इसका एसआईटी पर क्या प्रभाव पड़ेगा? सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि नमूने में सोयाबीन तेल भी हो सकता है, इसका मतलब यह नहीं है कि मछली के तेल का इस्तेमाल किया गया है।

दोस्ताना रिश्ता....

हक का सम्मान है। जब घाटी में इंसानियत, जम्हूरियत और कश्मीरियत बहाल करने का अटल बिहारी वाजपेयी का सपना साकार होगा तो कश्मीर फिर से धरती का स्वर्ग बन जाएगा। रक्षा मंत्री ने कहा, भारत के खिलाफ आतंकवाद को हथियार के रूप में इस्तेमाल करने वाला पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अलग-थलग पड़ गया है। उसके विश्वस्त सहयोगी भी पीछे हट गए हैं। यहां तक कि पाकिस्तान का समर्थन करने वाले तुर्किये ने भी संयुक्त राष्ट्र महासभा में कश्मीर का जिक्र नहीं किया।

मिथुन चक्रवर्ती को....

के बाद भी उनका संघर्ष कम नहीं हुआ था। फिल्मों में प्रवेश करने के बाद शुरुआती दिनों में उन्होंने कई रातें सड़कों पर गुजारीं। कई बार उन्हें भूखे पेट सोना पड़ा। 80 के दशक में मृगया से बॉलीवुड में श्रीगणेश करने वाले अभिनेता की किस्मत फिल्म डिस्को-डांसर से चमकी थी। इसके बाद उन्होंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। इसी फिल्म से उन्हें फैंस ने डिस्को डांसर का भी नाम दिया था।मिथुन चक्रवर्ती के नाम एक और रिकॉर्ड दर्ज है। आज भले ही एक्टर्स की फिल्में 100 करोड़ और 1000 करोड़ का कारोबार कर रही हैं लेकिन, ये बात बहुत कम ही लोग जानते होंगे कि मिथुन ने ही पहली बार 100 करोड़ कमाने वाली हिट फिल्म दी थी। उनकी फिल्म डिस्को डांसर ने 100 करोड़ का व्यापार कर इतिहास रच दिया था और इस रिकॉर्ड को अपने नाम किया था।

साइबर अपराधियों ...

आरोपियों ने पीड़ितों को उनकी पहचान चोरी होने या उनके बैंक खाते से अवैध लेन-देन होने की बात कहकर अपने जाल में फंसाया। इसके बाद आरोपियों ने पीड़ितों के आर्थिक लेन-देन को सुरक्षित करने के लिए अपने पैसे नए बैंक खाते में स्थानांतरित करने का कहकर उनके साथ धोखाधड़ी की। छापेमारी के दौरान सीबीआई ने पुणे से 10, हैदराबाद से पांच और विशाखापत्तनम से 11 साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया है। सीबीआई ने महत्वपूर्ण डिजिटल सबूत और आपत्तिजनक सामग्री भी जब्त की है।

वर्धमान ग्रुप के...

अरेस्ट वारंट जारी हो चुका है। ठगों ने सुप्रीम कोर्ट के अलावा ईडी, सीबीआई और कस्टम विभाग का भी नाम लिया, जिससे ओसवाल को यह धोखाधड़ी असली लगने लगी। इसके बाद ठगों ने उन्हें बार-बार वीडियो कॉल की, जिसमें वह अंग्रेजी में बात करते हुए काफी पढ़े-लिखे और प्रभावशाली लग रहे थे। आरोपियों ने उन्हें फर्जी प्रॉपर्टी सीलिंग और गिरफ्तारी के आदेश भेजे, जिसके बाद एसपी ओसवाल को यकीन हो गया कि वह मुश्किल में हैं। उन्होंने ठगों से बचाव की बात की, जिसके बदले में ठगों ने 7 करोड़ रुपए की मांग की। शातिर ठगों ने उन्हें कंपनी की बदनामी का डर दिखाया और केस से निकालने के नाम पर यह रकम हड़प ली।एसपी ओसवाल ने बताया कि ठगों को सरकारी एजेंसियों और कानून की गहरी समझ थी। उन्होंने लगातार उन्हें धमकाया कि यदि वह सहयोग नहीं करेंगे तो उनकी प्रतिष्ठित कंपनी को बदनामी झेलनी पड़ेगी। ठग बार-बार कहते रहे कि वह सुप्रीम कोर्ट के आदेशों का पालन कर रहे हैं और उनकी जांच में सहयोग करने से उन्हें और उनकी कंपनी को कोई नुकसान नहीं होगा। वर्धमान ग्रुप के मालिक एसपी ओसवाल को 2010 में केंद्र सरकार द्वारा पद्म भूषण से सम्मानित किया गया था। वर्धमान ग्रुप देश की जानी-मानी कंपनियों में से एक है, जिसका कारोबार न केवल भारत में, बल्कि विदेशों में भी फैला हुआ है।

लुधियाना पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि आरोपियों की पहचान कर ली गई है और एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। अन्य आरोपियों की तलाश जारी है और पुलिस जल्द ही अन्य ठगों को पकड़ने के लिए छापेमारी कर रही है।

30 हजार युवकों ...

बचाया गया, तो पता चला कि उन लोगों के पासपोर्ट तक ले लिए गए थे। उनसे जबरदस्ती फेक अकाउंट बनवाए गए थे, महिलाओं की फोटो लगाकर दूसरों से बात की जाती थी। जैसे ही पैसा वसूल कर लिया जाता था, अकाउंट ब्लॉक हो जाता था।

3 अक्टूबर से शारदीय नवरात्रि

पालकी पर सवार होकर आएंगी माता रानी

एक वर्ष में दो बार छह माह की अवधि के अंतराल पर नवरात्रि आती हैं। मां दुर्गा को समर्पित यह पर्व हिंदू धर्म में बहुत महत्वपूर्ण माना जाता है। प्रत्येक वर्ष आश्विन मास में शुक्ल पक्ष प्रतिपदा तिथि से शारदीय नवरात्रि का आरंभ होता है और पूरे नौ दिनों तक मां आदिशक्ति जगदम्बा का पूजन किया जाता है। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर – जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डॉ अनीष व्यास ने बताया कि इस वर्ष शारदीय नवरात्रि का आरंभ गुरुवार 3 अक्टूबर 2024 से हो रहा है। देवी भागवत पुराण में बताया गया है कि महालया के दिन जब पितृगण धरती से लौटते हैं तब मां दुर्गा अपने परिवार और गणों के साथ पृथ्वी पर आती हैं। जिस दिन नवरात्र का आरंभ होता है उस दिन के हिसाब से माता हर बार अलग-अलग वाहनों से आती हैं।

माता का अलग-अलग वाहनों से आना भविष्य के लिए संकेत भी होता है जिससे पता चलता है कि आने वाला साल कैसा रहेगा। इस साल माता का वाहन डोली और पालकी होगा क्योंकि नवरात्रि का आरंभ गुरुवार से हो रहा है। इस विषय में देवी भागवत पुराण में इस प्रकार लिखा गया है कि गुरुवार या शुक्रवार को नवरात्रि का आरंभ हो रहा हो तब माता डोली या पालकी पर आती हैं।

हिंदू धर्म में शारदीय नवरात्रि का विशेष महत्व है। मां दुर्गा की उपासना का पर्व साल में चार बार आता है। जिसमें दो गुप्त नवरात्रि और दो चैत्र व शारदीय नवरात्रि होती है। शारदीय नवरात्रि अश्विन माह के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि से शुरू होती है। पंचांग के अनुसार, आश्विन मास के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि का आरंभ 3 अक्टूबर की सुबह 12:19 मिनट से होगा और इसका समापन अगले दिन 4 अक्टूबर की सुबह 2:58 मिनट पर होगा। उदया तिथि के अनुसार, शारदीय नवरात्रि गुरुवार 3 अक्टूबर 2024 से आरंभ होंगी और इस पर्व का समापन शनिवार 12 अक्टूबर 2024 को होगा।

अश्विन माह में पड़ने वाली शारदीय नवरात्रि का पर्व काफी धूमधाम से मनाया जाता है। इसमें मां दुर्गा की प्रतिमाएं विराजित की जाती है। साथ ही कई स्थानों पर गरबा और रामलीलाओं का आयोजन किया जाता है। इस 9 दिन के महापर्व के पहले दिन घटस्थापना की जाती है और मां दुर्गा के नौ स्वरूपों की पूजा भी की जाती है। नवरात्रि के नौ दिनों में व्रत भी रखा जाता है। पूरे नियमों के साथ मां दुर्गा की आराधना की जाती है।

देवी मां दुर्गा के वाहन

यूं तो मां दुर्गा का वाहन सिंह को माना जाता है। लेकिन हर साल नवरात्रि के समय तिथि के अनुसार माता अलग-अलग वाहनों पर सवार होकर धरती पर आती हैं। यानी माता सिंह की बजाय दूसरी सवारी पर सवार होकर भी पृथ्वी पर आती हैं। माता दुर्गा आती भी वाहन से हैं और जाती भी वाहन से हैं। देवीभाग्वत पुराण में जिक्र किया गया है कि शशि सूर्य गजरुढा शनिभौमै तुरंगमे। गुरौशुक्रेच दोलायां बुधे नौकाप्रकीर्तिता।। इस श्लोक में सप्ताह के सातों दिनों के अनुसार देवी के आगमन का अलग-अलग वाहन बताया गया है। अगर नवरात्रि का आरंभ सोमवार या रविवार को हो तो इसका मतलब है कि माता हाथी पर आएंगी। शनिवार और मंगलवार को माता अश्व यानी घोड़े पर सवार होकर आती हैं। गुरुवार या शुक्रवार को नवरात्रि का आरंभ हो रहा हो तब माता डोली या पालकी पर आती हैं। बुधवार के दिन नवरात्रि पूजा आरंभ होने पर माता नाव पर आरुढ़ होकर आती हैं। नवरात्रि का विशेष नक्षत्रों और योगों के साथ आना मनुष्य जीवन पर खास प्रभाव डालता है। ठीक इसी प्रकार कलश स्थापन के दिन देवी किस वाहन पर विराजित होकर पृथ्वी लोक की तरफ आ रही हैं इसका भी मानव जीवन पर विशेष असर होता है।

डोली या पालकी पर सवार होकर आएंगी मां दुर्गा

नवरात्रि के पहले दिन के आधार पर मां दुर्गा की सवारी के बारे में पता चलता है। नवरात्रि में माता की सवारी का विशेष महत्व होता है।

माता हाथी पर सवार होकर धरती पर आ रही हैं। हाथी पर माता का आगमन इस बात की ओर संकेत कर रहा है कि इस साल खूब अच्छी वर्षा होगी और खेती अच्छी होगी। देश में अन्न धन का भंडार बढ़ेगा।

यह होगा असर

मां दुर्गा की सवारी जब डोली या पालकी पर आती है तो यह अच्छा संकेत नहीं है। मां दुर्गा का पालकी पर आना सभी के लिए चिंता बढ़ाने वाला माना जा रहा है। अर्थ व्यवस्था गिरने से लोगों का काम धंधा मंदा पड़ने की आशंका है। साथ ही देश-दुनिया में महामारी फैलने का डर है। लोगों को कोई बड़ी अप्राकृति घटना का सामना करना पड़ सकती है। सेहत में भारी गिरावट आ सकती है। दूसरे देशों से हिंसी की खबरें आ सकती हैं।

शारदीय नवरात्रि का पर्व आश्विन मास के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि से शुरू होती है, जो कि नवमी तिथि को समाप्त होंगी। इसके बाद दशहरा मनाया जाएगा। प्रतिपदा तिथि के दिन घटस्थापना की जाती है। इस दिन से 9 दिन अखंड ज्योति जलाई जाती है।

पंचांग के अनुसार, आश्विन मास के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि का आरंभ 3 अक्टूबर की सुबह 12:19 मिनट से होगा और इसका समापन अगले दिन 4 अक्टूबर की सुबह 2:58 मिनट पर होगा। उदया तिथि के अनुसार, शारदीय नवरात्रि गुरुवार 3 अक्टूबर 2024 से आरंभ होंगी और इस पर्व का समापन शनिवार 12 अक्टूबर 2024 को होगा।

कलश स्थापना शुभ मुहूर्त

घटस्थापना तिथि: 3 अक्टूबर 2024
घटस्थापना मुहूर्त: प्रातः 06:24 मिनट से प्रातः 08: 45 मिनट तक
अभिजित मुहूर्त: सुबह 11:52 मिनट से दोपहर 12:39 मिनट तक
शारदीय नवरात्रि की तिथियां
3 अक्टूबर – मां शैलपुत्री (पहला दिन) प्रतिपदा तिथि
4 अक्टूबर – मां ब्रह्मचारिणी (दूसरा दिन) द्वितीया तिथि
5 अक्टूबर – मां चंद्रघंटा (तीसरा दिन) तृतीया तिथि
6 अक्टूबर – मां कुष्मांडा (चौथा दिन) चतुर्थी तिथि
7 अक्टूबर – मां स्कंदमाता (पांचवा दिन) पंचमी तिथि
8 अक्टूबर – मां कात्यायनी (छठा दिन) षष्ठी तिथि
9 अक्टूबर – मां कालरात्रि (सातवां दिन) सप्तमी तिथि
10 अक्टूबर – मां सिद्धिदात्री (आठवां दिन) दुर्गा अष्टमी
11 अक्टूबर – मां महागौरी, (नौवां दिन) शरद नवरात्र व्रत पारण
12 अक्टूबर – मां दुर्गा प्रतिमा विसर्जन, दशमी तिथि (दशहरा)

शारदीय नवरात्रि महत्व

धर्म ग्रंथों के अनुसार, नवरात्रि मां भगवती दुर्गा की आराधना करने का श्रेष्ठ समय होता है। इन नौ दिनों के दौरान मां के नौ स्वरूपों की आराधना की जाती है। नवरात्रि का हर दिन मां के विशिष्ट स्वरूप को समर्पित होता है, और हर स्वरूप की अलग महिमा होती है। आदिशक्ति जगदम्बा के हर स्वरूप से अलग-अलग मनोरथ पूर्ण होते हैं। यह पर्व नारी शक्ति की आराधना का पर्व है।

बेहद रहस्यमयी है ये मंदिर

जलाभिषेक का जल लगाने से नेत्र रोग से मिलती है मुक्ति

हर साल शारदीय नवरात्र के उत्सव को देशभर में अधिक उत्साह के साथ मनाया जाता है। इस पर्व के लिए मां दुर्गा के मंदिरों को सुंदर तरीके से सजाया जाता है। नवरात्र के दौरान मंदिरों में भक्त अधिक संख्या में मां दुर्गा के दर्शन और पूजा-अर्चना के लिए पहुँचते हैं। अगर आप भी इस बार

शारदीय नवरात्र में किसी मंदिर जाने का प्लान बना रहे हैं, तो बिजासन माता मंदिर जरूर जाएं। इस मंदिर में मां बिजासन विराजमान हैं। धार्मिक मत है कि मां बिजासन की प्रतिमा दिन में तीन स्वरूप बार बदलती हैं। मां के जलाभिषेक का जल लगाने से नेत्र रोग ठीक हो जाता है, जिसके बाद श्रद्धालु मां बिजासन को सोने-चांदी के नेत्र अर्पित करते हैं। इस कार्यों को कई लोग कर चुके हैं। ऐसे में आइए जानते हैं इस मंदिर से जुड़ी अहम बातों के बारे में।

दूर-दूर से आते हैं श्रद्धालु

रोजाना मां बिजासन की विशेष पूजा-अर्चना होती है। मां बिजासन का जलाभिषेक सुबह 04 बजे किया जाता है और रात्रि में 08 आरती होती है। इस मंदिर में देश के कई हिस्सों से श्रद्धालु मां बिजासन की उपासना और दर्शनों के लिए आते हैं।

कैसा है मां बिजासन स्वरूप

मां बिजासन के दोनों हाथों में नरमुंड हैं। मूर्ति के एक ओर गणपति बप्पा और दूसरी ओर अष्टभुजी मां दुर्गा की मूर्ति विराजमान है। मंदिर के बारे में ऐसी मान्यता है कि जिस श्रद्धालु को आंख से संबंधित कोई समस्या है, तो मां बिजासन के जलाभिषेक के जल को दिन में 3 बार लगाने से नेत्र से संबंधित से समस्या से मुक्ति मिलती है।

नेत्र रोग से छुटकारा मिलने के बाद श्रद्धालु मंदिर में सोने-चांदी की आंखें अर्पित करते हैं।

कई वर्ष पुराना है मंदिर

इस मंदिर को कई वर्ष पुराना बताया जाता है। हर महीने की चतुर्दशी तिथि पर मंदिर में अधिक भीड़ देखने को मिलती है। इस मंदिर को महाराजा शिवाजीराव होलकर ने बनवाया था।

दिन में 3 बार बदलता है स्वरूप

धार्मिक मान्यता के अनुसार, मंदिर में विराजमान मां बिजासन की मूर्ति दिन में 3 बार अपना स्वरूप बदलती है। सुबह में बाल्य अवस्था, दोपहर में युवा अवस्था और संध्या काल में मां बिजासन की वृद्धावस्था में देखने को मिलती है।

नवरात्र के पहले दिन पढ़ें मां शैलपुत्री की यह कथा

धन-दौलत में होगी वृद्धि

शारदीय नवरात्र का हिंदू धर्म में विशेष महत्व है। यह पर्व पूरे भारत में बड़ी धूमधाम और भक्ति के साथ मनाया जाता है। यह व्रत देवी दुर्गा के नौ रूपों को समर्पित है। यह नौ दिवसीय त्योहार अश्विन माह में मनाया जाता है। हिंदू पंचांग के अनुसार, इस बार यह3 अक्टूबर से शुरू हो रहा है। नवरात्र का प्रथम दिन माता शैलपुत्री को समर्पित है। ऐसा कहा जाता है कि इसके प्रथम दिन देवी शैलपुत्री की पूजा भक्ति भाव के साथ करने से सभी इच्छाओं की पूर्ति होती है।

मां शैलपुत्री की पूजा-व्रत कथा

देवी भागवत पुराण के अनुसार, एक बार प्रजापति दक्ष ने एक विशाल यज्ञ का आयोजन किया, जिसमें सभी देवी-देवताओं को निमंत्रण भेजा गया, लेकिन उन्होंने भगवान शिव और पुत्री सती को नहीं बुलाया। उस समय मां सती ने भगवान शिव से यज्ञ में जाने का अनुरोध किया, लेकिन शिव जी नहीं माने। तब देवी सती ने स्वयं जाने की अनुमति ली, वहां पर अपने पति भगवान शंकर के अपमान से नाराज होकर, उन्होंने यज्ञ में कूदकर अपने उस शरीर की आहूति दे दी, जो उन्हें अपने पिता दक्ष से प्राप्त हुआ था। इससे कुपित हो कर महादेव के प्रथम गण वीर भद्र ने दक्ष का वध कर दिया। इसके पश्चात देवी सती ने पर्वतराज हिमालय के घर में देवी पार्वती (माता शैलपुत्री) के रूप में जन्म लिया और पुन: भगवान शिव को अपने पति के रूप में प्राप्त किया।

दशहरा के दिन इन कार्यों से बनाएं दूरी

वरना जीवन में भुगतने पड़ेंगे बुरे परिणाम

सनातन धर्म में दशहरा का पर्व को बुराई पर अच्छाई की जीत के रूप में देखा जाता जाता है। इस दिन विधिपूर्वक भगवान राम की पूजा-अर्चना करने का विधान है। मान्यता है कि शुभ मुहूर्त में उपासना करने से घर में सुख-समृद्धि और खुशहाली का आगमन होता है। इस दिन राम जी ने रावण का वध किया था। वहीं, मां दुर्गा ने राक्षस महिषासुर का वध करके पूरे जगत में शांति का संचार किया था। इस दिन कुछ कार्यों को करने से बचाना चाहिए। माना जाता है कि इस लेख में बताए गए कार्यों को करने से जातक को जीवन में कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है।

दशहरा 2024 डेट और शुभ मुहूर्त

पंचांग के अनुसार, इस बार आश्विन माह शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि का प्रारंभ 12 अक्टूबर को सुबह 10 बजकर 58 मिनट से होगा। वहीं, इसका समापन अगले दिन यानी 13 अक्टूबर को सुबह 09 बजकर 08 मिनट पर होगा। ऐसे में दशहरा का पर्व 12 अक्टूबर को मनाया जाएगा। अपराह्न पूजा का समय दोपहर 01 बजकर 17 मिनट से लेकर 03 बजकर 35 मिनट तक है। रावण दहन का शुभ मुहूर्त इस प्रकार है-

रावण दहन विजय मुहूर्त में किया जाता है। इस दिन विजय मुहूर्त दोपहर 02 बजकर 03 मिनट से लेकर 02 बजकर 49 मिनट तक है। इस दौरान आप रावण दहन कर सकते हैं।

न करें ये कार्य

* सनातन धर्म में दशहरा के त्योहार को सत्य, धर्म और कर्म का प्रतीक माना जाता है। इस शुभ दिन पर बड़े-बुजुर्ग और महिलाओं का अपमान न करें। ऐसा करने से धन की मां लक्ष्मी नाराज हो सकती हैं। इसी वजह से ऐसी गलती भूलकर भी न करें।
* दशहरा के दिन किसी भी पशु-पक्षी की हत्या न करें और उनको किसी भी तरह का नुकसान न पहुंचाएं। ऐसा करने से जातक को बुरे परिणामों का सामना करना पड़ सकता है। इसके अलावा शारदीय नवरात्र में तामसिक भोजन का सेवन नहीं करना चाहिए।
* दशहरा के दिन किसी से बातचीत के दौरान झूठ या कटु वचन न बोलें और किसी से वाद-विवाद न करें।
* रावण के स्वार्थ कारणों की वजह से पूरी लंका ध्वस्त हो गई थी, जिसमें कई सैनिक मारे गए, लेकिन इसके बाद वह तानाशाही करता रहा। इसलिए पारंपरिक और सामाजिक संस्थाओं को दबाना नहीं चाहिए।

बॉक्स ऑफिस पर जूनियर एनटीआर की देवरा का कहर

सिर्फ 2 दिनों में वर्ल्डवाइड 243 करोड़ का बंपर कलेक्शन

साउथ सुपरस्टार जूनियर एनटीआर की देवरा: पार्ट 1, जिसने बॉक्स ऑफिस पर रिकॉर्ड तोड़ कमाई की, ने भारत में 100 करोड़ रुपये और दुनिया भर में 200 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है. कोराटाला शिवा की निर्देशित इस फिल्म में जूनियर एनटीआर के साथ जाह्नवी कपूर और सैफ अली खान भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं. यह फिल्म 27 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हुई है.ट्रेड एनालिस्ट तरण आदर्श ने देवरा: पार्ट 1 के दूसरे दिन के कलेक्शन के बारे में अपडट साझा किया है. तरण आदर्श ने अपने इंस्टाग्राम पर फिल्म के बिजनेस के बारे में अपडेट साझा करते हुए लिखा है, बॉक्स ऑफिस मुस्कुरा रहा है. देवरा ने शनिवार (दूसरे दिन) को बॉक्स ऑफिस पर अपनी मजबूती के साथ गति पकड़ी. लोगों की पॉजिटिव रिस्पॉन्स के कारण बढ़त की संभावना थी, लेकिन शनिवार के आंकड़े ने साफ संकेत दे दिए हैं कि कंटेट को अच्छी प्रतिक्रिया मिली है.ट्रेड एनालिस्ट ने आगे लिखा है, जबकि मास सर्किट का दबदबा जारी है, शनिवार को मेजर नेशनल चैन में भी तेजी देखी गई. वर्तमान रुझानों के आधार पर, रविवार को देवरा जबरदस्त परफॉर्म कर सकती है. यदि देवरा सोमवार और मंगलवार, दोनों वर्किंग डे पर अपनी स्पीड बनाए रखती है, तो यह हिंदी वर्जन में सफलता की ओर अग्रसर हो सकती है.आगे लिखा है, बुधवार (2 अक्टूबर) को गांधी जयंती की छुट्टी है. इससे देवरा की संभावनाए और बढ़ गई हैं. अगर इस दिन फिल्म ने अच्छी परफॉर्म किया , तो यह पहले सप्ताह में फिल्म की कुल कमाई में अहम योगदान देगी. तरण आदर्श के मुताबिक, देवरा ने हिंदी वर्जन में पहले सप्ताह यानी शुक्रवार को 7.95 करोड़, शनिवार 9.50 करोड़ कमाई की है. दो दिनों के बाद फिल्म की कुल कमाई 17.45 करोड़ रुपये हो गई है.सैकनिल्क के अनुसार, देवरा ने भारतीय बॉक्स ऑफिस पर ओपनिंग डे पर 82.50 करोड़ रुपये (नेट) की शानदार कमाई करते हुए शानदार सफलता हासिल की. फिल्म ने सिर्फ दो दिनों में 100 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है. फिल्म ने जहां पहले दिन 82.5 करोड़ रुपये की कमाई की. वहीं, दूसरे दिन 53.70 प्रतिशत की गिरावट के साथ 38.2 करोड़ रुपये कमाई. दो दिनों के बाद देवरा ने भारत में (तेलुगू, हिंदी, कन्नड़, तमिल और मलयालम) 120.7 करोड़ रुपये का बिजनेस किया है.देवरा मेकर्स ने फिल्म का वर्ल्डवाइड कलेक्शन साझा किया है. फिल्म ने सिर्फ दो दिनों में 243 करोड़ रुपये से ज्यादा का कलेक्शन किया है. ट्रेड एनालिस्ट मनोबाला विजयबालन के अनुसार, असाधारण शुरुआत के बाद जूनियर एनटीआर की देवरा बॉक्स ऑफिस पर अच्छी पकड़ बना रही है. फिल्म आज अच्छी खासी कमाई करने की राह पर है. 300 करोड़ क्लब की ओर बढ़ रही है।

थलपति विजय की गोट बनी मेगा ब्लॉकबस्टर

साउथ सुपरस्टार थलपति विजय की नई एक्शन फिल्म द ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा रही है. फिल्म ने दुनियाभर में 450 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है और भारत में भी 250 करोड़ रुपये की कमाई करने में सफल रही है. द ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइमको मिल रही अपार सफलता के लिए फिल्म के डायरेक्टर वेंकट प्रभु ने सभी दर्शकों और फैंस का शुक्रियाअदा किया है.वेंकट प्रभु ने अपने ऑफिशियल एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर एक पोस्ट साझा किया है, जिसमें उन्होंने सभी दर्शकों का शुक्रियाअदा किया है. साथ ही, उन्होंने फिल्म के बारे में अपडेट भी साझा किया है. डायरेक्टर ने फिल्म गोट का एक शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा है, भगवान कृपा हैं. आप सभी का धन्यवाद जिन्होंने हमारे द ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम (गोट) को मेगा ब्लॉकबस्टर बनाया. डायरेक्टर ने फिल्म की 25वें दिन की जबरदस्त सक्सेस का जश्न भी मनाया, उन्होंने अपने पोस्ट में विजय, अर्चना कल्पथी, ऐश्वर्या कल्पथी और संगीतकार युवान शंकर राजा सहित अन्य को टैग किया.ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम ने भारत में 1.2 करोड़ रुपये की कमाई की. गोट का कुल नेट कलेक्शन 250 करोड़ रुपये है. थलपति विजय की तमिल फिल्म का दुनिया भर में कुल कलेक्शन 2 करोड़ रुपये है. जबकि दुनिया भर में कुल ग्रॉस कलेक्शन 456 करोड़ रुपये है. ट्रेड रिपोर्ट्स के मुताबिक, गोट 5वीं सबसे ज्यादा कमाई करने वाली तमिल फिल्म और 11वीं सबसे ज्यादा कमाई करने वाली साउथ इंडियन फिल्म बन गई है. इसे 380 करोड़ रुपये के बजट में बनाया गया था.रिपोर्ट्स के मुताबिक, थलपति विजय की तमिल फिल्म द ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम नेटफ्लिक्स पर अपना डिजिटल डेब्यू करने के लिए पूरी तरह तैयार है. यह फिल्म 3 अक्टूबर, 2024 से नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगी. हालांकि, इसकी आधिकारिक पुष्टि का इंतजार है.

डायरेक्टर वेंकट प्रभु ने जताया आभार

लोकेश कनगराज ने कुली का नया पोस्टर किया जारी

देवा बनकर रजनीकांत मचाएंगे धमाल

निर्देशक लोकेश कनगराज ने सोशल मीडिया एक्स पर अपनी आगामी निर्देशित फिल्म कुली का एक धांसू पोस्टर साझा किया है, जिसमें सुपरस्टार रजनीकांत बेहद ही स्टाइलिश और अनोखे अंदाज में नजर आ रहे हैं। फिल्म कुली के इस नए पोस्टर को देकर प्रशंसक बेहद खुश हैं और इसकी रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। निर्देशक लोकेश कनगराज ने एक्स पर अपनी आगामी बहुप्रतीक्षित फिल्म कुली का एक पोस्टर साझा किया है, जिसमें कुली के किरदार में रजनीकांत को देखकर उनके प्रशंसक बेहद खुश और उत्साहित हैं। निर्देशक लोकेश कनगराज की आगामी एक्शन फिल्म कुली के लिए सभी कलाकारों की घोषणा 28 अगस्त को हुई थी। निर्माताओं ने अब सुपरस्टार रजनीकांत की फिल्म में उनके नाम देवा के खुलासे के साथ किया। सोमवार को निर्देशक लोकेश ने खुद थलाइवा का एक पोस्टर साझा किया, जिसमें उनके किरदार का नाम बताया देवा।इस पोस्टर में आप साफ देख सकते हैं कि रजनीकांत को एक सुनहरी प्लेट के पीछे की ओर देखते हुए देखा जा सकता है, जो एक आर्म बैज प्रतीत होता है, जिसके सामने 1421 नंबर लिखा हुआ है। उनके हाव-भाव से ऐसा लगता है कि उन्हें कुछ ऐसा मिल गया है जिसकी उन्हें तलाश थी, जबकि उनके हाव-भाव बेहद ही आकर्षक दिखाई दे रहे हैं।कुली के बाकी सभी कैरेक्टर्स का भी पोस्ट पहले ही जारी किया जा चुका है। रजनीकांत का पोस्टर भी काले और सफेद रंग में है, जिसमें प्लेट के सुनहरे रंग को उजागर करने के लिए गोल्डन रंग का प्रयोग किया गया है। फिल्म के शीर्षक के ऊपर, सुपरस्टार के रूप में देवा लिखा हुआ है।

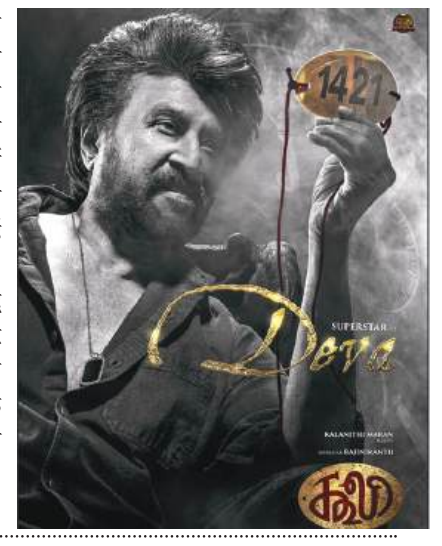

अनुष्का सेन ने रचा इतिहास

टाइम्स स्क्वायर में लाइव परफॉर्म करने वाली पहली भारतीय कलाकार बनीं

अनुष्का सेन का नाम टीवी जगत की उन अभिनेत्रियों में शामिल है, जिन्होंने बहुत छोटी उम्र में इंडस्ट्री में ऊंचा मुकाम हासिल किया है।अब अनुष्का ने महज 22 साल की उम्र में इतिहास रच दिया है। दरअसल, अनुष्का न्यूयॉर्क के टाइम्स स्क्वायर में लाइव परफॉर्म करने वाली पहली भारतीय कलाकार बन गई हैं।अनुष्का ने हाल ही में न्यूयॉर्क शहर के टाइम्स स्क्वायर में मंच पर लाइव परफॉर्म किया है और वह ऐसा करने वाली पहली भारतीय कलाकार हैं।अनुष्का ने अपने करियर की शुरुआत साल 2009 में आया टीवी शो यहां मैं घर घर खेली के जरिए की थी।इसके बाद वह देवों के देव...महादेव, बालवीर, झांसी की रानी और अपना टाइम भी आएगा जैसे धारावाहिकों में नजर आईं।अनुष्का रियलिटी शो खतरों के खिलाड़ी के 11वें सीजन में भी दिखाई दे चुकी हैं।अनुष्का ने क्रेजी कुक्कड़ फैमिली, लिहाफ: द क्विल्ट और सम्मादिथि जैसी फिल्मों में भी काम किया है।

राम चरण ने आलिया भट्ट की जिगरा का तेलुगू ट्रेलर किया जारी

आरआरआर स्टार राम चरण ने आलिया भट्ट की आगामी फिल्म जिगरा का तेलुगू ट्रेलर जारी किया है। यह फिल्म 11 अक्टूबर को दशहरा के मौके पर बड़े पर्दे पर आ रही है। ट्रेलर साझा करते हुए गेम चेंजर एक्टर ने अपने आरआरआर को-स्टार के लिए एक प्यारा सा नोट भी लिखा है।राम चरण ने आलिया भट्ट स्टारर जिगरा का तेलुगू ट्रेलर जारी किया किया। इसके सुपरस्टार ने अपने सोशल मीडिया का सहारा लिया है। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम फिल्म का तेलुगू वर्जन में ट्रेलर जारी किया है। साथ ही जिगरा टीम को शुभकामनाएं दी है। राम चरण ने कैप्शन में जिगरा टीम के लिए लिखा है, जिगरा का ट्रेलर बिल्कुल अद्भुत लग रहा है जो आपको इमोशनल रोलरकोस्टर पर ले जाएगा। 11 अक्टूबर को ब्लॉकबस्टर रिलीज के लिए आलिया और पूरी टीम को शुभकामनाएं।राम चरण के इस पोस्ट आलिया भट्ट का रिएक्शन आया है। आरआरआर एक्ट्रेस ने राम चरण के इस पोस्ट अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर पोस्ट किया है और कैप्शन में लिखा है, आपका सपोर्ट बहुत मायने रखता है।26 सितंबर को जिगरा का हिंदी वर्जन में ट्रेलर लॉन्च किया गया था। जिगरा के ट्रेलर में एक बहन के अपने भाई को वापस लाने के संघर्ष को दिखाया गया है, जो एक विदेशी जेल में बंद है। फिल्म में वेदांग रैना आलिया भट्ट के भाई की भूमिका में हैं। फिल्म में आलिया सत्या का किरदार निभा रही है, जबकि व वेदांग उनके भाई अंकुर की।जिगरा 11 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। आलिया की फिल्म का मुकाबला राजकुमार राव और तृप्ति डिमरी स्टारर विक्की विद्या का वो वाला वीडियो से होगा। हालांकि, जिगरा के ट्रेलर से यह साफ हो जाता है कि यह भी एक ऐसी फिल्म है जिसे देखना चाहिए और यह दर्शकों के बीच सफल हो सकती है।

स्पेशल नोट के साथ टीम को दी शुभकामनाएं

अद्वय की डेब्यू फिल्म सुब्रमण्य का टीजर

भयानक घने जंगल में सांपों से घिरे दिखे एक्टर

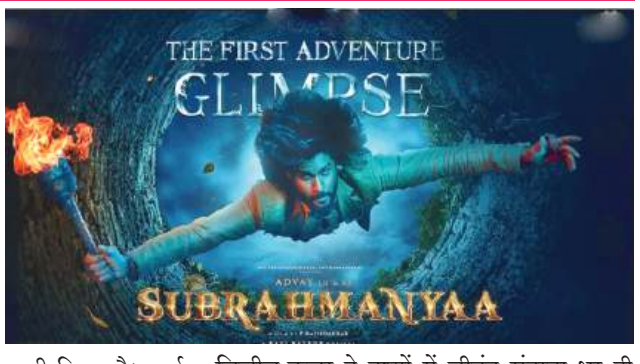

आगामी सोशियो फैंटेसी एडवेंचर फिल्म सुब्रह्मण्य ने अपनी शानदार झलक सुब्रह्मण्य झलक-द फर्स्ट एडवेंचर का अनावरण किया है, जिसने दर्शकों को विस्मय में डाल दिया है। एसजी मूवी क्रिएशन द्वारा निर्मित और पी रविशंकर द्वारा निर्देशित, यह फिल्म मुख्य भूमिका में अद्वय की पहली फिल्म है। दुबई में झलक का शुभारंभ किया गया, जिसमें शानदार दृश्य प्रभाव और एनीमेशन दिखाए गए हैं जो एक अद्वितीय सिनेमाई अनुभव का वादा करते हैं। झलक में अद्वय को ज़हरीले साँपों से भरे एक कुएँ में तैरते हुए, एक प्राचीन पुस्तक को पुन: प्राप्त करते हुए, और योद्धाओं की पोशाक पहने विशालकाय वानरों द्वारा पीछा किए जाते हुए दिखाया गया है। भगवान श्री राम की विशेषता वाला अंतिम शॉट विशेष रूप से प्रभावशाली है। अद्वय के अभिनय, विग्नेश राज के असाधारण कैमरा वर्क और रवि बसरूर के बेहतरीन बैकग्राउंड स्कोर ने अपार उत्साह पैदा किया है।साठ से ज़्यादा वीएफ़एक्स कलाकारों ने चार महीने तक अथक परिश्रम किया है और फ़िल्म के दृश्य मुंबई, हैदराबाद, बैंगलोर और चेन्नई के मशहूर स्टूडियो में तैयार किए गए हैं। कलर ग्रेडिंग पार्टनर रेड चिलीज़.कलर ने दृश्यों में जीवंत सुंदरता भर दी है। बड़े फ़ॉर्मेट में शूट की गई सुब्रह्मण्य एक रोमांचकारी असाधारण थ्रिलर का वादा करती है, जिसे तेलुगु, कन्नड़, तमिल, मलयालम और हिंदी में पूरे भारत में रिलीज़ किया जाएगा। सुब्रह्मण्य की तकनीकी टीम में निर्देशक के तौर पर पी रविशंकर, संगीतकार के तौर पर रवि बसरूर, सिनेमैटोग्राफर के तौर पर विग्नेश राज, एडिटर के तौर पर विजय एम कुमार और प्रोडक्शन डिज़ाइनर के तौर पर उल्लास हैदुर शामिल हैं। निर्माता थिरुमल रेड्डी और अनिल कडियाला, प्रस्तुतकर्ता श्रीमती प्रवीणा कडियाला और श्रीमती रामलक्ष्मी के साथ मिलकर इस भव्य प्रोजेक्ट को जीवंत करते हैं। अपनी मनमोहक काल्पनिक दुनिया और बेहतरीन दृश्यों के साथ सुब्रह्मण्य इस साल की सबसे ज़्यादा देखी जाने वाली फ़िल्मों में से एक बनने के लिए तैयार है।

43 की उम्र में नहीं थम रही श्वेता तिवारी की हॉटनेस

स्टनिंग फोटोशूट से बढ़ाया इंटरनेट का पारा

टीवी की हॉट एंड ब्यूटिफुल एक्ट्रेस श्वेता तिवारी आए दिन अपने लेटेस्ट लुक्स की तस्वीरें सोशल मीडिया पर पोस्ट कर अक्सर फैंस के बीच सुर्खियां बटौरती रहती हैं। उनका बोल्ड लुक इंटरनेट पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच साझा की हैं। इन तस्वीरों में उनका मदमस्त अंदाज देखकर फैंस उनके लुक की तारीफ करते नहीं थक रहे हैं।टीवी एक्ट्रेस श्वेता तिवारी अपनी खूबसूरती और ग्लैमर अंदाज से फैंस का दिल चुराना अच्छे से जानती हैं। ये ही नहीं एक्ट्रेस जब भी अपना लेटेस्ट लुक फैंस के बीच शेयर करती हैं तो वो चंद ही मिनटों में वायरल होने लगता है।अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपनी बेहद स्टनिंग फोटोज इंस्टाग्राम अकाउंट पर साझा की हैं। इन तस्वीरों में उनकी शोख अदाएं देखकर फैंस मंत्रमुग्ध हो गए हैं। वहीं, उनके इस लुक को देखकर फैंस खुद को लाइक्स और कॉमेंट्स करने से नहीं रोक पा रहे हैं।इन फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस श्वेता तिवारी ने ऑरेंज कलर का स्टाइलिश आउटफिट पहना हुआ है, जिसमें वो एक से बढ़कर एक सिजलिंग अंदाज में पोज देते हुए इंटरनेट का पारा गर्म कर रही हैं।बालों को वेवी स्टाइल लुक में कर्ल कर के, कानों में इयररिंग्स, लाइट मेकअप और न्यूड शेड लिप्सटिक लगाकर एक्ट्रेस श्वेता तिवारी ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है।फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस श्वेता तिवारी चेहरे पर प्यारी सी स्माइल देते हुए फैंस के दिलों पर खंजर चला रही हैं। उनका ये कातिलाना अंदाज देखकर फैंस बेकाबू हो गए हैं।बता दें कि एक्ट्रेस 43 साल की हो गई हैं। उनके देखकर अब भी कोई यह अंदाजा नहीं लगा पाएगा की वह दो बच्चों की मां हैं। श्वेता तिवारी ने खुद को काफी फिट कर के रखा हुआ है। इसलिए बढ़ती हुई उम्र में भी वो और ज्यादा खूबसूरत लगती है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज आप घर से बाहर तो बहुत सकारात्मकता के साथ निकलेंगे लेकिन किसी कीमती वस्तु के चोरी होने की वजह से आपका मूड ख़राब हो सकता है। परिवार के सदस्यों का आपके जीवन में विशेष महत्व होगा। अपनी बातों को सही साबित करने के लिए आज के दिन आप अपने संगी से झगड़ सकते हैं। ऑफिस में आज आपको स्थिति को समझते हुए ही व्यवहार करना चाहिए। अगर आपका बोलना जरुरी नहीं है तो चुप रहें, कोई भी बात जबरदस्ती बोलकर आप खुद को परेशानी में डाल सकते हैं। लोग आपके बारे में क्या सोचते हैं आज आपको इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ेगा। बल्कि आज आप खाली समय में किसी से मिलना जुलना भी पसंद नहीं करेंगे और एकांत में आनंदित रहेंगे।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

अपने मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान दें, जो आध्यात्मिक जीवन के लिए आवश्यक है। आपके भाई-बहनों में से कोई आज आपसे पैसे उधार मांग सकता है, आप उनको पैसे उधार तो दे देंगे लेकिन इससे आपके आर्थिक हालात खराब हो सकते हैं। बच्चे भविष्य की योजनाएँ बनाने की अपेक्षा घर के बाहर ज़्यादा समय बिताकर आपको निराश कर सकते हैं। अपने प्रिय की ईमानदारी पर शक न करें। कार्यालय में सबकुछ आपके पक्ष में जाता नज़र आ रहा है। आपको ख़ुश करने के लिए आपका जीवनसाथी काफ़ी कोशिशें कर सकता है।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

ख़ुशी से भरा अच्छा दिन है। जिन लोगों को आप जानते हैं, उनके ज़रिए आपको आमदनी के नए स्रोत मिलेंगे। एक ख़ुशनुमा और बढ़िया शाम के लिए आपका घर मेहमानों से भर सकता है। आप अचानक गुलाबों की ख़ुश्बू से ख़ुद को सराबोर पाएंगे।कार्यालय में कोई आपको कुछ बढ़िया चीज़ या ख़बर दे सकता है। आज अपने लिए वक्त निकालकर अपने जीवनसाथी के साथ आप कहीं घूमने जा सकते हैं। हालांकि इस दौरान आप दोनों के बीच थोड़ी बहुत कहासुनी हो सकती है। वैवाहिक जीवन के मोर्चे पर यह दिन वाक़ई बहुत बढ़िया है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

अपनी शारीरिक चुस्ती-फुर्ती को बनाए रखने के लिए आप आज का दिन खेलने में व्यतीत कर सकते हैं। माता या पिता की सेहत पर आपको आज बहुत धन खर्च करना पड़ सकता है। आपके परिवार वाले किसी छोटी-सी बात को लेकर राई का पहाड़ बना सकते हैं। आपका कोई खास ही आज आपके साथ विश्वासघात कर सकता है। जिसकी वजह से आप दिनभर परेशान रह सकते हैं। आज घर के लोगों के साथ बातचीत करते दौरान आपके मुंह से कोई ऐसी बात निकल सकती है जिससे घर के लोग नाराज हो सकते हैं। आपका जीवनसाथी आपको प्यार का एहसास देना चाहता है, उसकी मदद करें।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज आप अपने घर के वरिष्ठ जनों से पैसे की बचत करने को लेकर कोई सलाह ले सकते हैं और उस सलाह को ज़िंदगी में जगह भी दे सकते हैं. परिवार के साथ सामाजिक गतिविधियों में सहभागिता काफ़ी मानसिक दबाव पैदा कर सकती है। आपका हमदम आपको पूरे दिन याद करता रहेगा। दफ़्तर में आपको पता लग सकता है कि जिसे आप अपना दुश्मन समझते थे, वह दरअस्ल आपका शुभचिंतक है। आज के दिन अधिकांश समय ख़रीदारी और दूसरी गतिविधियों में जाएगा।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

ख़ुशी से भरा अच्छा दिन है। दिन की शुरुआत भले ही अच्छी हो लेकिन शाम के वक्त किसी वजह से आपका धन खर्च हो सकता है जिससे आप परेशान होंगे। मुमकिन है कि परिवार वाले आपकी उम्मीदों को पूरा न कर सकें। इस बात कि इच्छा न करें कि ये आपके मुताबिक काम करेंगे, बल्कि अपने काम करने का तरीक़ा बदलकर पहल करें। दिन को ख़ास बनाने के लिए स्नेह और उदारता के छोटे-छोटे तोहफ़े लोगों को दें। अपनी नौकरी से चिपके रहिए और दूसरों से उम्मीद मत कीजिए कि वे आकर आपकी मदद करेंगे। आध्यात्मिक गुरु से मिलने जा सकते हैं।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज आपको बेवजह पैसा खर्च करने से खुद को रोकना चाहिए नहीं तो जरुरत के समय आपके पास पैसे की कमी हो सकती है। कुछ समय आप अपने शौक़ और अपने परिवार वालों की मदद में भी ख़र्च कर सकते हैं। रोमांस के लिए बढ़ाए गए क़दम असर नहीं दिखाएंगे। आज फ़ायदा हो सकता है, बशर्ते आप अपनी बात भली-भांति रखें और काम में लगन व उत्साह दिखाएँ। अगर आज आप यात्रा कर रहे हैं तो आपको अपने सामान की अतिरिक्त सुरक्षा करने की ज़रूरत है। रिश्तेदारों के चलते जीवनसाथी से वाद-विवाद हो सकता है, लेकि आख़िर में सब ठिक हो जाएगा।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

धन आपके लिए ज़रुरी है लेकिन धन को लेकर इतने संजीदा न हो जाएं कि अपने रिश्तों को ही ख़राब कर दें। ऐसे दोस्तों के साथ बाहर जाएँ, जो सकारात्मक और मददगार स्वभाव के हैं। आप साथ में कहीं घूमने-फिरने जाकर अपने प्रेम-जीवन में नयी ऊर्जा का संचार कर सकते हैं। चंद्रमा की स्थिति को देखते हुए यह कहा जा सकता है कि आज आपके पास काफी खाली वक्त होगा मुमकिन है कि आपके माता-पिता आपके जीवनसाथी को कुछ शानदार आशीर्वाद दें, जिसके चलते आपके वैवाहिक जीवन में और निखार आएगा।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

अपना तनाव दूर करने के लिए परिवार वालों की मदद लें। उनकी सहयता को खुले दिल से स्वीकारें। अपनी भावनाओं को दबाएँ और छुपाएँ नहीं। अपने जज़्बात दूसरों के साथ साझा करने से फ़ायदा मिलेगा। इस राशि के विवाहित जातकों को आज ससुराल पक्ष से धन लाभ होने की संभावना है। अपने परिवार की भलाई के लिए मेहनत करें। आज के दिन आप कार्यक्षेत्र में कुछ बढ़िया कर सकते हैं। बातों को सही तरीके से समझने का आज आपको प्रयास करना चाहिए नहीं तो इसकी वजह से आप खाली समय में इन्हीं बातों के बारे में सोचते रहेंगे और अपना समय बर्बाद करेंगे।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

दोस्तों की मदद से वित्तीय कठिनाईयां हल हो जाएंगी। ऐसा लगता है कि पारिवारिक-मोर्चे पर आप ज़्यादा ख़ुश नहीं हैं और कुछ अड़चनों का सामना कर रहे हैं। प्यार-मोहब्बत के लिहाज़ से दिन थोड़ा मुश्किल रहेगा। आपकी कड़ी मेहनत और निष्ठा ख़ुद आपके लिए बोलेगी व दूसरों का विश्वास और सहयोग आपको हासिल होगा। बातों को सही तरीके से समझने का आज आपको प्रयास करना चाहिए नहीं तो इसकी वजह से आप खाली समय में इन्हीं बातों के बारे में सोचते रहेंगे और अपना समय बर्बाद करेंगे। रिश्तेदारों का दख़ल शादीशुदा ज़िन्दगी में परेशानी पैदा कर सकता है।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आपके भाई-बहनों में से कोई आज आपसे पैसे उधार मांग सकता है, आप उनको पैसे उधार तो दे देंगे लेकिन इससे आपके आर्थिक हालात खराब हो सकते हैं। अगर आप हर किसी की मांग पूरी करने की कोशिश करेंगे, तो सिर्फ़ नाकामी आपके हाथ लगेगी। अपनी कार्यकुशलता बढ़ाने के लिए नयी तकनीकों का सहारा लें। आज जीवनसाथी के साथ खाली वक्त बिताते समय आपको लगेगा कि आपको उन्हें और भी वक्त देना चाहिए। बढ़िया खाना, रोमानी पल और जीवनसाथी का साथ यही ख़ास है आज।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज आपका स्वास्थ्य दुरुस्त रहने की पूरी उम्मीद है। अपने अच्छे स्वास्थ्य के चलते आज आप अपने दोस्तों के साथ खेलने का प्लान बना सकते हैं। कोई बेहतरीन नया विचार आपको आर्थिक तौर पर फ़ायदा दिलायेगा। आपकी प्रेम कहानी आज एक नया मोड़ ले सकती है, आपका साथी आज आपसे शादी को लेकर बात कर सकता है। ऐसे में कोई भी फैसला लेने से पहले आपको विचार अवश्य करना चाहिए। दिन को कैसे अच्छा बनाया जाए इसके लिए आपको अपने लिए भी समय निकालना सीखना होगा।

मंगलवार का पंचांग

दिनांक : 01 अक्टूबर 2024 , मंगलवार
विक्रम संवत : 2081
मास : आश्विन , कृष्ण पक्ष
तिथि : चतुर्दशी रात्रि 09:42 तक
नक्षत्र : पूर्वाफाल्गुनी प्रात: 09:16 तक
योग : शुक्ल रात्रि 02:16 तक
करण : विष्टि प्रात: 08:24 तक
चन्द्रराशि : सिंह सायं 04:03 तक
सूर्योदय : 06:06, सूर्यास्त 06:04 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:09 , सूर्यास्त 06:09 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:01, सूर्यास्त 06:01 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:57 , सूर्यास्त 05:56 (विजयवाडा)
शुभ चौघड़िया
चल : 09:00 से 10:30
लाभ : 10:30 से 12:00
अमृत : 12:00 से 01:30
राहुकाल : सायं 03:00 से 04:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : श्राद्धादिहतानाम् श्राद्ध, भद्रा प्रात: 08:22 तक

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

बागियों ने उड़ाई कांग्रेस-भाजपा की नींद, बिगाड़े दोनों दलों के समीकरण

हरियाणा की आठ सीटों पर मुकाबला हुआ त्रिकोणीय

चंडीगढ़, 30 सितंबर (एजेंसियां)। हरियाणा विधानसभा चुनाव में जीत के लिए सभी राजनीतिक दल पूरी ताकत झोंके हुए हैं। हालांकि बागी नेता जरूर कांग्रेस और भाजपा के सामने मुश्किलें खड़ी कर रहे हैं। आलम ये है कि जिन सीटों पर पहले मुकाबला सीधे तौर पर कांग्रेस और भाजपा के बीच था, वहां पर बागी निर्दलीय उम्मीदवार परेशानी खड़ी कर रहे हैं। आधा दर्जन से अधिक सीटों पर कांटे का मुकाबला अब त्रिकोणीय हो रहा है, जिससे दोनों ही पार्टियों के प्रत्याशियों के पसीने छूट रहे हैं।

अंबाला कैंट से कांग्रेस का टिकट न मिलने के बाद चित्रा सरवारा निर्दलीय चुनाव लड़ रही हैं और कांग्रेस के समीकरण बिगाड़ रही हैं। कांग्रेस ने यहां परमिंद्र परी को प्रत्याशी बनाया है, लेकिन चित्रा के निर्दलीय मैदान में उतरने से कांग्रेस को नुकसान उठाना पड़ रहा है। सरवारा को कांग्रेस मनाने की कोशिश इसलिए भी नहीं कर रही है, क्योंकि पार्टी पहले ही उनको छह साल के लिए निष्कासित कर चुकी है। चित्रा मजबूती के साथ चुनाव लड़ रही हैं और मुकाबला त्रिकोणीय बना रही हैं, जिससे पूर्व गृह मंत्री अनिल विज को फायदा होता दिख रहा है।

रणदीप सुरजेवाला के समर्थक सतबीर भाणा को कांग्रेस से टिकट नहीं मिला तो वे कांग्रेस प्रत्याशी पूर्व सीपीएस सुलतान जडौला के सामने निर्दलीय उतर गए। कांग्रेस से ही टिकट के दावेदार पूर्व विधायक रणधीर गोलन भी यहां से निर्दलीय मैदान में हैं। लेकिन ऐन मौके पर गोलन ने जड़ौला को समर्थन कर दिया। अब भाणा मुकाबले को रोचक बना रहे हैं। पहले यहां मुकाबला सीधे तौर पर कांग्रेस और भाजपा के बीच था, लेकिन भाणा अब मुकाबले में आ रहे हैं। इससे कांग्रेस प्रत्याशी की परेशानी बढ़ रही है। इनके साथ कैथल की गुहला चीका सीट से कांग्रेस का टिकट न मिलने से नरेश ढांडे निर्दलीय मैदान में हैं और कांग्रेस के देवेंद्र हंस को ही टक्कर देते नजर आ रहे हैं। ढांडे के पिता अमर सिंह ढांडे पहले यहां से विधायक रहे हैं और उनकी शहर के साथ-साथ गांवों में अच्छी पकड़ है।

पानीपत सिटी सीट से कांग्रेस की बागी रोहिता रेवड़ी और पानीपत ग्रामीण से विजय जैन भी मुकाबले को रोमांचक बना रहे हैं। सिटी में कांग्रेस प्रत्याशी वीरेंद्र शाह और ग्रामीण में सचिन कुंडू की मुश्किलें लगातार बढ़ रही हैं। रेवड़ी पहले विधायक रह चुकी हैं और शहर में उनका अच्छा खासा वोट बैंक है। इसी प्रकार जैन भी राजनीतिक परिवार से हैं और उनके पिता का पुराना रसूख काम आ रहा है। जैसे-जैसे मतदान की तिथि नजदीक आ रही है तो दोनों ताबड़तोड़ प्रचार में जुटे हैं, लेकिन कांग्रेस प्रत्याशियों की बेचैनी बढ़ा रहे हैं, क्योंकि दोनों कांग्रेस के वोट काट रहे हैं। वहीं लाडवा से भाजपा के टिकट के दावेदार संदीप गर्ग निर्दलीय मैदान में हैं। यहां से भाजपा से सीएम नायब सिंह सैनी मैदान में हैं। तमाम कोशिशों के बावजूद संदीप गर्ग पीछे नहीं हट रहे और मजबूती के साथ प्रचार कर रहे हैं। खासकर वह वैश्य समाज में मजबूत पकड़ बनाए हुए हैं। मंडी में अच्छी पकड़ होने के चलते उनके साथ अन्य वर्ग के मतदाताओं के भी आने की संभावना है। जैसे-जैसे गर्ग प्रचार को धार दे रहे हैं, यहां मुकाबला त्रिकोणीय होने के आसार बन रहे हैं। इसका खतरा नायब सैनी और कांग्रेस प्रत्याशी मेवा सिंह को है।

गन्नौर सीट से देवेंद्र कादियान भाजपा के टिकट के प्रबल दावेदार थे, लेकिन ऐन मौके पर पूर्व सांसद रमेश कौशिक के भाई देवेंद्र कौशिक को भाजपा ने मैदान में उतार दिया। विरोध में देवेंद्र कादियान ने निर्दलीय चुनाव लड़ने की ठानी। इस समय कादियान धुआंधार प्रचार कर रहे हैं। गांवों में उनकी अच्छी पकड़ है। ऐसे में उनका बढ़ता प्रचार भाजपा समेत कांग्रेस प्रत्याशी और पूर्व स्पीकर कुलदीप शर्मा की भी परेशानी बढ़ा रहा है। वहीं असंध सीट से भाजपा का टिकट न मिलने के बाद निर्दलीय जिलेराम शर्मा भाजपा के प्रत्याशी योगेंद्र राणा की परेशानी बढ़ा रहे हैं। हालांकि, केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने उनको मनाने की कोशिश की, लेकिन जिलेराम नहीं माने। हाल ही में उनके बारे में अफवाह भी उड़ाई गई कि उन्होंने भाजपा को समर्थन दे दिया है, लेकिन शर्मा ने इस खबर का खंडन करते हुए जोरदार तरीके से चुनाव लड़ने का दावा किया है। भाजपा को यहां जट सिख चेहरे शमशेर गोगी कड़ी टक्कर दे रहे हैं, ऐसे में अगर गैर जाट मतदाताओं के वोट जिलेराम को मिले तो सीधे तौर पर योगेंद्र राणा को इसका खामियाजा भुगतना पड़ेगा।

निर्दलीयों और छोटे दलों का नियंत्रण भाजपा के पास: राहुल गांधी

अंबाला, 30 सितंबर (एजेंसियां)। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने सोमवार को निर्दलीयों और छोटे दलों का नियंत्रण भाजपा के हाथ में होने का आरोप लगाया और लोगों से सोच-समझकर वोट करने का आह्वान किया।

श्री गांधी नारायणगढ़ में चुनावी सभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने आरोप लगाया कि नरेंद्र मोदी सरकार की वजह से आज देश में दो हिन्दुस्तान बन गये हैं। एक अडाणी-अंबानी जैसे बड़े पूंजीपतियों का, जो सिर्फ पांच प्रतिशत लोगों के लिये है, तो दूसरी तरफ 95 प्रतिशत गरीब, मजदूर, किसान, दलित, पिछड़े वर्ग का हिन्दुस्तान है। उन्होंने आरोप लगाया कि मोदी सरकार 95 प्रतिशत लोगों की जेब से पैसा खींचकर अपने चंद अरबपति दोस्तों की जेब में डाल रही है।

श्री गांधी इसके बाद अंबाला, यमुनानगर और कुरुक्षेत्र जिले की विजय संकल्प यात्रा पर सड़क मार्ग से निकले। उनके साथ कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी, कांग्रेस महासचिव के सी वेणुगोपाल, पूर्व मुख्यमंत्री और विपक्ष के नेता भूपेंद्र सिंह हुड्डा, सिरसा से सांसद कुमारी सैलजा और कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष उदयभान भी थे।

श्री गांधी ने आरोप लगाया कि भाजपा के 10 साल में हरियाणा से रोजगार खत्म हो गया है। युवा मजबूरी में खेत बेचकर और मोटे ब्याज पर 50 लाख रुपये तक लेकर जंगलों एवं समुद्र के रास्ते डंकी रूट से विदेश जा रहे हैं। किसानों की जमीनें विकास के नाम पर छीनी जा रही हैं, लेकिन पूंजीपतियों की जमीन कभी सरकार नहीं लेती। किसानों पर तीन काले कानून थोपे गये तो मजबूरन किसानों को सड़क पर उतरना पड़ा। उन्होंने कहा कि किसान, मजदूर और मध्यम वर्ग के बच्चे फौजी बनकर बॉर्डर पर जाते थे, तो वहां भी भाजपा ने उन्हें ठगने का काम किया है और अग्निवीर के नाम पर मोदी ने फौजियों की पक्की नौकरी और पेंशन छीन ली। उन्होंने कहा कि जाति जनगणना करवाकर हम यह देखना चाहते हैं कि किस जाति के कितने लोग हैं और उनका कितना हक मिल रहा है। आज देश को चलाने वाले 90 अफसरों में से केवल तीन ओबीसी हैं। बजट के 100 रुपये में से केवल एक रुपया दलित अफसर के हाथ में हैं। 250 बड़ी कंपनियों में कोई दलित मुख्य कार्यकारी अधिकारी नहीं है।

कांग्रेस ने आठ और बागियों को किया निष्कासित

चंडीगढ़, 30 सितंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस ने हरियाणा विधानसभा चुनाव में बागियों के खिलाफ कार्रवाई का सिलसिला जारी रखते हुए सोमवार को आठ बागियों को निष्कासित किया।

प्रदेश पार्टी अध्यक्ष उदय भान के यहां जारी बयान के अनुसार इनमें चित्रा सरवरा, सतविन्दर राणा, कपूर सिंह नरवाल, मनोज कोसलिया, अजित गुलिया, शारदा राठोर, ललित नागर और सतबीर भाना शामिल हैं। इससे पूर्व रविवार को वीरेंद्र गोगरिया और सोमवीर घोसाला को निष्कासित किया गया था और पिछले सप्ताह पार्टी ने 13 बागियों के खिलाफ कार्रवाई की थी, यानी पार्टी अब तक लगभग 25 बागियों को निष्कासित कर चुकी है।

उन्होंने आरोप लगाया कि ये सच्चाई जनता के सामने न आ सके, इसलिये भाजपा जाति जनगणना का विरोध कर रही है।

उन्होंने कहा कि आज हरियाणा के छोटे दलों और निर्दलीय उम्मीदवारों का नियंत्रण भाजपा के हाथ में है। इसलिये उनसे सावधान रहने की जरूरत है। चुनावी लड़ाई सीधे कांग्रेस और भाजपा के बीच है। अपने संबोधन में प्रियंका गांधी ने कहा कि हरियाणा की धरती से श्रीकृष्ण जी ने गीता में न्याय का उपदेश दिया।

जवान, किसान और पहलवान तय कर सकते हैं, हरियाणा चुनाव की दिशा एवं दशा

चंडीगढ़, 30 सितंबर (एजेंसियां)। हरियाणा विधानसभा चुनाव में बिजली, सड़क, पानी के बजाय इस बार जवान, किसान और पहलवान छाए हुए हैं और यह मुद्दे चुनाव की दशा और दिशा तय कर सकते हैं।

बेरोजगारी के संकट से जूझ रहे हरियाणा में सेना में संविदा पर भर्ती की योजना अग्निपथ ने जवानों को केंद्र में लाया है और जहां कांग्रेस ने इस योजना के बहाने भाजपा पर लगातार निशाना साधा है कि जवानों से पेंशन छीनने के लिये यह योजना लायी गयी है, वहीं भाजपा ने हरियाणा के अग्निवीरों को पेंशन वाली नौकरी देने का वायदा कर डैमेज कंट्रोल की कोशिश की है। बाद में, कांग्रेस ने भी घोषणापत्र में अग्निवीरों को सरकारी नौकरी का वादा किया। बेरोजगारी के मुद्दे पर दोनों पार्टियों ने दो लाख नौकरियां देने के वायदे समेत कई वायदे किए हैं। भाजपा अपने 10 साल के कार्यकाल में बिना खर्ची-पर्ची नौकरी देने का दावा कर रही है और कांग्रेस पर नौकरियों में भ्रष्टाचार करने का आरोप लगा रही है तो कांग्रेस पेपर लीक की घटनाओं को लेकर भाजपा को घेरने की

कोशिश कर रही है। अकुशल/अर्धकुशल कर्मियों की इज़राइल में भर्ती हो या यूक्रेन-रूस युद्ध में जा फंसने अथवा डंकी रूट से विदेश जाने की घटनाओं को कांग्रेस बेरोजगारी के मुद्दे से जोड़ रही है, लेकिन बेरोजगारी के मुद्दे में मुख्य ध्यान अग्निवीर ही बन गए हैं।

किसान पर फोकस कृषि कानूनों के खिलाफ किसानों के दिल्ली सीमाओं पर 2020-21 में आंदोलन से बना। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार ने हालांकि कृषि कानून वापस ले लिए लेकिन किसानों का रोष बना रहा, जिसके कारणों में किसानों से किए समझौते का पालन न करना, न्यूनतम समर्थन मूल्य का गारंटी कानून न बनाना, किसानों पर किए मुकदमे वापस न लेना आदि हैं। किसान आंदोलन-2 के दौरान हरियाणा सरकार द्वारा किसानों को दिल्ली जाने से रोकने के लिये सीमाएं सील करना और बल प्रयोग करना भी किसानों के रोष का कारण है।

चिकित्सा शिक्षा सचिव ने छह चिकित्सा महाविद्यालयों के कार्यों की समीक्षा की

जयपुर, 30 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में चिकित्सा शिक्षा सचिव अम्बरीष कुमार ने कहा है कि चिकित्सा महाविद्यालयों एवं उनसे जुड़े अस्पतालों की विभिन्न समस्याओं को दूर करके प्रबंधन को और सुदृढ़ किया जायेगा।

श्री अम्बरीष कुमार ने सोमवार को स्वास्थ्य भवन में आयोजित बैठक में राज्य के छह चिकित्सा महाविद्यालयों के कार्यों की समीक्षा करते हुये कहा कि इन अस्पतालों को रोगी मित्रवत बनाने के साथ ही उच्च स्तरीय उपचार उपलब्ध करवाने के लिये प्रभावी प्रयास सुनिश्चित किये जायेंगे। उन्होंने कहा कि आमजन के स्वास्थ्य और जनसेवा से जुड़े इन संस्थानों के उन्नयन के लिये राज्य सरकार प्रतिबद्ध है। विभाग के सभी अधिकारी एवं चिकित्सक संकल्पित एवं समन्वित प्रयासों से चिकित्सा महाविद्यालयों एवं संबद्ध अस्पतालों की व्यवस्थाओं को बेहतर बनायें। श्री अम्बरीष कुमार ने कहा कि सभी अधिकारी बजट घोषणाओं के तहत होने वाले कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुये उन्हें निर्धारित समयावधि में पूरा करने का प्रयास करें, जिन बजट घोषणाओं में राज्य सरकार से प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति प्राप्त की जानी हैं, उनके प्रस्ताव शीघ्र भिजवाये जायें। इसमें किसी तरह का विलम्ब नहीं हो। उन्होंने विभिन्न बजट घोषणाओं की समीक्षा करते हुये उनकी प्रगति के बारे में विस्तार से जानकारी ली।उन्होंने कहा कि सभी चिकित्सा महाविद्यालयों से सम्बद्ध अस्पतालों में रखरखाव और अन्य कार्यों के लिये निविदा प्रक्रियायें शीघ्र पूरी की जायें। निविदा प्रक्रियाओं में पूर्ण पारदर्शिता रखी जाये। साथ ही, यह भी सुनिश्चित किया जाये कि अस्पतालों में होने वाले कार्य गुणवत्तापूर्ण हों। चिकित्सा शिक्षा आयुक्त इकबाल खान ने चिकित्सा महाविद्यालयों एवं संबद्ध अस्पतालों के कार्यों, विभिन्न विषयों एवं बजट घोषणाओं की प्रगति आदि के बारे में अवगत कराया।

आरआईपीएस पर्यटन एवं आतिथ्य उद्योग के लिए वरदान साबित होगी: दिया कुमारी

जयपुर, 30 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान की मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा कि राजस्थान पर्यटन एवं आतिथ्य संघ (एफएचटीआर) ने राज्य सरकार द्वारा घोषित राजस्थान निवेश प्रोत्साहन योजना (आरआईपीएस) के प्रति आभार जताया है, इससे जाहिर है कि यह योजना राज्य के पर्यटन और आतिथ्य उद्योग के लिये अत्यंत महत्वपूर्ण साबित होगी।

एफएचटीआर दल ने योजना की घोषणा के बाद सोमवार को उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी से मुलाकात करके आभार व्यक्त किया। इस मौके पर एफएचटीआर के अध्यक्ष कुलदीप सिंह चंदेला जो वर्तमान में बुडापेस्ट में हैं, ने उप-मुख्यमंत्री दीया कुमारी को पर्यटन को एक नये स्तर पर ले जाने के उनकी दूरदृष्टि के लिये धन्यवाद दिया। एफएचटीआर के सचिव वीरेंद्र सिंह शेखावत ने योजना की सराहना करते हुये कहा, सरकार ने इस उद्योग के हितधारकों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए इस योजना को जारी किया है और आतिथ्य एवं पर्यटन क्षेत्र के संगठनों द्वारा दिये गये सुझावों को नीति में शामिल किया। एफएचटीआर ने दीया कुमारी के पर्यटन को बढ़ावा देने वाले प्रयासों की भी सराहना की। महासंघ ने कहा कि आरआईपीएस से निजी निवेश को प्रोत्साहन मिलेगा और पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा।

तेंदुए के हमले से पुजारी की मौत अब तक ली छह लोगों की जान

उदयपुर, 30 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में उदयपुर जिले के गोगुन्दा थाना क्षेत्र में आदमखोर तेंदुए के हमले में मंदिर के पुजारी की मौत हो गई। इस क्षेत्र में पिछले 15 दिन में तेंदुए के हमले में हुई यह छठी मौत है।

पुलिस ने बताया कि क्षेत्र के राठोडों का गुडा में गत रात्रि मंदिर में सो रहे पुजारी विष्णु महाराज को दबोच कर तेंदुआ जंगल में ले गया। घटना की सूचना लोगों को सुबह मिलने पर पुलिस एवं वन विभाग के कार्मिकों के साथ विष्णु महाराज की तलाश की तो मदिर से करीब 300 मीटर दूर जंगल में उसका क्षत विक्षत शव बरामद हुआ। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर गोगुन्दा सामुदायिक चिकित्सालय के मुर्दाघर में रखवाया है। गौरतलब है कि इस क्षेत्र में तेंदुए का आतंक बना हुआ है। तेंदुए ने गत 18 सितम्बर को मवेशी चराने गयी किशोरी कमला का पहला शिकार किया था। इसके बाद लगातार आदमखोर तेंदुआ शिकार कर रहा है और गत रात्रि विष्णु महाराज उसका छठा शिकार बने हैं। प्रशासन की ओर से भी क्षेत्रवासियों को सूचित किया गया है कि वह अपने घरों से अकेले बाहर नहीं निकले और सावधान रहें।

पादरू जैन आर्गेनाइजेशन का जल्द राष्ट्रीय स्तर पर होगा विस्तार

बाड़मेर, 30 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। राजस्थान के बाड़मेर जिले के पादरू नगर में आखिल भारतीय पादरू जैन आर्गेनाइजेशन के गठन हेतु श्री पादरू जैन संघ, पादरू एवं देश के विभिन्न क्षेत्रों से आए हुए युवाओं के साथ सभा सम्पन्न हुई। सभा में आखिल भारतीय पादरू जैन आर्गेनाइजेशन का गठन का शुभारंभ श्री पादरू जैन संघ की आज्ञा से किया गया। बैनर का विमोचन श्री संघ के गणमान्य

व्यक्तियो द्वारा किया गया। श्री संघ ने सभी को आर्शिवाद देकर आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। अशोक संकलेचा ने बताया कि पीजीओ का विस्तार राष्ट्रीय स्तर पर जल्द किया जाएगा।

भाजपा की डबल इंजन सरकार ने जो कहा वह पूरा किया और पूरा करेंगे: राठौड़

जयपुर, 30 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा है कि यह भाजपा की डबल इंजन सरकार है, जो कहा है, वह पूरा किया है और आगे भी पूरा करेगी।

श्री राठौड ने सोमवार को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की कैबिनेट बैठक में किए गए फैसलों को ऐतिहासिक बताया और कहा कि प्रदेश की पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार ने बेरोजगार युवकों को समय पर नौकरी नहीं दी थी, जबकि सरकारी विभागों में अनेक पद रिक्त थे। भाजपा सरकार ने बेरोजगारों के हितों को ध्यान में रखते हुए विभागों में छानबीन की तो कई पद रिक्त पाए गए। ऐसे में सरकार ने कैबिनेट में तत्काल निर्णय करते हुए एक साथ 90 हजार युवकों को सरकारी नौकरी देने का सराहनीय कार्य किया है।

उन्होंने कहा कि सरकारी विभागों में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों के 60 हजार रिक्त पदों पर भर्ती प्रक्रिया शुरू करने के साथ शैक्षणिक योग्यता 10वीं करने का भी फैसला किया है। भर्ती परीक्षा में साक्षात्कार के साथ लिखित परीक्षा करवाने से भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता आयेगी। वहीं शैक्षणिक योग्यता 10वीं करने से कार्य में कुशलता भी देखने को मिलेगी।

मुजफ्फरपुर में गंडक नदी का जलस्तर उफान पर, बागमती खतरे के निशान के पार

कई प्रखंडों में हाई अलर्ट

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)।

नेपाल और तराई क्षेत्र में लगातार हो रही भारी बारिश की वजह से मुजफ्फरपुर जिले में बागमती नदी खतरे के निशान को पार कर गई है। वहीं, अब गंडक नदी के जलस्तर में भी काफी बढ़ोतरी हो गई है। इस वजह से जिले में एक बार फिर से बाढ़ का संकट बढ़ गया है।

इस स्थिति को देखते हुए मुजफ्फरपुर जिला प्रशासन ने अलर्ट जारी किया है और बड़ी तैयारी में जुटा हुआ है। बागमती नदी से जहां औराई प्रखंड और कटरा प्रखंड क्षेत्र में लगातार बढ़ोतरी से संकट बढ़ गया है। वहीं, गायघाट प्रखंड में भी बाढ़ का खतरा मंडराने लग गया है। इसके साथ गंडक नदी का जलस्तर बढ़ने से जिले के तीन प्रमुख प्रखंड साहेबगंज, सरैया, और पारू के इलाकों की बाढ़ से प्रभावित होने की संभावना भी बढ़ गई है। इसे लेकर जिला प्रशासन ने आपदा प्रबंधन विभाग को

अलर्ट जारी करते हुए मौके पर कैंप करने के निर्देश दिए हैं।

मुजफरपुर जिला प्रशासन ने इसे देखते हुए बाढ़ प्रभावित क्षेत्र के निचले इलाकों में रहने वाले लोगों को सतर्क रहने के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही तटबंधों की विशेष निगरानी की जा रही है। खासकर कटाव संभावित क्षेत्रों में हर एक किमी के दायरे में कर्मियों की प्रतिनियुक्ति की गई है, ताकि किसी भी बड़ी आपात स्थिति से निपटा जा सके और लोगों को अविलंब मदद दी जा सके। इसके लिए अंचल अधिकारी को लगातार निगरानी करने के साथ स्थिति की जानकारी अविलंब ही कंट्रोल रूम को देने के लिए कहा गया है।

मुजफ्फरपुर जिले में बाढ़ के खतरे को देखते हुए जिला प्रशासन ने अपनी एसडीआरएफ की टीम के अलावा गया जिले से टीम को बुलवाया जा रहा है। इसके साथ ही अतिरिक्त नाव का प्रबंध किया गया है, जिनमें कुल निजी नाव 350 से अधिक जबकि 50 से अधिक सरकारी नाव का इंतजाम किया गया है। इसके साथ-साथ ही तटबंध पर निचले हिस्से में बाढ़ के खतरे को देखते हुए लोगों के लिए प्लास्टिक और पॉलीथीन का भी प्रबंध किया गया है, ताकि राहत में इसका इस्तेमाल किया जा सके।

इसके साथ ही मूवमेंट के लिए मोटरवोट का इंतजाम किया गया है। जहां पर खतरे की कोई भी संभावना होगी, वहां पर टीम द्वारा लगातार कार्रवाई की जाएगी। इसके साथ ही लोगों के रहने के लिए टेंट की व्यवस्था का पुख्ता इंतजाम किया गया है, जो कि अलग-अलग प्रखंड में किए जा रहे हैं।

बाढ़ के बने हुए हालात को देखते हुए एडीएम आपदा प्रबंधन विभाग मनोज कुमार ने बताया कि बाल्मीकि नगर बैराज से छोड़े गए पानी के बाद गंडक नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ने की संभावना है।

यहां पर अभी तक स्थिति नियंत्रण में है, लेकिन अगले 24 घंटों में मुजफ्फरपुर जिले में पानी पहुंचने की आशंका है। हम लोग इस दिशा में लगातार मॉनिटरिंग करते हुए काम कर रहे हैं। प्रशासन ने सभी संबंधित अधिकारियों और विभागों को सतर्क रहने का निर्देश दिया है। इसके साथ ही दोनों ही अनुमंडल क्षेत्र के अधिकारी हालात पर नजर रखे हुए हैं। पूर्वी अनुमंडल क्षेत्र के औराई कटरा प्रखंड और गायघाट प्रखंड के साथ साथ ही पश्चिम अनुमंडल क्षेत्र के सरैया पारू और साहेबगंज प्रखंड क्षेत्र के लिए अलग-अलग टीम बनाई गई है।

गोपालगंज के चार दर्जन गांवों में घुसा बाढ़ का पानी, 50 हजार लोगों का हाल-बेहाल

पलायन कर रहे

गोपालगंज (एजेंसियां)।

भारत के पड़ोसी देश नेपाल में पिछले 72 घंटे में रिकॉर्ड तोड़ बारिश के कारण नदी ने खौफनाक रूप धारण कर लिया। गंडक नदी का जल स्तर तेजी से बढ़ रहा है। पानी के बढ़ने के कारण तटबंधों पर भारी दबाव बना हुआ है। जलसंसाधन विभाग के लिए अगला 24 घंटा अग्निपरीक्षा की घड़ी है। बांध को सुरक्षित रखना विभाग की चुनौती है। यूपी बॉर्डर से अहिरौली दान से लेकर बंगरा घाट तक इंजीनियरों की टीम तटबंधों की स्थिति की 24 घंटे मॉनिटरिंग कर रहे हैं।

जलसंसाधन विभाग के मुख्य अभियंता संजय कुमार ने हाइअलर्ट करते हुए इंजीनियरों व संवेदकों व मजदूरों को मुस्तैद कर दिया है। नदी के स्थिति पर पल-पल नजर रखी जा रही है। उधर, नदी का जल स्तर अभी जिले में बढ़ रहा है। सोमवार की सुबह तक गंडक नदी की चपेट में निचले इलाके के लगभग 43 गांव पूरी तरह से घिर गये। आने-जाने वाली सड़कें डूब गयीं। 50 हजार से अधिक लोग गांवों में घिर गये हैं। गांवों में लोग ऊंचे स्थलों पर शरण ले रहे हैं। घरों में रखे

अनाज, कपड़ा तक डूब गये हैं। लोगों के चूल्हा-चाकी डूबने के कारण लोग परेशान हैं। यह वह लोग हैं, जो प्रशासन की लाख कोशिश के बाद भी घर को छोड़कर बाहर नहीं निकले है।

ग्रामीणों को भरोसा है कि गांवों में दो-तीन दिनों में पानी घट जायेगा। सदर प्रखंड के कटघटरवां, हीरापाकड़, मेहंदियां, रामपुर टेंगराही, बरइपट्टी, पतहरा, सेमराही, निरंजना,धूप सागर, धर्मपुर, भगवानपुर, रामनगर, मकसुदपुर कुचायकोट में सिपाया टोला वार्ड नं सात, भसही, कालामटिहनियां, भगवानपुर, मांझा प्रखंड के निमुइया, माघी, मगुरहां, भैंसही, पुरैना, बरौली के पकड़ियां एवं सिधवलिया के बंजरिया बैकुंठपुर के आशा खैरा, फैजुल्लाहपुर, बंगरा समेत जिले के 43 गांव पानी से घिरे हैं। नाव ही एकमात्र सहारा बची है।

नदी के बढ़ते जलस्तर को देखते हुए डीएम मो मकसूद आलम के अलावा एसपी अवधेश दीक्षित, डीडीसी कुमार निशांत, एसडीओ डॉ प्रदीप कुमार, जलसंसाधन विभाग के अधीक्षण अभियंता, बाढ़ संघर्षात्मक बल के अध्यक्ष नवल किशोर सिंह, कार्यपालक अभियंता प्रमोद कुमार तटबंधों का निरीक्षण किया। वहीं तटबंधों पर इंजीनियरों की टीम मुस्तैद हो गयी है। अभियंताओं ने तटबंधों को पूरी तरह से सुरक्षित बताया है। देर शाम मैक्सिमम पानी क्रॉस करने लगा। प्रशासन की ओर से लगातार निगरानी की जा रही है।

गोपालगंज में शराब तस्कर और पुलिस के बीच हुई मुठभेड़, गोलीबारी में सिपाही व तस्कर घायल

पटना (एजेंसियां)।

गोपालगंज जिले के भोरे थाना क्षेत्र के जलालपुर गांव में सोमवार को पुलिस और शराब तस्करों के बीच मुठभेड़ हो गई। इसमें एक सिपाही गोली लगने से घायल हो गया, जिसे तुरंत इलाज के लिए सदर अस्पताल गोपालगंज में भर्ती कराया गया। इतना ही नहीं पुलिस ने भी जवाबी कार्रवाई में गोलीबारी की। इसमें एक तस्कर के पैर में गोली लगी है। उसे भी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

बताया जा रहा है कि गोपालगंज पुलिस को यह गुप्त सूचना मिली थी कि जलालपुर के रास्ते तस्कर शराब लेकर गुजरने वाले

हैं। सूचना मिलते ही पुलिस ने शराब तस्कर का पीछा करने लगी। शराब तस्कर अपने को पुलिस से घिरता देख गोलीबारी शुरू कर दी, जिसमें एक सिपाही घायल हो गया।

घटना के बाद तस्कर मौके से फरार हो गए लेकिन पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए उनके ठिकानों पर छापेमारी की। इस दौरान एक तस्कर पुलिस की गिरफ्त में आ गया जबकि अन्य तस्कर फरार हो गए। अन्य शराब तस्करों की तलाश में लगातार छापेमारी जारी है। भागने की कोशिश कर रहे तस्कर पर पुलिस ने भी फायरिंग की। इसमें उसके पैर में गोली लगी है। उसे भी इलाज के लिए सदर अस्पताल गोपालगंज में भर्ती कराया गया है। एसपी अवधेश दीक्षित ने सदर अस्पताल पहुंचकर घायल सिपाही और तस्कर का हाल-चाल लिया और घटना की पूरी जानकारी ली। पुलिस फिलहाल अन्य तस्करों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी अभियान चला रही है।

बेगूसराय में तेज रफ्तार ट्रक ने तीन दोस्तों को कुचला, सभी की मौत, परिजनों में मचा कोहराम

मुंगेर (एजेंसियां)।

बेगूसराय जिले के फुलवरिया थानाक्षेत्र से एक दर्दनाक खबर सामने आई है, जहां एक सड़क हादसे में तीन दोस्तों की मौत हो गई। घटना फुलवरिया थाना के बगराडीह इलाके की है। बताया जा रहा है कि रविवार देर रात तीनों दोस्त खाना खाकर सड़क पर घूमने निकले थे, तभी तेज रफ्तार से आ रही एक ट्रक ने उन्हें कुचल दिया।

जानकारी के मुताबिक, हादसे में बगराडीह निवासी सिंघो महतो के बेटे सिकंदर कुमार (24) की

मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उनके दो अन्य दोस्त दिलीप कुमार (25) और चंदन कुमार (22) को गंभीर हालत में सदर अस्पताल ले जाया गया। अस्पताल में इलाज के दौरान दोनों ने दम तोड़ दिया। मृतक दिलीप कुमार, अरुण दास के बेटे थे, जबकि चंदन कुमार सुधीर महतो के बेटे थे।

मृतक के परिजनों ने बताया कि तीनों दोस्त की मौत सड़क हादसे में हुई है। मृतक चंदन के पिता सुधीर महतो ने बताया कि ये तीनों एक साथ प्लंबर का काम करते थे। रोज की तरह आलापुर से काम करके एक ही बाइक से वापस लौट रहे थे। इसी दौरान तेज रफ्तार से आ रहे ट्रक ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। उसके बाद हम लोगों को सूचना मिली। घटनास्थल पर पहुंचे तो सिकंदर की मौत हो चुकी थी। अन्य दोनों को सदर अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती करवाया, जिनकी मौत इलाज के दौरान हो गई। फुलवारिया थाना अध्यक्ष दिवाकर सिंह ने बताया कि शाम रात सूचना मिली कि बगराडीह के पास अज्ञात ट्रक ने एक बाइक पर सवार तीन लोग प्लंबर का काम कर वापस आ रहे थे। इसी दौरान तीनों प्लंबर मिस्त्री को ट्रक ने टक्कर मार दी, जिसमें एक की मौत घटनास्थल पर हो गई। जबकि दो लोगों को सदर अस्पताल इलाज के लिए भेजा गया, जहां दोनों की मौत हो गई।

छह देशों के तीर्थयात्री पहुंचे गयाजी मोक्षधाम अपने पितरों के उद्धार के लिए किया पिंडदान

गया (एजेंसियां)।

भगवान विष्णु की नगरी मोक्ष धाम गयाजी में आयोजित हो रहे पितृपक्ष मेले में अफ्रिका और रूस समेत कई देशों के लोग पहुंचे।

यहां उन्होंने सनातन परंपराओं के मुताबिक पूरे विधि विधान से अपने पुरखों की आत्मा की शांति और मोक्ष की कामना को लेकर पिंडदान, श्राद्धकर्म और तर्पण का कर्मकांड विष्णुपद के पास देवघाट पर किया। इसके पूर्व सभी विदेशी तीर्थयात्रियों ने विष्णुपद और देवघाट सहित मेला क्षेत्र का परिभ्रमण किया।

जानकारी के मुताबिक, गया में 17 सितंबर से पितृपक्ष मेला चल रहा है, जो दो अक्टूबर तक जारी रहेगा। इस अवधि में देश विदेश के कोने कोने से लाखों की संख्या में हिंदू सनातन धर्मावलंबी यहां आकर अपने पितरों को मोक्ष, उद्धार की कामना के साथ पिंडदान, तर्पण, कर्मकांड और श्राद्ध कार्य को पूरा कर रहे हैं। सोमवार को यूक्रेन, घाना, रूस, उज्बेकिस्तान, नाईजीरिया, साउथ अफ्रीका और जर्मनी से आए विदेशी तीर्थयात्री अपने पूर्वजों का पिंडदान, श्राद्धकर्म और तर्पण किया। सभी ने विष्णुपद मंदिर के पास देवघाट पर आचार्य लोकनाथ गौड़ के नेतृत्व में अपने पुरखों के उद्धार की कामना के साथ श्राद्धकर्म कर्मकांड किया।

इस संबंध में आचार्य लोकनाथ गौड़ ने बताया कि सभी ईसाई धर्म को मानने वाले थे। गयाजी आए सभी विदेशी सनातन धर्म से प्रभावित होकर विदेशी तीर्थयात्रियों ने अपना नाम तक बदल लिया है। उसके बाद यहां किसी ने अपने पति, पिता, भाई, बहन और पत्नी समेत पुरखों का पिंडदान, श्राद्धकर्म और तर्पण का कार्य किया।

साउथ अफ्रीका से आए विदेशी तीर्थयात्री ने बताया कि वह सनातन धर्म के बारे में जाना।

उसमें पूर्वजों के प्रति श्रद्धा प्रकट करना भी है। यही कारण है कि उन्होंने वृंदावन से गया पहुंचकर अपनी बहन और पूर्वज का पिंडदान किया है।

गया में मनाई गई पितृ दीपावली जगमग हो उठा देवघाट

गया (एजेंसियां)।

गया में आयोजित पितृपक्ष मेला के दौरान लाखों की संख्या में तीर्थयात्री गया धाम पहुंचकर अपने पितरों को मोक्ष की कामना के साथ पिंडदान, तर्पण एवं कर्मकांडों को पूरा कर रहे हैं। विष्णुपद मंदिर के समीप फल्गु नदी के तट पर स्थित देवघाट ऐसी तस्वीरें सामने आ रही हैं, जिसे देखकर लोगों का मन प्रसन्न होरहा है। पितृपक्ष के 14वें दिन की शाम विष्णुपद मंदिर के समीप देवघाट पर पितृ दिवाली मनाई गई है।

आस्था के प्रति लोगों का यह मानना है कि आज के दिन दीपदान करने से पितरों के स्वर्ग जाने का मार्ग प्रकाशमय हो जाता है। दीप जलाकर पितरों को प्रसन्न किया जाता है। पितृ प्रसन्न होकर आशीर्वाद देते हैं। देश के अलग-अलग राज्यों से आए महिला-पुरुष तीर्थयात्रियों ने अपने पुरखों

की आत्मशांति के लिए कामना करते हुए पितरों के लिए घी के दीये जलाए। पितृ दीपावली पर हजारों की संख्या में दीप जलने के बाद पूरा घाट जगमग हो उठा। देवघाट के कोने-कोने में दीप जल रहा है। काफी संख्या तीर्थयात्री पहुंचे हैं।

स्थानीय लोगों का कहना है कि भगवान विष्णु की नगरी और मोक्ष की भूमि को गया जी कहा जाता है। यहां भगवान विष्णु स्वयं पितृ देव के रूप में विराजमान रहते हैं, इसलिए इसे पितरों का तीर्थ भी कहा जाता है। इस मेला की शुरुआत 17 सितंबर को हुई थी और 2 अक्टूबर को इसका समापन होगा।

सहरसा के महिषी प्रखंड में बाढ़ का कहर, 50 हजार लोग विस्थापित, जनजीवन हुआ अस्त-व्यस्त

सहरसा (एजेंसियां)।

सहरसा जिले के महिषी प्रखंड में बाढ़ की भयावह स्थिति बन गई है। जहां दरभंगा के कीरतपुर के पास पश्चिमी बांध के टूटने से बाढ़ का पानी तेजी से फैल गया है।

इससे कई गांव बुरी तरह प्रभावित हो गए हैं और हजारों लोग विस्थापित हो गए हैं। पुनाच रही, भ्रमपुरपुर, बघवा पुनर्वास, रोटी चकला, रोटी मुसहरी, पूर्वी पुनर्वास, बालीपुर, जलई, मोहम्मदपुर और सिदिकपुर जैसे गांवों सहित लगभग 50 हजार लोग बाढ़ से प्रभावित हो चुके हैं।

जानकारी के मुताबिक, गांवों में पानी का स्तर अचानक बढ़ने से कई जगहों पर बिजली के खंभे गिर गए हैं, जिससे बिजली आपूर्ति भी ठप हो गई है।

गंडौल से रही टोला जाने वाला अप्रोच पुल भी क्षतिग्रस्त हो गया, जिससे आवागमन की

समस्या गंभीर हो गई है। लोग अपने घरों को छोड़कर तटबंध और सड़कों पर शरण लेने को मजबूर हैं।

विशेष रूप से बच्चों को खाने-पीने और सुरक्षित स्थान पर रहने में भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

सूचना मिलते ही महिषी प्रखंड के सीओ अनिल कुमार ने मौके पर पहुंचकर राहत कार्यों को तेजी से शुरू किया। बाढ़ प्रभावित लोगों के लिए जलई ओपी में एक स्वास्थ्य शिविर भी आयोजित किया गया है।

प्रशासन ने कम्युनिटी किचेन की भी शुरुआत की है, ताकि लोगों को भोजन की समस्या का सामना न करना पड़े। सीओ का कहना है कि हर संभव मदद पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है और प्रभावित लोगों को किसी तरह की परेशानी नहीं होने दी जाएगी।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com